हिन्दी दैनिक

न्यूज गाइड

RNI No- UPHIN/2008/28258

आपका देश आपकी बात...

वर्षः 14, अंकः 31 पृष्ठ :8 | www.newsguide.co.in E-mail : newsguidelko@gmail.com लखनऊ, शुक्रवार 18 नवम्बर, 2022 मूल्य 1.50

संक्षिप्त समाचार

बंद घर से लाखों की चोरी

लखनऊ, (यूएनएस)। पीजीआई थाना क्षेत्र में चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाते हुए हजारों रुपयों की नकदी और लाखों रुपये के जेवरात चोरी कर ले गए। चोरों का पता लगाने के लिए घर से कुछ दूरी पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पीड़ित ने अज्ञात चोरों के खिलाफलिखित शिकायत की हैं। कल्ली पश्चिम के ईरा नगर कालोनी में जुम्मन अपनी माँ शहरुन निशा,पत्नी शबनम बानो और बेटे आसीफके साथ रहते हैं। वह सब्जी विक्रेता हैं। उन्होनें बताया कि बीते बुधवार की रात घर में ताला बंद करके परिवार के साथ रिश्तेदार के घर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। देर रात जब वह घर वापस लौटे तो देखा कि चोर संदूक में रखे करीब 60 हजार रुपये की नकदी समेत लाखों रुपये कीमत के जेवरात चुरा ले गये है।

दोस्त ने साथी युवक पर किया चाकू से हमला

लखनऊ, (यूएनएस)। मंगलवार रात घर लौट रहे युवक पर उसके ही मित्र ने चाकू से हमला बोल दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। आशियाना कोतवाली क्षेत्र के शारदा नगर रूचि खंड प्रथम निवासी मोहिंदर प्रताप सिंह ने बताया कि वह कृष्णा नगर में एक निजी केमिस्ट स्टोर पर काम करता है। मंगलवार रात वह दुकान से अपने घर वापस लौट रहा था। किला चौराहे पर उसका पुराना साथी अंकित उसे नशे में धुत्त मिला। जिसने उसे रोक कर चाभी के गुच्छे में लगे रिंग चाकू से उसके पेट पर वार कर दिया। जिससे उसके पेट से खून निकलने लगा। वह भागकर पुलिस चौकी में गया और पुलिस से मदद मांगी। पुलिस उसे घायल देख लोकबंधु अस्पताल भेजा। इंस्पेक्टर आशियाना अजय प्रकाश मिश्रा के मुताबिक युवक की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश किया जा रहा है।

ग्राम प्रधान सहित चार पर मारपीट का मुकदमा

लखनऊ, (यूएनएस)। मनरेगा योजना के तहत कराए जा रहे नाली निर्माण के दौरान ग्राम प्रधान व युवक के बीच कहासुनी बढ़ने पर मारपीट हो गई। जिस पर नगराम थाने पर मुकदमा दर्ज कराया गया है। नगराम के अचली खेड़ा निवासी अंजनी कुमार वर्मा ने बताया कि गांव में जल निकासी नालियों का निर्माण ग्राम पंचायत द्वारा कराया जा रहा है। जिसमें प्रथम श्रेणी के ईंटों के स्थान पर दोयम दर्जे की ईंटों का प्रयोग किया जा रहा था। जिसकी शिकायत ग्राम प्रधान अरविंद वर्मा से की गयी तो वह आक्रोशित हो गए। कहासुनी बढ़ने पर ग्राम प्रधान ने अपने भाई हरिशंकर, पड़ोसी लवकुश व सतई खेड़ा गांव निवासी विनय वर्मा के साथ मिलकर पिटाई कर दी। उधर ग्राम प्रधान अरविंद वर्मा का कहना है कि गांव में किए जा रहे विकास कार्यों में अंजनी कुमार कमीशन मांगा रहा था। जिसे न देने पर सरकारी काम में बाधा पहुंचाई गई।

जालसाजों ने खाते से उड़ाये रुपये

लखनऊ, (यूएनएस)। साइबर जालसाजों ने युवती समेत दो लोगों के खाते से 1.10 लाख रुपये उड़ा लिए। गाजीपुर के इन्दिरानगर सेक्टर- 22 निवासी दीपाली श्रीवास्तव के मुताबिक कुछ दिन पहले उनके मोबाइल पर अंजान नंबर से फोन आया। जालसाज ने अपना परिचय बैंक कर्मी अवनीश के रूप में दिया। जालसाज ने क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर खाते की जानकारी ले ली। जालसाज ने एक लिंक भेजा, लिंक पर क्लिक करते ही खाते से दो बार में 99,998 रुपये निकल गये। वहीं, पारा के सरोसा स्थित रघुनन्दन विहार में पशुपति नाथ श्रीवास्तव का बचत खाता एसबीआई हसनगंज शाखा उन्नाव में है। बीते सोमवार को साइबर जालसाज ने उनके डेबिट कार्ड का क्लोन बनाकर 9999 रुपये की ऑनलाइन शापिंग कर डाली। रुपये कटने का मैसेज देख उनके होश उड़ गये। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छात्र छात्राओं को किया जागरूक

लखनऊ, (यूएनएस)। सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत नगराम के सीपीएल इंटर कालेज लक्षिमनपुर में गुरुवार के दिन प्रभारी निरीक्षक नगराम हेमंत कुमार राघव ने छात्र छात्राओं को जानकारी देकर जागरूक किया। उन्होंने बताया कि जीवन अमूल्य है, सड़क पर दोपहिया या चौपहिया वाहन से यात्रा करते समय यातायात नियमों का पालन किया जाना चाहिये। जिससे दुर्घटना से बचा जा सकता है। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट व चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट लगाया जाना चाहिए ।

नशे का सौदागर 40 लाख के चरस के साथ गिरफ्तार, एसटीए ने आरोपी को वजीरगंज लखनऊ से दबोचा

लखनऊ, (यूएनएस)। दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलो में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले गिरोह के एक सौदागर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से 6400 किलोग्राम चरस बरामद हुई। जिसकी कीमत अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में लगभग 40 लाख रुपये बताई जा रही है। एसटीएफके अपर पुलिस अधीक्षक में सत्यसेन यादव के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली कि नेपाल से मादक पदार्थ की तस्करी कर दिल्ली व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में लाकर बेचा जा रहा है। इस गिरोह का एक सदस्य कैसरबाग वजीरगंज लखनऊ बस अड्डे के पास के पास मौजूद है। इस सूचना पर निरीक्षक प्रमोद कुमार वर्मा के नेतृत्व में एसटीएफटीम ने वहां पहुंची और मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में अपना नाम नन्दलाल निवासी देव वाल्टरगंज जिला बस्ती बताया। आरोपी के पास से 6400 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ, एक मोबाइल व 1500 रुपये की नकदी मिली। आरोपी नंदलाल ने पूछताछ पर बताया कि अवैध मादक पदार्थ नेपाल-बढनी बार्डर से खुशनू भाई नाम के व्यक्ति से खरीदकर लाता है और शामली बस स्टैण्ड पर हक्कल भाई को देता है। जो इस चरस को दिल्ली व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों में आपूर्ति करता है।

दो लुटेरों धरे गये

लखनऊ, (यूएनएस)। महिलाओं और बुजुर्गो से चेन व पर्स लूट करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को इन्दिरानगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इंस्पेक्टर इन्दिरानगर छत्रपाल सिंह के मुताबिक गुरुवार को दो संदिग्धों को सीमैप के पास स्थित जंगल से पकड़ा गया है। आरोपियों की पहचान गाजीपुर के सर्वोदयनगर निवासी विक्की सिंह व महानगर के रामेन्द्र सिंह के रूप में हुई। दोनों आरोपितों के खिलाफ इन्दिरानगर, महानगर व गाजीपुर समेत आसपास के थानों में लूट व चोरी समेत छह मुकदमें दर्ज हैं

पांच टप्पेबाजों को पुलिस ने पकड़ा

लखनऊ, (यूएनएस)। टप्पेबाजी की वारदात से हुसैनगंज पुलिस और सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी मध्य अपर्णा रजत कौशिक के मुताबिक राजधानी में कई टप्पेबाजी की घटनाएं लगातार सामने आई थी। जिस पर कार्रवाई करते हुये हुसैनगंज प्रभारी निरीक्षक श्याम सिंह व उनकी टीम ने सर्विलांस सेल की मदद से गोंडा के रहने वाले राजेश कुमार, दिलीप कुमार, अमर सिंह, विकास और दिनेश को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी बैंकों के बाहर टप्पेबाजी की वारदात को अंजाम देते थे।

भारत को फिर से विश्व गुरु के पद पर अधिष्ठित करेगी नई शिक्षा नीति : नरेंद्र सिंह तोमर

- जब प्रक्रिया पूर्ण होगी तो परिवर्तन को कोई रोक नहीं सकता : अरुण कुमार
- भारत भूमि से करुणा का वैश्वीकरण होगा: कैलाश सत्यार्थी
- शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित तीन दिवसीय ज्ञानोत्सव का शुभारंभ

न्यूज गाइड, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने गुरुवार को कहा कि नई शिक्षा नीति आने वाले कल में भारत को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान देगी। साथ ही जब देश की आजादी 100 वर्ष की होगी तब यही शिक्षा नीति पुनः भारत को विश्वगुरु के पद पर अधिष्ठित करने में भी सफल होगी। केंद्रीय मंत्री तोमर यहां भारतीय कृषि संस्थान (पूसा) में 'शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास' द्वारा शिक्षा से आत्मनिर्भर भारत की थीम पर आयोजित तीन दिवसीय 'ज्ञानोत्सव-2079' के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। अध्यक्षीय उद्बोधन में केंद्रीय मंत्री ने मनुष्य के जीवन में शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि शिक्षा प्रगति का उपकरण है, लेकिन यदि इसकी दिशा ठीक न हो तो उसका नुकसान भी देश और समाज को उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि आजादी के तत्काल बाद जो दिशा निश्चित होनी चाहिए थी, वह नहीं हुई। इसके चलते हमारा निज गौरव, देशज पद्धतियां व परंपराएं प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि शिक्षा रोजगारोन्मुखी के साथ-साथ राष्ट्रोन्मुखी और संस्कारोन्मुखी भी होनी चाहिए। इस दिशा में भारतीय मनीषियों ने समय-समय पर मंथन किया और जरूरी सुझाव दिए हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के गठन से पहले शिक्षा बचाओ आंदोलन कार्य कर रहा था। शिक्षा का दीप जलाने वाला यह आंदोलन शिक्षा नीति में आमूलचूल परिवर्तन कर पाया है। अब उसका क्रियान्वयन होगा। यह नई शिक्षा नीति हमें विश्व गुरु के पद पर प्रतिष्ठित करेगी। अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह अरुण कुमार ने भारत की 1000 वर्षों की यात्रा, स्वाधीनता से स्वतंत्रता की 75 वर्ष की यात्रा और देश में हो रहे परिवर्तन की चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की शिक्षा कैसी हो इसका चिंतन बहुत समय से चल रहा है। चिंतन समग्र हो यह सब चाहते हैं, लेकिन इसकी प्रक्रिया नहीं है। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ने यह काम किया। देशभर में घूमकर विभिन्न विषयों पर काम करने वाले लोगों को चिन्हित कर एकत्रित किया। दूसरे चरण में सभी ने एक साथ मिलकर सोचने का काम किया। यह तीसरा चरण है। सभी लोगों ने जब सोचना शुरू किया और जो निष्कर्ष निकले उसका अनुभव लेकर क्रियान्वयन करना। उन्होंने कहा कि सरकार ने नीति बना दी लेकिन क्रियान्वयन समाज को करना है। इस दिशा में आगे बढना है तो प्रयोग करना पड़ेगा। आज का ज्ञानोत्सव इस दिशा में परिणीति की ओर पहुंचाते हुए परिणाम की ओर आगे बढ़ेगा। यह कार्यक्रम विशिष्ट पृष्टभूमि में हो रहा है। देश में निरंतरता है। समान मूल्य, समान संस्कृति, समान जीवन पद्धति। एक राष्ट्र, एक जीवन। एक राष्ट्र, एक संस्कृति। एक राष्ट्र, एक समाज दिखाई देगा। इसके लिए हम सभी को अपनी शिद्दता बढ़ानी होगी। परिवर्तन की इच्छा रखिए, परिवर्तन के लिए काम मत करिए, क्योंकि प्रक्रिया पूरी किए बिना हम काम करते हैं तो परिणाम नहीं आता। यह बीज से वृक्ष की यात्रा है। पेड़ से पेड़ उगाने की नहीं। जब प्रक्रिया पूर्ण होगी तो परिवर्तन को कोई रोक नहीं सकता है। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित समाजसेवी कैलाश सत्यार्थी ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह ज्ञानोत्सव नहीं, बल्कि ज्ञान यज्ञ है। यहां मौजूद लोग नई शिक्षा नीति को लोगों तक पहुंचाने के लिए काम कर रहे हैं। ये नए भारत के निर्माता हैं।आत्मनिर्भर, स्वाभिमानी, समावेशी, उद्यमी और जगतगुरु भारत के निर्माता हैं। यह शिक्षा पद्धति बड़े बदलाव वाली शिक्षा पद्धति है। हमारी शिक्षा सिर्फ जानकारी, सूचना, डेटा तक सीमित नहीं। हमारा शिक्षक गुरु है और गुरु का अर्थ अंधेरे से उजाले की ओर ले जाने वाला। हमारी शिक्षा के साथ संस्कार जुड़े हैं। संस्कृति जुड़ी है, सांस्कृतिक मूल्य जुड़े हैं और धर्म जुड़ा है। यह किसी धर्म या मजहब की बात नहीं है। शिक्षा हमारे धर्म का हिस्सा है। धार्मिक होने के लिए शिक्षित होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कार की विशेषता है कि अहं (मैं) की जगह हम वयं (हम सब) कहते हैं। हमारी पूरी यात्रा वैश्विक यात्रा है और इसमें शिक्षा का योगदान प्रमुख है। हमारी शिक्षा और संस्कार जोडने का काम करते हैं। हजारों साल पहले से यह परंपरा चली आ रही है। हजारों साल पहले हमारे ऋषियों ने यह ज्ञान दिया है। आज दुनिया में सब चीजों का वैश्वीकरण कर दिया गया है। लेकिन गंगा, यमुना, कावेरी, हिमालय, कन्याकुमारी वाला भारत वो भूमि है, जहां से करुणा का वैश्वीकरण होगा। प्रारंभ में स्वागत भाषण ज्ञानोत्सव आयोजन प्रभारी डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने दिया। उन्होंने कहा कि हम सब शिक्षा के क्षेत्र में ताकतवर फसल के निर्माण का कार्य कर रहे हैं। शिक्षा में परिवर्तन लाने वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन ज्ञानोत्सव के माध्यम से सार्थक सिद्ध होगा। ज्ञानोत्सव की संकल्पना प्रस्तुत करते हुए न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि न्यास का ध्येय वाक्य है- देश को बदलना है तो शिक्षा को बदलना होगा। जैसा देश, समाज, नागरिक चाहिए, वैसी ही शिक्षा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनाई है उसके क्रियान्वयन में समाज की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। लोकतंत्र में सरकार और समाज मिलकर सामूहिक प्रयास करेंगे तो सफलता निश्चित है।

फैसला सुनाने के बाद अतिरिक्त आरोपियों को तलब करने के मुद्दे पर न्यायालय ने निर्णय सुरक्षित रखा

न्यूज गाइड, एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को इस मुद्दे पर फैसला सुरक्षित रख लिया कि क्या आपराधिक मामले में कुछ आरोपियों के खिलाफफैसला सुनाने के बाद भी निचली अदालत को अतिरिक्त आरोपियों को तलब करने का अधिकार है। न्यायमूर्ति एस. ए. नजीर की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ ने संदर्भ के सवालों पर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू, न्याय मित्र एस. नगामुथू और अन्य की दलीलें सुनीं। संविधान पीठ ने कहा, ''दलीलें सुनीं, फैसला सुरक्षित।'' पीठ में न्यायमूर्ति बी. आर. गवई, न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना, न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना भी शामिल थे। शीर्ष अदालत ने 2019 में दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 319 (अपराध के दोषी प्रतीत होने वाले अन्य व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही की शक्ति) के दायरे और क्षेत्र पर कानून के तीन प्रश्न तैयार किए थे तथा इस मामले को निर्णय के लिए एक बड़ी पीठ को भेज दिया था। पीठ की ओर से संदर्भित मुद्दों में यह शामिल है कि क्या निचली अदालत के पास सीआरपीसी की धारा 319 के तहत अतिरिक्त अभियुक्तों को तलब करने की शक्ति है, यदि अन्य सह-अभियुक्तों से संबंधित मुकदमे का फैसला आ गया हो और तलब किये जाने की घोषणा से पहले उसी तारीख को दोषसिद्धि का फैसला सुनाया गया हो। शीर्ष अदालत ने इस मामले को एक बड़ी पीठ के पास भेजते हुए कहा था कि उसका मानना है कि सीआरपीसी की धारा 319 के तहत प्राप्त शक्ति असाधारण प्रकृति की है और निचली अदालतों को जटिलताओं से बचने तथा निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए आरोपियों को तलब करते समय सतर्क रहना चाहिए।शीर्ष अदालत का फैसला पंजाब विधानसभा में विपक्ष के तत्कालीन नेता सुखपाल सिंह खैरा द्वारा पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए आया था, जिसमें सीमा पार से नशीली दवाओं की तस्करी से संबंधित 2015 के एक मामले में समन रद्द करने की उनकी याचिका खारिज कर दी गयी थी। फाजिल्का की एक अदालत ने मामले में खैरा को पेश होने के लिए समन जारी किया था। खैरा के मामले में जब मादक पदार्थ मामले में 10 अभियुक्तों के खिलाफमुकदमा चल रहा था, तब अभियोजन पक्ष ने उनके सहित पांच अतिरिक्त अभियुक्तों को समन करने के लिए आवेदन दायर किया था। शीर्ष अदालत ने दिसंबर 2017 में निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी।

कोविड से जान गंवाने वाले के परिवार को मुआवजा देने पर विचार करे दिल्ली सरकार: उच्च न्यायालय

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को दिल्ली सरकार को दो महीने में यह तय करने के लिए कहा कि वह ड्यूटी के दौरान कोविड-19 से जान गंवाने वाले 49 वर्षीय यातायात निरीक्षक को अनुग्रह राशि प्रदान करेगी या नहीं। याचिकाकर्ता ने कहा है कि सरकारी नीति के अनुसार, यदि ड्यूटी पर रहते हुए किसी सरकारी कर्मचारी की कोविड-19 से मौत हो जाती है तो मृतक का परिवार एक करोड़ रुपये के मुआवजे का हकदार है।

मेटा इंडिया की कमान संध्या देवनाथन को, नए साल में संभालेंगी नई जिम्मेदारी

नई दिल्ली। मेटा (पूर्व में फेसबुक) ने गुरुवार को मेटा इंडिया के उपाध्यक्ष के रूप में संध्या देवनाथन की नियुक्ति की घोषणा की। हाल के दिनों में कई प्रमुख अधिकारी कंपनी छोड़ चुके हैं। वह 1 जनवरी, 2023 को अपनी नई भूमिका शुरू करेंगी और मेटा एपीएसी के उपाध्यक्ष डैन नियरी को रिपोर्ट करेंगी। देवनाथन एपीएसी नेतृत्व टीम का हिस्सा होंगी और देश के संगठन और रणनीति का नेतृत्व करने के लिए भारत वापस आएंगी। मेटा के मुख्य व्यवसाय अधिकारी, मार्ने लेविन ने कहा, संध्या के पास व्यवसायों को बढ़ाने, असाधारण और समावेशी टीम बनाने, उत्पाद नवाचार चलाने और मजबूत साझेदारी बनाने का एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है। हम भारत में मेटा की निरंतर वृद्धि को लेकर रोमांचित हैं। कंपनी ने कहा कि देवनाथन मेटा के कारोबार के दीर्घकालिक विकास और भारत के प्रति प्रतिबद्धता को समर्थन देना जारी रखते हुए अपने भागीदारों और ग्राहकों की सेवा के लिए संगठन की व्यवसाय और राजस्व प्राथमिकताओं को एक साथ लाने पर ध्यान केंद्रित करेंगी। वह 2016 में मेटा में शामिल हुई और सिंगापुर और वियतनाम के व्यवसायों और टीमों के साथ-साथ दक्षिण पूर्व एशिया में मेटा की ई-कॉमर्स पहलों को बनाने में मदद की। 2020 में, वह एपीएसी के लिए गेमिंग का नेतृत्व करने के लिए चली गई जो वैश्विक स्तर पर मेटा के लिए सबसे बड़े वर्टिकल में से एक है। कंपनी ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की थी कि बढ़ती असुरक्षा और बड़े पैमाने पर छंटनी के बीच, व्हाट्सएप के भारत प्रमुख अभिजीत बोस और मेटा इंडिया के पब्लिक पॉलिसी के निदेशक राजीव अग्रवाल ने इस्तीफा दे दिया है। मेटा ने पिछले हफ्ते 11,000 से अधिक कर्मचारियों, या इसके कर्मचारियों के 13 प्रतिशत को बर्खास्त कर दिया था, जो भारत में विभिन्न टीमों को प्रभावित करने वाले सबसे खराब छंटनी में से एक था।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा अब 23 नवंबर को मध्‍य प्रदेश में करेगी प्रवेश

भोपाल, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के मध्य प्रदेश में प्रवेश करने की तारीख में बदलाव हुआ है। अब उनकी यात्रा 20 नहीं बल्कि 23 नवंबर को महाराष्ट्र के जलगांव जामोद से मध्य प्रदेश के बोदरली गांव में प्रवेश करेगी। कांग्रेस के आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि राज्य में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के 20 नवंबर को प्रवेश करने की पूर्व में तारीख तय की गई थी, मगर 21 नवंबर को विश्राम दिए जाने की योजना थी।

डिप्टी सीएम पहुँचे मुजफ्फरनगर, कराया बीजेपी प्रत्याशी राजकुमारी सैनी का नामांकन

चुनाव गुंडाराज और विकास के बीच है: ब्रजेश पाठक

न्यूज गाइड, संवाददाता

लखनऊ। खतौली उपचुनाव में चुनावी जंग की सूरत और सीरत साफ हो चुकी है। रालोद और सपा गठबंधन के प्रत्याशी का ऐलान कर देने के बाद से खतौली चुनाव के लिए सत्ता पक्ष ने बाहुबली का एक शोर पैदा किया।आज इस चुनाव की सीधी जंग इसी एक शब्द से निर्णायक जंग में तब्दील होती जा रही है। भाजपा प्रत्याशी राजकुमारी सैनी की नामांकन सभा में मुख्य अतिथि के रूप में आये प्रदेश के डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने साफ कर दिया कि यह चुनाव गुण्डाराज और विकास के बीच की सीधी लड़ाई है। जनता जान चुकी है कि भाजपा ने यूपी में कानून का राज स्थापित किया और सपा सरकार में लुच्चे लफंगे पलते रहे हैं। उन्होंने खतौली उपचुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत का दावा करते हुए कहा कि राजकुमारी सैनी इस बार पिछले अंतर से भी बड़ा अंतर लेकर जीत रही हैं। जनता विकास करने वाला ईमानदार विधायक चाहती है। बाहुबलियों का जमाना अब यहां नहीं रहा है। खतौली उपचुनाव में आज नामांकन के अंतिम दिन भाजपा प्रत्याशी राजकुमारी सैनी पत्नी पूर्व विधायक विक्रम सैनी का नामांकन कराने के लिए आये सूबे के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक पूरी तरह से विपक्ष पर हमलावर दिखे। उन्होंने खतौली उपचुनाव की इस सियासी लड़ाई को गुण्डाराज बनाम कानून का राज की जंग बताते हुए कहा कि भाजपा गरीबों के कल्याण और विकास के मुद्दे को लेकर ही इस बार भी चुनाव मैदान में उतरी । खतौली में भाजपा प्रत्याशी बनीं राजकुमारी सैनी बड़ी प्रचंड जीत दर्ज करने जा रही हैं। दशकों से उनका जीवन सार्वजनिक रहा है वो समाज की सेवा में समर्पित रही हैं। लगातार सेवा की है। पीएम मोदी की गरीब कल्याण की योजनाओं को हमारी सरकार ने जन जन तक पहुंचाने का काम किया है। आज प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ की नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा चहुंओर हो रही है। दिन प्रतिदिन भाजपा के प्रति जनता का लगाव बढ़ रहा है। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने खतौली में आयोजित जनसभा के दौरान मीडिया कर्मियों बातचीत करते हुए कहा कि प्रदेश के साथ ही मुजफ्फरनगर की जनता ने असामाजिक तत्वों व गुण्डों.बदमाशों को पहले ही नकार दिया है। हमारी सरकार ने यहां पर कानून का राज स्थापित कर भयमुक्त समाज जनता को दिया है। यहां के लोग विकास चाहते हैं। हमारी सरकार ने गुण्डों को यूपी से बाहर कर विकास का रास्ता तय किया है। सीएम योगी की सरकार के कारण शत प्रतिशत रूप से बाहुबलियों का जमाना अब इस सूबे से चला गया है। गुण्डे.बदमाश और लुच्चे.लफंगे सपा सरकार में पुष्पित और पल्लवित होते हैं। हमने कानून को स्थापित किया है। आज भी खतौली के लोग भाजपा का कमल खिलाने का पूरा मन बना चुके हैं। लोग यहां पर निष्पक्ष और ईमानदार विधायक चाहते हैं। राजकुमारी सैनी प्रचंड जीत की ओर बढ़ रही हैं। इस बार भाजपा यहां पर बड़े अंतर के साथ जीत दर्ज करायेगी।इससे पूर्व खतौली नगर में एक बैंकट हॉल में आयोजित नामांकन सभा में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने भाजपा प्रत्याशी राजकुमारी सैनी के समर्थन में जनता और कार्यकर्ताओं को केवल कमल को प्रत्याशी मानकर चुनाव में जुटने और समर्थन देने का आह्वान किया। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री डॉ0 संजीव बालियान, प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल, लोक निर्माण राज्यमंत्री कुंवर बृजेश सिंह, ऊर्जा राज्यमंत्री सोमेन्द्र तोमर, क्षेत्रीय अध्यक्ष मोहित बेनीवाल, सहारनपुर विधायक राजीव गुम्बर, एमएलसी वन्दना वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष डा, वीरपाल निर्वाल, सपना कश्यप, पूर्व विधायक विक्रम सैनी, उमेश मलिक, जिला प्रभारी सतेन्द्र सिसौदिया, जिलाध्यक्ष विजय शुक्ला, चेयरमैन प्रवेन्द्र भडाना, चेयरमैन परमेश सैनी, यनेश तंवर, हरीश अहलावत, देवव्रत त्यागी, यशपाल पंवार, बॉबी सहरावत, सहाकारी बैंक सभापति सत्यपाल पाल, सुधीर सैनी, अक्षय पुण्डीर, प्रमोद सैनी सहित सैंकड़ों लोग मौजूद रहे। यहां से सभी नेता राजकुमारी सैनी के साथ कलेक्ट्रेट के लिए रवाना हुए और नामांकन किया।

संक्षिप्त समाचार

शहर की गंदगी देख भड़कीं डीएम ने लगाई फटकार

डेंगू प्रभावित इलाकों का किया दौरा, आसपास के लोगों को किया जागरूक

बांदा, (यूएनएस)। शहर में गंदगी देख जिलाधिकारी दीपा रंजन रह गई हैरान। समझ गई कि जनता डेंगू के कहर भरे डंक से क्यों परेशान है। दरअसल डीएम दीपा रंजन बुधवार सुबह डेंगू प्रभावित क्षेत्रों कालूकुआं एवं तुलसी नगर का स्थलीय निरीक्षण किया। इस के दौरान कालूकुआं में नाली सफाई व सड़क पर जल भराव तथा गन्दगी पाये जाने पर कड़ी नाराजगी जताई। अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका को निर्देश दिया कि शहर में प्रतिदिन साफ-सफाई, फॉगिंग एवं एन्टीलार्वा का छिडकॉव निश्चित रूप से हो।अधिशाषी अधिकारी को कालूकुआं में सड़क में जल भराव वाले स्थल पर सड़क नीची होने पर लगभग सौ मीटर की सड़क को ऊंचा बनाये जाने का प्रस्ताव प्रस्तुत करने तथा नालियों में जल भराव हटाने एवं कूड़ा उठान के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने डेंगू प्रभावित क्षेत्र के लोगों से वार्ता भी की। जागरूक किया कि अपने-अपने घरों में साफ-सफाई रखें, पानी को एकत्र न होने दें तथा पानी की टंकी, कूलर, गमलों, छत आदि पर पानी कहीं जमा न होने पाये, जिससे कि एन्टीलार्वा उत्पन्न न हो और डेंगू से बचाव हो सके। उन्होंने लोगों से प्रतिदिन होने वाली फॉगिंग एवं सर्वे टीमों के निरीक्षण के सम्बन्ध में जानकारी ली। जिला मलेरिया अधिकारी को निर्देश दिया कि प्रभावित क्षेत्रों के प्रत्येक घर में जाकर सर्वे करें। टीम में एक महिला कर्मचारी को अवश्य रखें। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी अनिल श्रीवास्तव, ईओ पालिका बुद्धि प्रकाश सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम उपस्थित रही।

4 दिन पहले घर से गायब मासूम की हत्या, तालाब में मिला शव... पुलिस जांच में जुटी

बांदा, (यूएनएस)। जिले में आज सुबह चार दिन से लापता मासूम का शव तालाब पर उतराता मिला। जिसके बाद तालाब में मासूम का शव मिलने की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने बताया कि उनका ढाई वर्ष का बच्चा चार दिन पहले रहस्यमयी ढंग से गायब हो गया था। बच्चे के मौत की खबर सुनकर सपा का प्रतिनिधि मंडल भी मौके पर पहुंचा और परिजनों का ढाढ़स बढ़ाने के साथ जल्द न्याय की मांग करने लगा। आपको बता दें कि यह मामला तिंदवारी थाना कस्बे का है। जहाँ 13 तारीख को एक ढाई वर्षीय मासूम घर के बाहर खेलते हुए रहस्यमयी ढंग से गायब हो गया था। जिसके बाद परिजनों द्वारा बच्चे की तलाश किये जाने पर भी उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद परिजनों ने बच्चे के गायब होने की सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस लगातार मासूम को खोज कर रही थी। बच्चे का शव मिलने की सूचना जब बबेरू से सपा विधायक को हुई तो वो भी अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ मौके पर पहुंच कर परिजनों को सांत्वना दिया। बच्चे के परिजन तालाब के पास घूम रहे थे तभी उसी समय उन्हें तालाब पर मासूम का शव पानी मे उतराता दिखा। नजदीक जाकर देखा तो शव उसी ढाई वर्षीय मासूम का था परिजनों ने जैसे ही शव को देखा तो वह अपना सुध बुध भूल गए। गांव के तालाब में शव मिलने की जानकारी पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में अपर पुलिस अधीक्षक का कहना है कि बच्चे की गुमशुदगी 13 तारीख को दर्ज करने के बाद पुलिस की टीम को बच्चे की तलाश के लिए लगा दिया गया था। आज बच्चे का शव तालाब में उतराता मिला है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। अगर हत्या जैसा कोई बात सामने आती है तो आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तालाब में मिला युवक का शव

उरई/जालौन, (यूएनएस)। जालौन के खुटैला में एक युवक का शव तालाब में उतराया मिला। शव के पास युवक की बाइक भी पड़ी मिली। जिसे देख स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाया। साथ ही शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। घटना कैलिया थाना क्षेत्र के खुटैला की है। जहां गांव के बाहर बने तालाब में एक युवक का शव उतराता मिला। शव के पास ही युवक की बाइक पड़ी हुई थी। ग्रामीणों ने तालाब में शव और बाइक देखी तो पुलिस को सूचना दी। इसके बाद शव को बाहर निकाला गया। जिसके चेहरे पर मिट्टी लगी थी, चेहरा साफकिया गया तो उसकी शिनाख्त 25 वर्षीय राम अनुग्रह उर्फ उर्सलाल पुत्र मूरख सिंह के रूप में हुई। शिनाख्त होते ही परिजन मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस को बताया कि राम अनुग्रह देर रात को खाना खाने के बाद बाइक से खेत जाने की बात कहकर निकला था। कैलिया थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र नाथ सिंह यादव ने बताया कि बाइक की रफ्तार तेज होने के कारण राम अनुग्रह अपना संतुलन खो बैठा। जिससे वह बाइक सहित सड़क किनारे बने तालाब में गिर गया और डूबने से उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि राम अनुग्रह चिलम का नशा करता था। नशे में होने के कारण यह हादसा हुआ हो। फिलहाल शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चोरों ने कन्फैक्शनरी की दुकान को बनाया निशाना, लाखों का माल किया पार

उरई/जालौन, (यूएनएस)। जालौन में चोरी की घटनाएं बढ़ती जा रही है। इसके बावजूद भी पुलिस इन चोरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर पा रही है। बीती रात चोरों ने कन्फैक्शनरी की दुकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए की चोरी की घटना को अंजाम दिया। जब दुकानदार दुकान खोलने के लिए पहुंचा तो दुकान का सामान गायब देख उसके होश उड़ गए। उसने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। बीते एक सप्ताह में यह चौथी चोरी की घटना है। घटना माधवगढ़ कोतवाली के बंगरा की है। जहां एक सप्ताह के अंदर लगातार चौथी चोरी के साथ दुकानदारों में चोरों का खौफ लगातार बढ़ता जा रहा है। बुधवार देर रात कस्बे की एक कन्फैक्शनरी की दुकान पर चोरों ने अपने काम को अंजाम देकर दुकानदार को करीब 1 लाख रुपये का सामान पार कर दिया। यह चोरी बंगरा कस्बे के रहने वाले धीरज याज्ञिक की दुकान में हुई है। पीड़ित दुकानदार ने बताया कि बुधवार देर रात चोरों ने उनकी बस स्टैण्ड पर मौजूद कन्फैक्शनरी की दुकान का ताला तोड़कर गुल्ल्लक में मौजूद तकरीबन 30 हजार रुपये नगदी और सामान समेत लगभग 1 लाख का सामान चुरा लिया। इससे पहले भी चोरों ने उनकी दुकान के आसपास बनी तीन गुमटियों के ताले तोडकर हजारों की चोरी की थे। ये सभी घटनाएं बस स्टैण्ड पर हो रही है। जहां 24 घंटे पुलिस चेकिंग करती रहती है।

डीएम के निर्देश पर जानवरों की धरपकड़ शुरू

उरई/जालौन, (यूएनएस)। जालौन में जिलाधिकारी चांदनी सिंह के निर्देश पर सड़कों पर घूमने वाले निराश्रित और अन्ना जानवरों की धर पकड़ शुरू हो गई है। बुधवार की देर रात एडीएम नमामि गंगे पशु चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में कर्मचारियों ने सड़कों पर घूमने वाले दर्जनों अन्ना मवेशियों को कैटल वाहन के माध्यम से उन्हें गौशाला और कैटल पॉइंट में छोड़ दिया। जिससे किसानों की फसल को नुकसान को बचाया जा सके और सड़क पर होने वाली दुर्घटना का रोका जा सके। जिलाधिकारी चाँदनी सिंह ने अधिकारियों के साथ बैठक की थी। जिसमें शहर में घूम रहे निराश्रित और अन्ना गोवंश के लिए अभियान चलाकर गोशाला में संरक्षित करने के लिए अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे, जिला पंचायत राज अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया था। जिसके बाद एडीएम और पशु चिकित्साधिकारी के नेतृत्व में देर रात कर्मचारियों ने शहर में घूम रहे निराश्रित गोवंश की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाकर कैटल केचर के माध्यम से पकड़कर गोशाला में छोड़ा। पशुओं की धर पकड़ के लिए 4 कैटल केचर वाहन लगाए गए थे और गोवंश पकड़ने के लिए 5 टीम लगाई गई। जिसमें 25 लोगों को लगाया गया था। सुरक्षा की दृष्टि से होमगार्ड, पशु चिकित्सक व संबंधित अधिकारी देख रेख मे लगे थे। देर रात को दर्जनों गोवंश पकड़े गए। अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे विशाल यादव ने बताया कि यह अभियान अनवरत चलता रहेगा। जिससे सड़कों पर घूमने वाले निराश्रित व अन्ना जानवरों को सुरक्षित कैटल पॉइंट और गोशाला में संरक्षित किया जा सके।

यूपी में उपचुनाव : जहां मैदान में नहीं है हाथी, वहां बीएसपी का वोट किसका बनेगा साथी

लखनऊ, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2022 संपन्न होने के बाद तीसरी बार उपचुनाव हो रहा है। इस बार लोकसभा की एक और विधानसभा की दो सीट पर उपचुनाव हो रहा है। इससे पहले दो लोकसभा और एक विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो चुका है। ऐसे में एक तरफ जहां सत्ताधारी बीजेपी पूरी तैयारी के साथ चुनाव मैदान में उतरी है तो दूसरी तरफ मुख्य विपक्षी दल सपा भी मुकाबले में मैदान में है। इस बार के उपचुनाव में प्रदेश में चार बार सत्ता में रही बीएसपी और आजादी के बाद 4 दशक तक सत्ता में रही कांग्रेस उपचुनाव में हिस्सा ही नहीं ले रही है। सवाल ये है कि आखिर सपा को छोड़कर बीएसपी, कांग्रेस व अन्य छोटे दल उपचुनाव से भागते क्यों नजर आ रहे हैं। यूपी के विधानसभा चुनाव 2022 होने के बाद लोकसभा की दो सीटें आजमगढ़ और रामपुर खाली हो गई थी। इन सीटों में आजमगढ़ से अखिलेश यादव और रामपुर से आजम खान के इस्तीफे के बाद उपचुनाव कराया गया। दोनों सीटों पर बीजेपी को जीत हासिल हुई। इस उपचुनाव में जहां सपा चुनाव मैदान में उतरी तो वहीं बीएसपी, कांग्रेस समेत दूसरे दल नजर नहीं आएं।लखीमपुर खीरी के गोला सीट पर हुए उपचुनाव में सपा भाजपा ही मैदान उतरी थी। यूपी में एक बार फिर उपचुनाव का बिगुल बज चुका है। ये उपचुनाव एक लोकसभा सीट और 2 विधानसभा सीट पर हो रहा है। इसमें मैनपुरी लोकसभा सीट मुलायम सिंह यादव के निधन से खाली हुई है। जबकि रामपुर विधानसभा सीट सपा के आजम खान और खतौली विधानसभा सीट बीजेपी के विक्रम सैनी की सदस्यता रद्द होने की वजह से खाली हुई है। अब इन तीनों सीटों पर उपचुनाव हो रहा है। पिछली बार की तरह इस बार भी उपचुनाव में बीएसपी मैदान में नही उतरी है। यूपी में चार बार सत्ता में रही बीएसपी का 2022 के विधानसभा चुनाव में प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। बीएसपी इस चुनाव में एक सीट तक सिमट गई। वहीं उसका वोट बैंक करीब 12 फीसदी के आसपास आ गया। प्रदेश की चार बार कमान संभालने वाली मायावती ने हर बार की तरह इस बार भी उपचुनाव से दूरी बनाए रखी। पार्टी के सूत्रों के मुताबिक पहले ये माना जा रहा था कि उपचुनाव में बीएसपी मैदान में उतरने का फैसला कर सकती है, लेकिन अंतिम समय में एक बार फिर बीएसपी मैदान से बाहर हो गई। यूपी में कांग्रेस की नई टीम आने के बाद क्यास लग रहे थे कि इस बार के उपचुनाव में कांग्रेस मैदान में उतर कर चुनाव लड़ेगी। नई टीम में एक अध्यक्ष और 6 प्रांतीय अध्यक्ष के फार्मूले के साथ नया प्रयोग करने की कोशिश भले ही कांग्रेस हाईकमान ने की हो लेकिन उपचुनाव में न उतरने का फैसला कांग्रेस के ही कार्यकर्ताओं के गले नही उतर रहा है। कांग्रेस की महासचिव और यूपी प्रभारी बनने के बाद प्रियंका गांधी लगातार नये-नये प्रयोग कर रही हैं। कभी महिलाओं को 40 फीसदी टिकट तो कभी लड़ हूं लड़ सकती हूं का नारा... और अब एक अध्यक्ष के साथ 6 प्रांतीय अध्यक्ष का नया प्रयोग... पर एक बात तो तय है कि पार्टी भले ही लाख दावे करे लेकिन उपचुनाव न लड़ने से उसकी क्षमता पर सवाल तो जरूर खड़े हो रहे हैं।यूपी में क्षेत्रीय राजनीति करने वाले सैकड़ों दल सक्रिय हैं। इनमें से कई दल ऐसे हैं जो चुनाव मैदान में ताल ठोकते नजर आते हैं। पर अगर उपचुनाव की बात करें तो ज्यादातर दल मैदान में नजर ही नहीं आते। सत्ताधारी दल का विरोध करने वाली पार्टियां उपचुनाव से कन्नी काटे रहती है। वहीं बीजेपी के सहयोगी दलों की बात करें तो वो उपचुनाव में लड़ने के नाम पर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं रहते। ये दल सिर्फ सत्ता का समर्थन करते नजर आते हैं। दरअसल अगर यूपी में छोटे दलों का इतिहास देखें तो सत्ता में शामिल दल भी उपचुनाव में अपने सहयोगी से न सिर्फ सीटों की मांग करते रहे हैं बल्कि वो उपचुनाव में मैदान में उतरे भी हैं। विधानसभा चुनाव 2022 के नतीजों के बाद एक बात तो साफ है कि यूपी में दो ही दलों को आम मतदाताओं का भरपूर समर्थन मिला। बाकी दल कुछ सीटों पर ही सिमट गए। दूसरी तरफ उपचुनाव में सिर्फ बीजेपी और सपा ही आमने सामने नजर आते हैं। ऐसे में लड़ाई से पहले ही मैदान में न उतरने वाले दलों के लेकर आम जनता में कई तरह के सवाल पैदा हो रहे हैं। दरअसल राजनीति में चुनाव ही सबसे बड़ा पर्व होता है। अगर ऐसे में राजनीति करने वाले दल चुनाव या उपचुनाव से ही दूर रहेंगे तो आम वोटर उनमें कैसे विश्वास जताएगा। सवाल हार जीत का नहीं है बल्कि बड़ा सवाल ये है कि आखिर मैदान में उतर कर मुकाबला किसने किया....।

टॉयलेट में मोबाइल छुपाकर महिला प्रोफेसर की बनाई वीडियो, चपरासी की हरकत, आरोपी के पास मिली कई क्लीप

मुरादाबाद, (यूएनएस)। मुरादाबाद के केजीके पीजी कॉलेज में एक महिला एसोसिएट प्रोफेसर का अश्लील वीडियो बनाए जाने का शर्मनाक मामला सामने आया है। ये वीडियो लेडीज टॉयलेट में छुपाकर रखे गए मोबाइल फोन से शूट किया गया। पुलिस छानबीन में पता चला है कि कॉलेज के एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने मोबाइल फोन को चालू करके लेडीज टॉयलेट में छुपा दिया था। बाद में इसी फोन में वीडियो रिकॉर्ड हुई। एसोसिएट प्रोफेसर को जब इसकी भनक लगी तो उन्होंने पहले कॉलेज प्रबंधन को खबर दी फिर पुलिस के पास पहुंचीं। पुलिस ने कॉलेज के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी राजेश कुमार का मोबाइल फोन चेक किया तो उसमें टॉयलेट में शूट की गई वीडियो मिली है। इसके बाद पुलिस ने एसोसिएट प्रोफेसर की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मझोला थाने में एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपी राजेश कुमार कॉलेज के लॉ डिपार्टमेंट में अंशकालिक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर तैनात था। पुलिस राजेश की तलाश में छापामारी कर रही है। घटना तीन दिन पुरानी है। एसोसिएट प्रोफेसर ने चपरासी को लेडीज टॉयलेट से निकलते हुए देखा तो उन्हें शक हुआ। टोका तो उसने बहाना बना दिया। इसी आधार पर प्रोफेसर ने लेडीज टॉयलेट यूज करते वक्त उसे सही से चेक किया। वहां एक मोबाइल फोन छुपा हुआ मिला। जो चालू हालत में था। मोबाइल को इस तरह सेट किया गया था कि उससे टॉयलेट यूज करने वाले की वीडियो रिकॉर्ड हो सके। मामला पकड़ में आते ही कॉलेज में हड़कंप मच गया। इस घटना के उजागर होने के बाद से कॉलेज का लेडीज स्टाफ डरा - सहमा और दहशतजदा है। इस बात की भी आशंका है कि चपरासी राजेश कुमार ये गंदा काम पिछले काफी समय से कर रहा था। आशंका है कि उसने एसोसिएट प्रोफेसर के अलावा दूसरे महिला स्टाफ के वीडियो भी शायद शूट किए हों। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि राजेश की गिरफ्तारी के बाद उससे कड़ाई से पूछताछ की जाएगी। इस घटना के बाद ये सवाल भी उठ रहा है कि जब कॉलेज में महिला प्रोफेसर के साथ ऐसी घटना हो सकती है तो फिर बाकी कौन बच सकता है। छात्राओं के लिए बने टॉयलेट तक तो ऐसी हरकत करने वालों की पहुंच इन हालात में आसानी हो सकती है। पुलिस भी मामले की गंभीरता से अंजान नहीं है। इसीलिए सीओ सिविल लाइंस डॉ. अनूप कुमार खुद इस मामले की छानबीन कर रहे हैं।

एएमयू में क्रिकेट खेलने को लेकर दो छात्रों में मारपीट

एक छात्र के घायल होने से साथियों ने काटा हंगामा, आरोपी छात्र को किया गया रेस्टीकेट

अलीगढ़, (यूएनएस)। जिले के सिविल लाइन क्षेत्र में एएमयू के नदीम तरीन हॉल में बुधवार रात क्रिकेट खेलने के दौरान इंजीनियरिंग के दो छात्रों में मारपीट हो गई। इसमें एक छात्र को गम्भीर चोट आई है, उसको जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। उधर, आरोपी छात्र ने पिटाई के डर से कमरे में बंद कर लिया। सूचना पर पहुंची प्रोक्टोरियल टीम ने उसे बाहर निकाला। साथ ही छात्र के खिलाफ रेस्टीकेट की कार्रवाई की। वहीं, अन्य छात्रों ने आरोपी छात्र को बर्खास्त करने की मांग करते हुए देर रात तक सेंटेनरी गेट बंद कर जमकर हंगामा किया। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के नदीम तरीन हॉल में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्र शोभित सिंह व साजिद हुसैन कल खेल रहे थे। क्रिकेट खेलने को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों में मारपीट हो गई। जिसमें साजिद हुसैन गम्भीर रूप से घायल हो गया। उसको अन्य छात्र ने मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। इधर, पिटाई के डर से शोभित सिंह ने खुद को हॉस्टल के कमरे में बंद कर लिया। क्योंकि छात्रों ने उसे घेर रखा था। विवाद की खबर मिलने पर डिप्टी प्रॉक्टर प्रो. एस अली नवाब जैदी टीम के साथ मौके पर आ गए। साथ ही सुरक्षा कर्मी भी पहुंच गए। उन्होंने छात्रों को समझाकर शोभित सिंह को बाहर निकालार उसे अपने साथ ले आए।तब तक भारी संख्या में छात्र एकत्र होकर पुरानी चुंगी स्थित सेंटेनरी गेट पहुंच गए। उन्होंने गेट बंद कर आरोपी शोभित सिंह को बर्खास्त करने की मांग की। छात्रों ने जमकर हंगामा किया। जो कि देर रात तक चला। डिप्टी प्रॉक्टर जैदी ने बताया कि शोभित सिंह को निलंबित कर दिया गया है। छात्र गेट बंद कर उसे बर्खास्त करने की मांग कर रहे थे। मामले की जांच की जा रही है।

उपचुनाव ने बढ़ा दिया सियासी पारा,होगा तगड़ा घमासान

सपा और भाजपा की प्रतिष्ठा से जुड़ गया उपचुनाव, साख बचाने का सवाल

मैनपुरी, रामपुर और खतौली खातिर बीजेपी ने बिछाई बिसात

लखनऊ, (यूएनएस)। बीजेपी कोई भी चुनाव हल्के में नही लेती है। ग्राम पंचायत लेकर देश की सबसे बड़ी पंचायत तक बिना रणनीति तैयार किये मैदान में नही उतरती है। उपचुनाव के नतीजों से बीजेपी की शक्ति और हूकूमत पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। बावजूद इसके हर हाल में उपचुनाव में फतह खातिर दिल्ली से लेकर लखनऊ तक अलर्ट मोड़ में है भारतीय जनता पार्टी लीडरशिप। समाजवादी पार्टी के लिए भी उपचुनाव नाक का सवाल बन चुके हैं। मैनपुरी लोकसभा सीट खुद नेताजी यानि मुलायम सिंह यादव के निधन के कारण रिक्त हुई है। नेताजी हमेशा मैनपुरी का प्रतिनिधित्व करते रहे। उन्हें मैनपुरी की जनता ने भी हमेशा अपार प्यार दिया। अब समाजवादी पार्टी नेताजी की सीट पर उन्ही की बड़ी बहू डिम्पल यादव को मैदान में उतारा है। मैनपुरी की जनता बहू को आशीर्वाद देती है या फिर बदलाव कर बीजेपी के खाते में जाती है। यह तो जनता ही जाने,मगर चुनाव बहुत ही रोमांचक होने वाला है। रामपुर भी कम खास नही है सपा के लिए क्योंकि आजम का गढ़ है। हालांकि वे इस बार सपरिवार मैदान में नही है।बीजेपी ने समाजवादी गढ़ ढहाने का बीड़ा उठाया है। भारतीय जनता पार्टी ने मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव, रामपुर और खतौली विधानसभा उपचुनाव के उपचुनाव में फतह के लिए जबरदस्त चक्रव्यूह रचा है। यूपी उपचुनाव की कमान खुद सीएम योगी आदित्यनाथ ने संभाल ली है। सीएम योगी तीनों सीटों पर प्रचार करेगें। मैनपुरी, रामपुर और खतौली में चुनावी जनसभाओं को संबोधित करेंगे। भाजपा की केंद्रीय मंत्रियों को मैदान में उतारने तैयारी है। तीनों सीटों पर प्रचार के लिए योगी के मंत्रियों की फौज मैदान में होगी। मंत्रियों पर अलग-अलग सीटों की जिम्मेदारी होगी। बूथ संभालने के लिए संगठन के पदाधिकारियों को लगाया जाएगा। पदाधिकारी भी घर घर जाकर संपर्क करेंगे। मंत्री गली मोहल्लों में उनकी जाति से जुड़े लोगों की बैठक कर समर्थन जुटाएंगे। जिन मंत्रियों को उपचुनाव में जिम्मेदारी क्रमश:मिली है उनमें अजीत पाल, राकेश सचान, असीम अरुण, प्रतिभा शुक्ला, जयवीर सिंह, संदीप सिंह को मैनपुरी की जिम्मेदारी दी गई है तो कपिल देव अग्रवाल, नरेंद्र कश्यप, दिनेश खटीक, गुलाब देवी को भी खतौली की जिम्मेदारी और बलदेव ओलख, जितिन प्रसाद, सुरेश खन्ना, धर्मपाल सिंह को रामपुर की जिम्मेदारी दी गई है। दोनों उप मुख्यमंत्री भी उपचुनाव में खूब दौड़ भाग अभी से कर रहे हैं। तीनों सीटों पर सियासी घमासान तगड़ा है।

नगर विकास ने किया अयोध्या नगर निगम की 85 करोड़ के कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

लखनऊ, (यूएनएस)। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बृहस्पतिवार को अयोध्या नगर निगम के विकास के लिए 85 करोड़ रुपए की लागत के विकास कार्यों का वर्चुअल शिलान्यास एवं लोकार्पण किया और प्रधानमंत्री आवास योजना (नगरीय) के 05 लाभार्थियों को चाबी भी हस्तांतरित की। नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने जलकल के ट्रांजिट हॉस्टल, लखनऊ से अयोध्या में कार्यक्रम में वर्चुअल प्रतिभाग किया। अयोध्यावासियों को सुविधा प्रदान करने के लिए 13.40 करोड़ रूपए के कार्यों का शिलान्यास एवं 50 करोड़ रूपए के कार्यों का लोकार्पण किया। इन कार्यों में नगर क्षेत्र के 22 प्राथमिक विद्यालयों का 50 लाख रूपये से जीर्णोद्धार एवं विकास, 537 लाख रूपये से नगर के विस्तारित क्षेत्रों में मार्गो का निर्माण, 110 लाख रुपए से सीताकुंड एवं लक्ष्मणघाट वार्ड की पेयजल आपूर्ति हेतु नलकूप का अधिष्ठापन, 612 लाख रुपए से 32 पार्कों का जीर्णोद्धार, 70.64 लाख रुपए से अवधपुरी वार्ड में नाला का निर्माण आदि कार्य कराए जाएंगे। इसी प्रकार लोकार्पण कार्यों में 28 लाख रुपए की लागत से वेंडरों के लिए फूड हब का निर्माण, 295.72 लाख रूपये की लागत से नगर पंचायत खिरौनी, कुमारगंज के कार्यालय भवन का निर्माण, 43.54 लाख रूपये की लागत से अंगूरीबाग, लालबाग, कटरा, रामनगर व रामकोट में कंपोजिट विद्यालयों में सुविधाओं का विकास कार्य, शहर के जल निकासी के लिए 250.73 लाख रुपए की लागत से 06 नालों का निर्माण आदि कार्य कराए गए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना नगरीय के 05 लाभार्थियों लवकुश, रामभवन, वीना, अंजली, गौतम व सीता को सांकेतिक चाबी प्रदान की।श्री शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि अयोध्या भगवान राम की नगरी है। इसके विकास का एक सुंदर खाका तैयार किया जा रहा है। अयोध्या के विकास के लिए वित्तीय संसाधनों की कमी नहीं होने दी जाएगी। माननीय प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी के कुशल निर्देशन में अयोध्या को एक भव्य व वैश्विक नगर के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने नगर विकास के अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि अयोध्या के नव निर्माण में पूरी निष्ठा एवं लगन से कार्यों में लग जाएं। शिलान्यास कार्यों को 01 सप्ताह के अंदर धरातल पर योजना बनाकर उतारे। अयोध्या को साफ सुथरा बनाए रखने तथा विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए शहर को 03 जोन में बांटकर अपर नगर आयुक्तों को इसकी जिम्मेदारी दी जाय। साथ ही साफ-सफाई को चाक-चौबंद रखने के लिए मोहल्ला सफाई समितियों का गठन भी करें। उन्होंने अयोध्या में सड़कों के किनारे हरियाली, प्रकाश व्यवस्था एवं यात्रियों के बैठने के लिए उपयुक्त स्थान बनाने के भी निर्देश दिए।कार्यक्रम में अयोध्या के सांसद लल्लू सिंह , विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, नगर आयुक्त विशाल सिंह, अपर नगर आयुक्त वागीश कुमार शुक्ला एवं शशि भूषण राय, क्षेत्र के पार्षद एवं विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मचारी, जिला प्रशासन के अधिकारियो के साथ गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

रामपुर उपचुनाव में अधिकार सेना उतारेगी प्रत्याशी

रामपुर, (यूएनएस)। पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने राजनीतिक पार्टी अधिकार सेना बनाई है। रामपुर विधानसभा में होने वाले उपचुनाव में पार्टी अपना प्रत्याशी उतारेगी। पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर और आरटीआई एक्टिविस्ट व उनकी पत्नी नूतन ठाकुर ने इसकी अधिकारिक तौर पर घोषणा रामपुर पहुंचकर की। अमिताभ ठाकुर ने बुधवार को रामपुर पहुंचकर पार्टी द्वारा प्रत्याशी उतारने की बात कही। अमिताभ ठाकुर ने बताया कि उनकी पार्टी अन्याय, अत्याचार और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए दृढ़ संकल्पित है। इसी क्रम में उनकी पार्टी रामपुर, खतौली विधान सभा एवं मैनपुरी लोकसभा चुनाव में प्रतिभाग करेगी। रामपुर विधानसभा से उनकी पार्टी के प्रत्याशी मोइन खान होंगे। पार्टी द्वारा दानिश खान को चुनाव समिति का प्रभारी बनाया गया है। अमिताभ ठाकुर ने बताया कि पार्टी की ओर से तीनों उपचुनाव के लिए अलग-अलग घोषणा पत्र तैयार किया गया है। रामपुर के संबंध में उनकी पार्टी मुख्य रूप से रोजगार सृजन करने, राइट टू एजुकेशन के तहत शिक्षा दिए जाने, नव विकसित कॉलोनियों में जरूरी नागरिक सुविधाएं दिये जाने और स्थानीय स्तर के भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के मुद्दे पर लोगों के बीच जाएगी। इस दौरान प्रवक्ता राजेंद्र मिश्र, लखनऊ प्रभारी लक्ष्मीकांत सिंह, जिलाध्यक्ष सतीश गंगवार, उपाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह और विधानसभा प्रत्याशी मोइन खान मौजूद रहे।

सपा प्रत्याशी आसिम ने बीजेपी उम्मीदवार को दिया जवाब

बोले, आजम का चैप्टर क्लोज हुआ या नहीं ये इतिहास बताएगा, फिर होगी हमारी जीत

रामपुर, (यूएनएस)। शहर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के प्रत्याशी घोषित होते ही सियासी यलगार भी शुरू हो गया है। आरोप- प्रत्यारोप की कड़ी में सपा उम्मीदवार आसिम राजा ने भाजपा प्रत्याशी पर पलटवार करते हुए प्रतिक्रिया दी है। आसिम राजा का कहना है कि आजम खान का चौप्टर क्लोज हुआ है कि नहीं यह इतिहास बताएगा। इस बार वह जनता के बीच विकास और सुरक्षा जैसे मुद्दों को लेकर जाएंगे। रामपुर की आवाम आजम खान को जीत का तोहफा देगी। सपा उम्मीदवार के नाम की अनौपचारिक घोषणा होते ही सियासी जंग शुरू हो गई है। दरअसल भाजपा प्रत्याशी आकाश सक्सेना ने कहा है कि आजम खान का अब चौप्टर क्लोज हो चुका है। अब आजम खान की कोई बात नहीं होगी। रामपुर में उद्योग लगाने की बात की जाएगी। यहां की लीडरशिप ने रामपुर को पिछड़ेपन का शिकार बनाए रखा। अब उद्योग नगरी बनाने की बात की जाएगी। जनता के बीच उद्योगों को लगाने के मुद्दे को लेकर जाया जाएगा। भाजपा की जीत निश्चित है। इसी के जवाब में शहर विधानसभा सीट के उपचुनाव में सपा प्रत्याशी आसिज राजा ने कहा कि चौप्टर क्लोज हुआ है कि नहीं ये तो आने वाला वक्त बताएगा। हम विकास और सुरक्षा का मुद्दा लेकर जनता के बीच जाएंगे। इस बार फिर समाजवादी पार्टी की ही जीत होगी।

शहर से आसिम राजा होंगे सपा प्रत्याशी,आजम खान ने की अनौपचारिक घोषणा

रामपुर, (यूएनएस)। रामपुर शहर विस सीट से सपा उम्मीदवार आसिम राजा होंगे। भाजपा ने यहां से आकाश सक्सेना को मैदान में उतारा है। इससे पहले आसिम राजा लोकसभा सीट के उपचुनाव के लिए सपा उम्मीदवार रह चुके हैं। सपा पार्टी कार्यालय दारुल आवाम पर आजम खान ने कार्यकर्ताओं के साथ मंगलवार को बैठक कर आसिम राजा के नाम की अनौपचारिक घोषणा की। हालांकि अभी सपा की ओर से आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। आसिम राजा आजम खान के बेहद करीबी पुराने नेताओं में शुमार हैं। रामपुर सीट पर जून वर्ष 2022 में हुए लोकसभा उपचुनाव में आसिम राजा को सपा का उम्मीदवार बनाया गया था। उप चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। बीजेपी के उम्मीदवार घनश्याम सिंह लोधी ने उन्हें हराया था। घनश्याम सिंह लोधी ने सपा उम्मीदवार आसिम राजा को 42,048 वोटों के अंतर से हराया था। अब दोबारा आजम खां ने आसिम राजा पर उम्मीद जताई है। हेट स्पीच मामले में सजा होने के बाद आजम खां की विधानसभा सदस्यता चली गई। सीट खाली होने पर अब उपचुनाव कराया जा रहा है। इस सीट पर आजम खां ने एक बार फिर से आसिम राजा को उम्मीदवार बनाया है। आजम खां ने सपा कार्यालय दारुल आवाम पर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इसके बाद प्रत्याशी के तौर पर आसिम राजा का ऐलान किया। इस दौरान उनके बेटे विधायक अब्दुल्ला आजम भी मौजूद रहे। घ्आसिम राजा आजम खां के साथ पार्टी के पुराने कार्यकर्ता हैं। वह शमसी बिरादरी से हैं। वह व्यापारी नेता रह चुके हैं। आसिम राजा आजम खां के साथ पार्टी के पुराने कार्यकर्ता हैं। व्यापारी नेता रह चुके आसिम राजा रामपुर से सपा के नगर अध्यक्ष भी रहे हैं। आसिम राजा पहले कांग्रेस के नेता थे। वर्ष 2002 में वह सपा में शामिल हुए थे। साल 2015 में सपा के नगर अध्यक्ष के पद पर काबिज हुए। साल 2019 में एक महिला ने उनके खिलाफ छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज कराया था।

अनुबंधित बस चालक निकला गांजा तस्कर,नाका पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ, (यूएनएस)। उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम से अनुबंधित लखनऊ-बहराइच मार्ग पर संचालित बस का चालक गांजा तस्करी में लिप्त पाया गया। जिसे नाका पुलिस गांजा के साथ गिरफ्तार कर लिया है। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर दुर्गापुरी मेट्रो स्टेंशन के पास से देर रात नत्था चौकी इंचार्ज दिनकर वर्मा के साथ इन्स्पेक्टर नाका ने अहलापुर बहराइच निवासी विनोद कुमार पाण्डेय को गिरफ्तार कर लिया। जो गांजा बेचने की फिराक में था। पुलिस ने उसके पास से 670 ग्राम गांजा बरामद किया। जिसकी कीमत अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में चालीस हजार रूपये बतायी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

निकाय चुनावः आप 20 से 30 नवंबर के बीच करेगी 800 कार्यकर्ता सम्मेलन-सभाजीत

निगमों के भ्रष्टाचार को करेंगे उजागर

लखनऊ, (यूएनएस)। निकाय चुनाव के मद्देनजर गंदगी हटाओ झाड़ू चलाओ अभियान को मिले जनता के समर्थन के बाद यूपी प्रभारी सांसद संजय सिंह के निर्देशानुसार आम आदमी पार्टी प्रदेश के नगर निगम, नगर पंचायत ,नगर पालिका के क्षेत्रों में कार्यकर्ता सम्मेलन करेगी जिसके माध्यम से पार्टी पदाधिकारी पालिकाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार को जनता को बताएंगे और निकाय चुनाव में आम आदमी पार्टी को एक बार मौका देने की अपील करेंगे ।आप के प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने बताया कि प्रदेश के सभी नगर निगम नगर पालिका और नगर पंचायतों की विधानसभाओं में 20 नवंबर से 30 नवंबर तक 800 कार्यकर्ता सम्मेलन करेंगी जिसके लिए प्रदेश के 77 पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। आम आदमी पार्टी निकाय की सभी सीटों पर मजबूती से चुनाव लड़ेगी और कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान नए लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई जाएगी, आवेदन फार्मों का वितरण किया जाएगा और संभावित प्रत्याशियों का क्षेत्रीय सर्वे कराकर नामों पर चर्चा की जाएगी। पिछले कुछ दिनों से आप द्वारा चलाए गए हर अभियान में जिस तरह जनता ने पूर्ण रूप से आप का समर्थन किया है उससे राज्य सरकार की नींद उड़ चुकी है।दिल्ली के केजरीवाल मॉडल को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। गंदगी हटाओ झाड़ू चलाओ पदयात्रा के दौरान पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने निगमों के भ्रष्टाचार को जनता तक पहुंचाने का काम किया और प्रदेश की बदहाल शिक्षा व्यवस्था, जर्जर शिक्षा भवन, महिला असुरक्षा, प्रशासनिक लापरवाही, रिश्वतखोरी, नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार और लापरवाही से अवगत कराया है।चुनाव समिति के अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने बताया कि सभी प्रांतों के अध्यक्ष, प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सहित अन्य साथी इस अभियान में जिलों में जाकर कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

प्रतिबंध के बाद भी माफियाओं को दी माइनिंग की छूट

लखनऊ, (यूएनएस)। हरदोई में अफसरों की मनमानी और भ्रष्टाचार रूकने का नाम नहीं ले रहा है। संडीला के एसडीएम ने प्रतिबंध के बावजूद खनन की अनुमति दे दी। सारे नियम और कानून को ताक पर रखकर 10 दिन के लिए खनन माफिया को मिट्टी खनन करने की अनुमति दी गई जिससे लाखों रुपए की बंदरबांट हुई। बंदरबांट को लेकर जब डीएम को पता लगा तो उन्होंने एसडीएम को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। डीएम मंगला प्रसाद सिंह ने एसडीएम संडीला देवेंद्र पाल सिंह को लिखा है कि 14 मई को बरजार पेंट इंडिया इंडस्ट्रियल एरिया में 7 हजार घन मीटर मिट्टी खनन का आदेश आपने दिया था जबकिजनपद में जिला अधिकारी के आदेश से खनन प्रतिबंधित है। इसके बाद भी 10 दिन की अनुमति प्रदान की। जिलाधिकारी ने अपने नोटिस में लिखा कि यूपी शासन भूतत्व एवं खनिकर्म अनुभाग लखनऊ के शासनादेश संख्या 1542 86, 2020 के अंतर्गत साधारण मिट्टी को मात्र 100 घन मीटर से अधिक नहीं खोदा जा सकता। इसके बावजूद 7 हजार घन मीटर अवैध खनन का आदेश किस अधिकार से कर दिया। इस मामले में 3 दिन के अंदर अपने हस्ताक्षर के साथ नोटिस का जवाब लिखित डीएम के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। शासन के निर्देशों के बावजूद हरदोई में अवैध खनन धड़ल्ले से चल रहा है। हरदोई में चार्ज संभालते ही जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने बकायदा एक चिट्ठी जारी करते हुए उप जिला अधिकारी को निर्देश दिए थे कि किसी भी सूरत में खनन नहीं होगा। इसके बाद एसडीएम ने खनन के आदेश दिए। थोड़ा नही 10 दिन तक करीब 7 हजार घन मीटर तक खनन का आदेश दिए गया। खुदाई लगभग 15 हजार घन मीटर तक की गई। धरती का सीना चीर कर अधिक मिट्टी निकाली गई। खनन में लाखों की लूट की है। पोल खुलने के बाद अधिकारी बगले झांक रहे हैं। अब शासन स्तर से एक्शन हो सकता है।

डीएम ने खटान पेयजल योजना का निरीक्षण किया, मैन पावर बढ़ाने के दिए निर्देश, कहा, 15 दिसम्बर तक पूरा कराएं काम

बांदा, (यूएनएस)। बांदा जिलाधिकारी दीपा रंजन ने आज खटान पाइप पेयजल योजना का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पाइप पेयजल योजना के निर्माणाधीन इंटकवेल एवं डब्लूटीपी साइट के कार्य को देखा। कार्यदायी संस्था एलएनटी के परियोजना निदेशक को अधिक मैन पावर लगाकर कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिये। डीएम ने कहा कि उक्त दोनों स्थलों के इंटकवेल एवं डब्लूटीपी साइट के सिविल एवं इलेक्ट्रो मैकेनिकल कार्य को आगामी माह 15 दिसम्बर तक पूर्ण कराएं। इसमें देरी न हो। उन्होंने निरीक्षण के दौरान खटान पाइप पेयजल के इंटकवेल के सम्बन्ध में जानकारी ली तो बताया गया कि इंटकवेल का निर्माण 17 मीटर नीचे से नदी में जल आपूर्ति के लिए किया गया है। जिसमें 6 पम्प लगाये गये हैं। उन्होंने सीडब्लूआर एवं पानी शोधन किये जाने वाले वाटर प्लांट का भी निरीक्षण किया। जल शोधन के सम्बन्ध में जानकारी ली। इस दौरान बताया गया कि इस परियोजना में 33 केवीए के विद्युत आपूर्ति एवं जनरेटर आदि की समुचित व्यवस्था की गयी है। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे एमपीसिंह, कार्यदायी संस्था एलएनटी के परियोजना निदेशक अजीत वी, प्रोजेक्ट मैनेजर प्रकाश सहित परियोजना के अन्य इंजीनियर उपस्थित रहे।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

अलीगढ़, (यूएनएस)। जिले के दिल्ली-कानपुर रेलवे लाइन स्थित सोमना रेलवे स्टेशन के पास बुधवार रात्रि ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब युवक रेलवे लाइन क्रॉस कर रहा था। हादसे के बाद ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मोर्चरी भेज दिया। मौत की खबर से परिजन बेहाल हैं। जानकारी के मुताबिक, गभाना इलाके के गांव सोमना निवासी 47 वर्षीय चेतराम पुत्र बीधाराम मेहनत- मजदूरी करते थे। बुधवार की रात्रि मजदूरी कर घर जा रहे थे। तभी सोमना स्टेशन के पास रेलवे लाइन पार कर रहे थे, इसी बीच दिल्ली की तरफसे लखनऊ जा रही राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे में उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। उधर, घटना की जानकारी पाकर भारी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। उनकी सूचना पर परिजन मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों की खबर पर जीआरपी पुलिस भी आ गई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर हाल बेहाल हो गया। मृतक ने अपने पीछे पांच बच्चो सहित अन्य परिवार के सदस्यों को रोते बिलखते छोड़ा है। पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है।

निजीकरण के खिलाफ बिजली विभाग के इंजीनियरों का शक्ति भवन पर धरना

लखनऊ, (यूएनएस)। वेतन विसंगतियों और पावर कॉर्पोरेशन के तानाशाही रवैये के खिलाफइंजीनियरों का धरना शुरू हो गया है। शक्ति भवन पर 500 से ज्यादा इंजीनियर और कर्मचारी धरना शुरू कर चुके हैं। इंजीनियरों का कहना है कि समस्त ऊर्जा निगमों में अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार करने की नोटिस पहले ही अपर मुख्य सचिव(ऊर्जा) को भी भेज दी गई है। इंजीनियरों ने बताया कि बार-बार वार्ता के बाद भी उनकी मांगों पर कोई सकारात्मक कार्रवाई न होने की वजह से नोटिस जारी किया है।इसमें साफकर दिया गया है कि किसी भी स्थिति में कर्मचारी समझौता करना नहीं चाहते है। उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो आंदोलन और बड़ा होगा। संजीव वर्मा ने बताया कि इंजीनियरों की मांगों को जल्द ही पूरा नहीं किया गया तो 29 नवंबर से कार्य बहिष्कार शुरू किया जाएगा। समस्त ऊर्जा निगमों में अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार करने की नोटिस अपर मुख्य सचिव (ऊर्जा) को भी भेज दी गई है। इंजीनियरों ने बताया कि बार- र वार्ता के बाद भी उनकी मांगों पर कोई सकारात्मक कार्रवाई न होने की वजह से नोटिस जारी किया है।इसमें साफकर दिया गया है कि किसी भी स्थिति में कर्मचारी समझौता करना नहीं चाहते है। उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो आंदोलन और बड़ा होगा। 21 नवम्बर को राजधानी लखनऊ सहित समस्त जनपदों व परियोजनाओं पर दोपहर 03 बजे से 5 बजे तक विरोध सभा। 22 नवम्बर से नियमानुसार कार्य आन्दोलन शुरू होगा। इसमें माननीय जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

जिंदगी की जंग हार गया ट्रैक्टर हादसे का शिकार हरिश्चंद्र

हैदरगढ़- महराजगंज हाईवे पर कोनी मोड़ के पास ट्रैक्टर पलटने से हुआ था हादसे का शिकार

कुछ देर बाद ट्रैक्टर चालक की हो गई थी मौत ! ट्रैक्टर सवार हरिश्चंद्र ने भी तोड़ा दम

शिवगढ़, रायबरेली। शिवगढ़ थाना क्षेत्र के गुमावा पुलिस चौकी अन्तर्गत हैदरगढ़-महराजगंज हाईवे पर स्थित कोनी मोड़ के पास छुट्टा मवेशियों को बचाने में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर खन्ती में पलटने से नीचे दबकर घायल हुए हरिश्चंद्र ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जिसकी मौत से परिजनों में कोहराम मच गया है। गौरतलब हो कि बीते मंगलवार को सुबह करीब साढ़े 8 बजे शिवगढ़ थाना क्षेत्र के गुमावा पुलिस चौकी अन्तर्गत गुमावा लाही बॉर्डर निवासी 24 वर्षीय ट्रैक्टर चालक पंकज सिंह पुत्र गंगा बक्स सिंह पूरे रानी मजरे नेरथुवा गांव के रहने वाले 40 वर्षीय हरिश्चन्द्र पुत्र बुधई को अपने एक पहिए से पंचर ट्रैक्टर पर बैठाकर दरियावगंज पंचर बनवाने जा रहा था। तभी हैदरगढ़-महराजगंज हाईवे पर कोनी मोड़ के पास आपस में लड़ रहे दो छुट्टा सांड़ों को बचाने के चक्कर में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे स्थित गहरी खन्ती में पलट गया था। जिसके नीचे ट्रैक्टर चालक पंकज सिंह और युवक हरिश्चंद्र दोनों दबकर गम्भीर रूप से घायल हो गए थे। जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाते समय ट्रैक्टर चालक पंकज सिंह ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया था वहीं हरिश्चंद्र की हालत नाजुक देखते हुए इलाज के लिए जिला अस्पताल से ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया था। किंतु नियत को कुछ और ही मंजूर था, ट्रामा सेंटर में उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ और बुधवार की देर रात हरिश्चंद्र जिंदगी की जंग हार गया। जिसकी मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। हरिचंद की मौत से भाई रामहरख, पत्नी तारावती, 11 वर्षो बेटे मोहित,9 वर्षीय बेटी गुड़िया का रो-रोकर बुरा हाल है।

पत्नी पर टूटा मुसीबतों का पहाड़

हादसे के शिकार हरिश्चंद्र की मौत से उसकी पत्नी तारावती के ऊपर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा है। जो फफक-फफक कर यही कह रही है कि कैसे वह अपने बच्चों का पालन पोषण करेगी और कैसे उन्हें पढ़ायेगी-लिखाएगी।

राष्ट्रीय आपदा मोचक बल द्वारा भूकंप आपदा के समय बचाव हेतु माक ड्रिल आयोजित- विनय कुमार

कानपुर देहात, (यूएनएस)। दिनांक 16.11.22 को जनपद के बारा ग्राम में अवस्थित अरेब ग्रीन वर्ल्ड रिजार्ट्स लखनऊ से आई राष्ट्रीय आपदा मोचक बल की टुकड़ी ने कमांडर विनय कुमार के नेतृत्व में अपरजिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व जे पी गुप्ता के निर्देशन में भूकंप आपदा पर जनपद की अन्य विभागीय संस्थाओं के सहयोग से संयुक्त माँक अभ्यास कियाए् एनडीआरएफके कमांडेंट मनोज कुमार शर्मा के कुशल दिशा निर्देशन में एनडीआरएफलखनऊ टीम व जनपद के फायर विभाग, पी.डब्लू.डी., जिला पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, सिचाई विभाग, नेहरू युवा केन्द्र, रेड क्रास, एनसीसी, होमगार्ड्सव राजस्व विभाग की टीमो द्वारा किसी भी प्रकार की भूकंप व् फायर आपदा होने पर खोज, राहत व् बचाव कार्य हेतु माँक का संयुक्त अभ्यास किया। जिसका मुख्य उद्देश्य घायल व् चोटिल ब्यक्तियो के अमूल्य जीवन की रक्षा करना, सभी रेस्पोंस एजेंसियों का रेस्पोंस चेक करना व सभी स्टेक होल्डरस के बीच आपसी समन्वय स्थापित करना है। इस माँक अभ्यास द्वारा खोज, राहत व बचाव कार्य के संचालन में आने वाली कमियों की समीक्षा कर उन्हें दूर करना भी है। इस माँक अभ्यास के प्रथम चरण में एनडीआरएफ टीम अधिकारियों व् जिलाधिकारी के निर्देश पर फायर विभाग, पी.डब्लू.डी., जिला पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, सिचाई विभाग, एनवाईके,रेड क्रास विभाग के अधिकारियों द्वारा बैठक कर इस माँक अभ्यास की सम्पूर्ण रूप रेखा तैयार की गयी।इस माँक अभ्यास का सम्पूर्ण नेतृत्व एनडीआरएफ लखनऊ के टीम कमांडर निरीक्षक बिनय कुमार एवं 30 सदस्यी टीम द्वारा किया गया प् टीम कमांडर निरीक्षक बिनय कुमार ने बताया कि आपसी समन्वय से सकारात्मक पहल व सशक्त रिस्पोंस सिस्टम को विकसित करने से इस तरह की भूकंप जैसी आपदाओ में होने वाली दुर्घटनाओ से आसानी से निपटा जा सके और समय - समय पर इस तरह के माँक अभ्यास द्वारा महत्वपूर्ण जीवन की रक्षा की जा सकेगी।इस माँक अभ्यास के दौरान जिलाधिकारी नेहा जैन,अपर जिलाधिकारी जगदंबा प्रसाद गुप्ता, एसडीएम भूमिका राजबहादुर यादव, जितेंद्र कुमार,रमेश कुमार,नीलिमा एडव डॉ पूनम गौतम व तहसीलदार रणविजय सिंह, कमांडेंट रंजीत सिंह,सीएफओ सुरेंद्र सिंह,डीएसओ सुनील कुमार,युवा कल्याण अधिकारी मंनोज कुमार यादव, डिप्टी सीएमओ डॉ मोहन झा, सहा अभियंता पीडब्ल्यूडी पी भाटिया, आरआई परिवहन सतेंद्र सिंह, अधिशासी अधिकारी पंकज यादव व शालिनी पाण्डे, सत्ता एक्सप्रेस के ब्यूरोहेड अनूप सचान,एडीओ हरिओम सक्सेना,आपदा विशेषज्ञ अश्विनी कुमार, वरिष्ठ लिपिक आपदा वीरेंद्र कुमार राव, रिसोर्ट प्रबंधक मोहम्मद इरफान, राजस्व विभाग से अनिल कुमार व अन्य लेखपाल गण, डीआईओ से ऋषि, एनडीआरएफ के टीम कमांडर निरीक्षक बिनय कुमार,उप निरीक्षक जीतेन्द्र सिंह यादव, मीडिया प्रभारी प्रशांत चतुर्वेदी, सहित 30 सदस्यी टीम एवं अन्य संस्थाओ के प्रतिनिधि तथा स्कूलों के बच्चे व ग्रामवासी मौजूद रहे।

यातायात माह में हमारी बेटियां जागरूक बन अब परिवार के अन्य लोगों को भी बताएंगी यातायात के नियम- आईजी

कानपुर देहात, (यूएनएस)। शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में प्रतिवर्ष माह नवंबर को यातायात माह के रूप में मनाए जाने की दिशा में विगत 1 नवंबर से जनपद में संचालित हो रहे यातायात माह के अंतर्गत जनपद में यातायात दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित होकर कानपुर परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक प्रशांत कुमार ने अकबरपुर इंटर कॉलेज की करीब 5 सैकड़ा बेटियों को यातायात के संबंध में उनकी जागरूकता देख उनका हौसला बढ़ाया। उक्त अवसर पर जनपद के इको पार्क माती मुख्यालय में सबसे पहले पुलिस गारद द्वारा उन्हें सलामी दी गई। इसके बाद उन्होंने परिसर में यातायात विभाग, मिशन शक्ति एवं अग्निशमन विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए दिशा निर्देश प्रदान किए। सभागार के अंदर दीप प्रज्वलन कर यातायात जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए नुक्कड़ नाटक, यातायात सुरक्षा गीत तथा अन्य संदेश प्रदान करने वाले कार्यक्रमों को देखा और उन्हें सराहा। जनपद की पुलिस अधीक्षक सुनीति द्वारा कानून का मुस्तैदी से पालन कराने की हर दिशा में किए गए उत्कृष्ट कार्यों की उन्होंने सराहना भी की। स्वागत शब्दों के साथ पुलिस उपाधीक्षक यातायात प्रभात कुमार ने विगत 15 दिनों में यातायात पुलिस द्वारा जनपद में किए गए जागरूकता के कार्यक्रमों का विवरण प्रदान करते हुए नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों पर की गई कार्यवाही से भी उन्हें अवगत कराया। पुलिस अधीक्षक सुनीति ने जनपद में हर दिशा में समृद्ध हो रही बेटियों को वॉलिंटियर्स के रूप में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। वही आईजी प्रशांत कुमार ने बेटियों की हौसला अफजाई करते हुए उनके द्वारा दिखाई जा रही यातायात के प्रति जागरूकता हेतु उनका आभार व्यक्त किया और आशीर्वाद प्रदान किया। यातायात से संबंधित कई दुखद संस्मरण को साझा करते हुए आमजन द्वारा छोटी सी भूल दुर्घटना की परिणीति के बारे में भी जागरूक करते हुए बताया। उक्त अवसर पर एशियन पब्लिक स्कूल पुखराया के प्रबंधक मनीष श्रीवास्तव, अकबरपुर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य भारत सिंह शिक्षक गण नरेंद्र कुमार, अविनाश पांडे, प्रमोद कुमार, विपिन, श्रीकांत यादव, पूर्णिमा मिश्रा, मृदुला, शुभा तिवारी, संगीता, पुलिस उपाधीक्षकद्वय प्रभात कुमार व शिव ठाकुर, यातायात निरीक्षक शिवाकांत शुक्ला व उनकी पूरी टीम, अकबरपुर कोतवाल प्रमोद शुक्ला, मुख्य अग्निशमन अधिकारी सुरेंद्र सिंह, एफएसओ कृष्णपाल, उपनिरीक्षक मोनू शाक्य, विकास राय सहित अकबरपुर इंटर कॉलेज के करीब आठ सैकड़ा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम का सफल संचालन करने पर पुलिस महानिरीक्षक प्रशांत कुमार ने जनपद के मान्यता प्राप्त पत्रकार तथा यातायात के ब्रांड एम्बेसडर अनूप सचान का आभार व्यक्त करते हुए उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना भी की। उक्त अवसर पर अकबरपुर इंटर कॉलेज की सृष्टि,साजिया, शुभी, सौम्या, देवयानी, दिव्यांशी, भानवी, आकृति, अनुराधा, लक्ष्मी शिफा, वैभवी, दीक्षा, ईशा, प्रिया मुस्कान, शिवानी व कृष्णा श्रीवास्तव सहित एशियन पब्लिक स्कूल की आरोही सचान ने भी अपनी प्रस्तुति प्रदान की। जिस पर आईजी व एसपी द्वारा सभी को पुरस्कृत किया गया।

डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करेगी-एकल भारत लोक शिक्षा परिषद

कानपुर देहात, (यूएनएस)। पुलिस महानिरीक्षक प्रशांत कुमार की गरिमामयी उपस्थिति में दिनांक 16 नवंबर 2022 को एकल भारत लोक शिक्षा परिषद कानपुर चौप्टर द्वारा संचालित एवं फ्रंटियर एलॉय स्टील्स लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित कंप्यूटर ऑन व्हील्स बस का लोकार्पण फ्रंटियर एलॉय स्टील्स लिमिटेड, रनिया के फैक्ट्री परिसर में जिलाधिकारी नेहा जैन, पुलिस अधीक्षक सुनीति, मुख्य विकास अधिकारी सौम्या पाण्डेय, कुंदन लाल भाटिया, प्रवर्तक निदेशक फ्रंटियर एलॉय स्टील्स लिमिटेड एवं नरेश जैन प्रेसीडेंट एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन द्वारा फीता काटकर एवं हरी झंडी दिखाकर किया गया। पुलिस महानिरीक्षक ने इस पहल को सराहते हुए कहा कि अभी तक इस पहल के अंतर्गत 36 कंप्यूटर ऑन व्हील्स बस के संचालन की बात प्रकाश में लायी गई। उन्होंने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि इस संख्या में एक और बस बढ़ी है। जिसके लिए उन्होंने सभी को इस सोच से जुड़ने हेतु सराहा व आगे और बढ़कर देश की प्रगति में भागीदार बनने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा भी कार्य को सराहा गया। इस मौके पर प्रवर्तक निदेशक कुंदन लाल भाटिया द्वारा आगे भी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़कर मदद करने हेतु हाथ आगे किया।उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी नियमित सामाजिक दायित्व के तहत स्वास्थ्य, शिक्षा एवं ग्रामीण उत्थान के कार्यों में हमेशा अग्रणी रही है। चौप्टर के अध्यक्ष डॉ ए एस प्रसाद ने बताया कि स्वामी विवेकानंद के द्वारा दिए गए आवाहन मंत्र यदि बच्चे विद्यालय नहीं आ सकते तो विद्यालय को बच्चों तक पहुंचना होगा।इसी को दृष्टिगत रखते हुए एक अनूठे आईडिया के अनुरूप बस में 8 लैपटॉप द्वारा 16 बच्चों को ग्रामीण एवं वनवासी क्षेत्रों में कंप्यूटर की शिक्षा तीन महीने के प्रशिक्षण द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। एक दिन में दो गावों में सुबह और शाम की पाली में 15-16 बच्चों को प्रशिक्षण दिया जायेगा।

मेरा विद्यालय, मेरी पहिचान प्रतियोगिता में यूपीएस पुलंदर प्रथम

पुखरायां कानपुर देहात, (यूएनएस)। बुधवार को कस्बा स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद लखनऊ द्वारा आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता- मेरा विद्यालय मेरी पहचान का आयोजन डाइट प्राचार्य देवेंद्र स्वरूप की अध्यक्षता में किया गया। उक्त आयोजन में निर्णायक मंडल के रूप में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पुखरायां की प्रधानाचार्य कामिनी पाल, डायट प्रवक्ता गण जगदंबा त्रिपाठी व अंशु सिंह ने उपस्थित रहकर समस्त प्रविष्टियों का बारीकी से अध्ययन करते हुए तथा उन्हें जांचते हुए निर्णय प्रदान किया। उक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान विकास खंड के उच्च प्राथमिक विद्यालय पुलंदर ने हासिल किया।द्वितीय स्थान पर विकासखंड झींझक के कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय रानेपुर ने स्थान बनाया। प्राथमिक स्तर पर प्राथमिक विद्यालय केशीपुर विकासखंड रसूलाबाद ने प्रथम एवं प्राथमिक विद्यालय देवराहट विकासखंड मलासा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

प्रेस क्लब भवन का निर्माण जल्द ही-जिला अधिकारी

राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर मीडिया की भूमिका के बारे में संगोष्ठी संपन्न

लखीमपुर खीरी, (यूएनएस)। कार्यक्रम का शुभारम्भ डीएम महेंद्र बहादुर सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने पत्रकारों के साथ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करके दीप प्रज्वलित किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने लोकतंत्र के सजग प्रहरी ,सभी सम्मानित पत्रकार बंधुओं को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने ने कहा कि राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य प्रेस की आजादी के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना है। इस दिन एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की मौजूदगी का प्रतीक है। जनता को सही निष्पक्ष प्रमाणिक और सामयिक सूचना से शिक्षित करने में आपकी (पत्रकारों)की अहम भूमिका है।यह स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जरूरी भी है। वास्तव में राष्ट्र निर्माण में मीडिया की अहम भूमिका है। पत्रकार घटना स्थल पर जाकर घटनाओं की वास्तविकता को परखते हैं।और खब्बरों को लिखते हैं। मजे की बात तो यह है राष्ट्र निर्माण में मीडिया की भूमिका के बारे में गोष्ठी में किसी पत्रकार ने अपने विचार प्रकट नहीं किये। चाटुकार पत्रकारिता का परिचय देते हुए कुछ पत्रकारों ने अपने विचार प्रकट किए। परंतु किसी पत्रकार ने राष्ट्र निर्माण दिवस पर मीडिया की भूमिका के बारे में गंभीर सुझाव नहीं दिये । इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार सियाराम गौड़ ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि जब तक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में मीडिया की अहम भूमिका है तब तक देश में खुशहाली,इंसाफ का बोलबाला रहेगा।जब भी मीडिया चाटुकारिता करेगी तब तक राष्ट्र की नीव कमजोर होंगी। वरिष्ठ पत्रकार डॉ0अखलाक अहमद खां ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जब देश का संविधान बना उसी समय लोकतंत्र का चौथे स्तम्भ की जिम्मेदारी मीडिया को दी गई। क्यों कि देश की आजादी में मीडिया ने अहम भूमिका निभाई थी। मीडिया का मतलब है कि सूचंनाये ईमानदारी से इधर से उधर करना होता है। उन्होंने कहा कि मेरे 44 वर्ष की पत्रकारिता के कार्यकाल में वह सब होता था जो आज नहीं हो रहा है।आज की पत्रकारिता चाटुकारिता की पत्रकारिता है। प्रातः से ही, अधिकारियों के वहां हाजिरी लगाकर अपने आप को पत्रकार कहने में फक्र महसूस करते हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार धीरेन्द्र अवस्थी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए राष्ट्र निर्माण में मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनपद में पत्रकारों के बैठने के लिए कोई भी व्यवस्था नहीं है। जिस पर जिला अधिकारी महेंद्र बहादुर सिंह ने पत्रकारों कोआसस्वत किया कि कचहरी प्रांगण में ही प्रेस क्लब बनाने की कार्यवाही चल रही है।राजस्व विभाग से अनुमति मिलने के बाद प्रेस क्लब का निर्माण प्रारंम्भ हो जायेगा।

रेप के मामले में यूपी नंबर 1, रोज होते हैं 11 रेप...शादी का झांसा देकर सबसे ज्यादा हो रहे रेप

लखनऊ, (यूएनएस)। यूपी में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ा है। आए दिन रेप के बाद हत्या के मामले सामने आ रहे हैं। ये बाते चाहे किसी को सुनने में आम लगे, लेकिन जब इसके तह में उतरते हैं तो पाते हैं हर घड़ी कई जिंदगियों के साथ खिलवाड़ होता है। तो आइए रोज कितने रेप हो रहे हैं, नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों से जानते हैं। एनसीआरबी यानी नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक पूरे देश में हर रोज 86 रेप के मामले आते हैं। इनमें से सिर्फ उत्तर प्रदेश में 13ः यानी 11 घटनाएं हर रोज होती हैं। एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं 2014 में 3,467, 2017 में 4,246 और 2020 में 2,769 रेप के मामले समने आए हैं। यानी रेप के मामले कम हुए हैं। एनसीआरबी कहता है कि यूपी में रेप के 57ः मामलों में शादी का झांसा देकर रेप किया जाता है। अक्सर ये वो मामले होते हैं जिनमें पीड़िता और आरोपी पहले आपसी सहमति शारीरिक संबंध बनाते हैं। लेकिन बाद में लड़के लड़की को अपनाने से मुकर जाते हैं। इसके अलावा रेप के 37ः मामलों में रेप करने वाला कोई रिश्तेदार या जानने वाला ही होता है। सिर्फ 6ः रेप आरोपी ऐसे होते हैं जिससे कि पीड़िता अनजान होती है। आईपीसी यानी भारतीय दंड संहिता में धारा 376 और 375 के तहत रेप के मामले दर्ज होते हैं। इसी में इसकी सजा के बारे में बताया गया है। धारा 376 में दोषी को कम से कम पांच साल की सजा और अधिकतम 10 साल तक कठोर सजा दी जाती है। लेकिन निर्भया कांड के बाद संविधान संशोधन हुआ था। प्च्ब् की धारा 376 म् के तहत रेप के दोषियों को उम्रकैद या फिर फांसी भी दी जा सकती है। यूपी में महिला सुरक्षा के लिए एंटी रोमियो स्कॉयड भी बनाया गया था। लेकिन इसके तहत किसी बड़ी राहत की खबर अब तक नहीं है। बीते 6 साल में रेप की घटनाएं कम हो रही है। यानी कानून रेपिस्ट्स पर लगाम लगाने में सफल हैं। यूपी के एडीजी आशुतोष पांडेय कहते हैं कि महिलाओं को रेप जैसी जघन्य घटनाओं पर एकदम खामोश नहीं रहना चाहिए। भले ही रेप करने वाला कोई शख्स उनका जानने वाला ही कोई क्यों ना हो, उन्हें ऐसे मामलों की शिकायत पुलिस से जरूर करनी चाहिए।

काशी में दिखेगी हिंदी-तमिल संस्कृति की झलक, पीएम मोदी कल करेंगे आयोजन की शुरुआत

लखनऊ, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में आजादी के बाद पहली बार हिंदी-तमिल महासंगम की आज से शुरूआत होगी। काशी-तमिल संगमम नामक यह कार्यक्रम लगभग एक महीने तक चलेगा। हिंदी और तमिल भाषाई लोगों की संस्कृतियों के मेल-मिलाप का यह सबसे बड़ा महोत्सव है। यह महासंगम 17 नवंबर से 16 दिसंबर तक चलेगा। 19 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के एंफीथिएटर ग्राउंड में संगमम के मुख्य आयोजन की शुरुआत करेंगे। बताया रहा है कि 12 ट्रेनों से ढाई हजार प्रतिभागी यहां पहुंच रहे हैं। जानकारी मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शिक्षा मंत्रालय की ओर से आयोजित इस बड़े आयोजन में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 19 नवंबर को दोपहर में अपने संसदीय क्षेत्र काशी पहुंचेंगे और काशी तमिल संगमम का शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय से पीएम नरेंद्र मोदी के आने की पुष्टि के बाद जिला प्रशासन तैयारियों में जुट गया है। इस आयोजन के शुभारंभ के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी तमिलनाडु के 12 प्रमुख मठ मंदिरों के आदिनम (महंत) को काशी की धरती पर पहली बार सम्मानित भी करेंगे। आपको बता दें कि काशी तमिल संगमम के दौरान कई अकादमिक सत्र का आयोजन किया जाएगा। इस महासंगम में 12 ग्रुप में अलग-अलग क्षेत्रों से लोग शिरकत करेंगे। हर ग्रुप में 200 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। 2-2 दिन के अन्तराल पर उन्हें काशी की सैर भी कराई जाएगी। बताया जा रहा है यहां पहुंचे वाले मेहमान काशी विश्वनाथ धाम का दर्शन करने के साथ गंगा आरती में भी उपस्थित रहेंगे। बता दें कि हिंदी-तमिल महासंगम में साहित्य, प्राचीन ग्रंथों, हथकरघा, आधुनिक नवाचार, आध्यात्मिकता, नृत्य नाटक, आयुर्वेद, दार्शनिक चिंतन, हस्तशिल्प, संगीत, व्यापारिक आदान-प्रदान, योग, एजुटेक जैसे विषयों पर विचार- गोष्ठी, चर्चा, व्याख्यान, कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी आगमन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए सीएम योगी भी गुरुवार को वाराणसी पहुंचेंगे। बीते मंगलवार को सीएम योगी ने सोनभद्र जाते समय एयरपोर्ट पर स्थानीय अधिकारियों को इस बात का संकेत दिया था। जिला प्रशासन के सूत्रों ने बताया है कि अफसरों की बैठक में तैयारियों की समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री आयोजन स्थलों का भी दौरा करेंगे।

अश्लील फिल्म दिखाकर पति बनाता है अप्राकृतिक संबंध, सास बोली, ये सब तो करना पड़ेगा

अलीगढ़, (यूएनएस)। जिले के क्वार्सी थाना इलाके के नगला पटवारी गांव से हैरान कर देने वाला सामने आया है। यहां पर एक विवाहिता ने अपने पति पर गंभीर आरोप लगाया हैं। पीड़ित महिला की मानें तो उसका पति मोबाइल पर अश्लील फिल्म दिखाकर उससे वैसा ही करने की डिमांड करता है। पीड़ित ने बताया कि पति को कई बार मैंने समझाने का प्रयास किया, लेकिन हैवान पति अप्राकृतिक संबंध न बनाने पर मारपीट करता है। विवाहिता ने पति के जुर्म को अपनी सास से बताई, सास ने उसे बेतुका जवाब देते हुए कहा कि ये तो सामान्य बात है बेटा जैसे जैसे कहता है तू वैसा करती रह। पीड़ित ने मामले की शिकायत एसएसपी से करते हुए न्याय की गुहार लगाई है। बता दें कि पीड़ित महिला की शादी मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार थाना क्वार्सी क्षेत्र के रहने वाले आसिफ नाम के व्यक्ति से 31 जुलाई 2021 में हुई थी। शादी के कुछ दिन तक तो ससुराल में सब ठीक चला, कुछ ही समय बाद महिला का पति पोर्न वीडियो जबरन दिखाकर, उसी तरह से महिला के साथ नए-नए तरीके आप्रकृतिक संबंध बनाता था। पीड़ित ने बताया कि लोक लज्जा की वजह से पति के जुर्म को सहती रही। विवाहिता सोचती रही कि कुछ समय के बाद सब कुछ ठीक हो जाएगा। पीड़िता की मां ने बताया कि बेटी का पति गंदी-गंदी फिल्म दिखाकर उसके साथ अप्राकृतिक सेक्स करता है। जब मेरी बेटी ने अपनी सास को यह बातें बताई तो उसने यह कहा कि ऐसा होता रहता है। मैं इसमें क्या करूं ऐसा सबके साथ होता है। मां ने बताया कि जब बेटी इसका विरोध करती है तो उसके साथ पति, देवर, ससुर और सास पीट-पीट करते है। उन्होंने कहा कि अब बेटी पति के जुर्म से परेशान हो चुकी है। जिस वजह से एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने कहा कि एसएसपी ने हमरी शिकायत को स्वीकार कर लिया है। बेटी को न्याय का भरोसा दिया है। हालांकि, अभी तक इस मामले को लेकर किसी पुलिस अधिकारी ने कोई बयान नहीं जारी किया है। फिलहाल पीड़िता को एसएसपी से न्याय की आस है।

साथी संस्था व आईआईटी द्वारा जीजीआईसी में विज्ञान गणित लैब का हुआ शुभारम्भ

रसूलाबाद कानपुर देहात, (यूएनएस)। विभिन्न आईआईटी एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रख्यात शिक्षाविदों द्वारा संचालित सामाजिक संस्था साथी के विभिन्न उद्देश्यों में से एक उद्देश्य बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी भारत सरकार की नीतियों का सहयोग करना भी है। साथी द्वारा स्वास्थ्य,शिक्षा एवं पर्यावरण के विकास के लिए किए जा रहे अनेक प्रयासों में से एक प्रयास के अंतर्गत बेटियों की शिक्षा के लिए आर्थिक मदद करने का प्रयास किया जा रहा है। बालिकाओं मे विज्ञान व गणित के प्रति रुचि पैदा करने व उन्हे शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए 16 नवम्बर 2022 को साथी संस्था व आईआईटी कानपुर द्वारा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, रसूलाबाद मे विज्ञान,गणित लैब का शुभारम्भ किया गया। लैब का शुभारम्भ जिला विद्यालय निरीक्षक अरबिन्द कुमार द्विवेदी, एसोशिएट प्रोफेसर आईआईटी कानपुर, डॉ अनुभा गोयल, प्रधानाचार्या रीता रस्तोगी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान अरबिन्द द्विवेदी ने छात्राओं को जीवन मे आगे बढ्ने के लिए विज्ञान को एक साधन के रूप में प्रयोग करने की प्रेरणा दी और इसके प्रति चिंतन एवं मनन करने की सलाह दी। उन्होने बताया कि जीवन में सफलता के लिए मानवीय व्यव्हार एवं विनम्रता को सदैव प्राथमिकता देनी चाहिए।आईआईटी कानपुर से संस्था की उपाध्यक्ष डॉ अनुभा गोयल ने अपने जीवन के अनुभवों को बताते हुए विद्यालय की छात्राओं को जीवन मे आने वाली चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से लड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि साथी द्वारा किए जा रहे प्रयास सदैव मानवजाति के हित में होंगे।अंत में प्रधानाचार्या द्वारा सभी को धन्यवाद दिया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम के प्रबंधन संध्या राजपूत द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष जिला विज्ञान क्लब धर्मेश द्विवेदी,अकीला बानो सिद्धिकी, शैलजा, प्रियंका दोहरे, अल्का त्रिपाठी, आदित्य यादव, राजेन्द्र साथी टीम उपस्थित रही।

सम्पादकीय

सिख समुदाय से नरेंद्र मोदी का जुड़ाव

भारतीय लोकतंत्र के इंद्रधनुष में हरा और केसरिया जमीन पर परस्पर नहीं मिलते. इसका एकमात्र अपवाद राष्ट्रीय ध्वज है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो स्वयं को एक शिहंदू राष्ट्रवादीश् के रूप में परिभाषित करते हैं, तथा अल्पसंख्यकों के बीच एक असहज संबंध है. यही कहानी केसरिया के अन्य रूप सिख धर्म के साथ है. स्वतंत्रता के बाद से संघ परिवार दिखावे के बर्ताव से अल्पसंख्यकों को भरोसे में लेने में बुरी तरह असफ्ल रहा है. हालांकि मोदी मुस्लिमों को रिझाने से परहेज करते हैं, पर वे सिख समुदाय को जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, जिसकी हिस्सेदारी मतदाता आबादी में एक प्रतिशत से भी कम है. दुनियाभर में सिख अहम राजनीतिक पदों पर हैं, सफ्ल कारोबारी हैं तथा स्थानीय आख्यान को प्रभावित करते हैं. मोदी किंवदंती को आगे बढ़ाने में उनका कांग्रेस-विरोधी रुख उन्हें ताकतवर वैश्विक सहयोगी बनाता है. मोदी उनके साथ होने का कोई मौका नहीं छोड़ते, उनके लिए बोलते हैं तथा उनके दस गुरुओं, उनके बलिदानों और भारतीय विरासत में उनके योगदान की खूब प्रशंसा करते हैं. कुछ दिन पहले गुरु नानक देव की जयंती के अवसर पर वे राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा के निवास पर गये थे. इस पवित्र अवसर पर पंजाब, दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों के कई अहम सिख नेता मौजूद थे. यह समुदाय से जुड़ने का ताकतवर मंच था. भले ही लालपुरा के निवास की दूरी पांच किलोमीटर थी, पर मोदी सदियों की दूरी पाट रहे थे. उनका उद्देश्य सिखों के प्रति भारत में व्याप्त दुर्भावना को कम करना था तथा वे एक ठोस संदेश दे रहे थे कि उनके शासन का मॉडल इस सिद्धांत पर आधारित है कि बहुसंख्यक शासन को अल्पसंख्यकों के मुखर और भरोसेमंद हिस्से के समर्थन की दरकार है, जिनकी जड़ें भारत में हैं. वास्तव में, मोदी ने सिखों को भाजपा से जोड़ने के लिए एक राजनीतिक राह अपनायी है. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सिखों से सांस्कृतिक रूप से जुड़ने के लिए अपनी शाखाओं में सिख वीरता का उत्सव मनाने का तरीका अपनाया था. गुरु गोबिंद सिंह हमेशा से संघ के राष्ट्रवादी विमर्श के अभिन्न अंग रहे हैं. लेकिन जो संघ हासिल नहीं कर सका, मोदी ने सिखों को संघ परिवार के साथ जोड़ने का काम अपने ऊपर ले लिया है. मोदी शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की पत्नी पूर्व मंत्री हरसिमरत कौर के निवास पर होने वाले धार्मिक आयोजनों में जाते रहे हैं. शिरोमणि अकाली दल के एनडीए से अलग होने के बाद भी विशेष अवसरों पर मोदी पंजाब के प्रमुख गुरुद्वारों में जाते रहे हैं. मनमोहन सिंह से भी अधिक सिख प्रतिनिधि मंडलों की मेजबानी वे अपने आवास पर करते रहते हैं. मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने स्वतंत्रता दिवस के संबोधनों में सिख गुरुओं की शिक्षाओं को समाहित किया है. सिखों को मुख्यधारा में लाने के लिए उन्होंने विभिन्न राजनीतिक, प्रशासनिक और इंफ्रास्ट्रक्चर संबंधी कदम उठाया है. भाजपा महासचिव के रूप में वे पंजाब, हिमाचल, हरियाणा एवं जम्मू-कश्मीर के प्रमुख सिख नेताओं से लगातार मिला करते थे. अपनी पहली ब्रिटेन यात्रा में उन्होंने वहां के सिख नेताओं से गंभीर बैठकें की थीं. ऐसा करने वाले वे संभवतः पहले भारतीय प्रधानमंत्री थे. चूंकि इंग्लैड को अतिवादियों की शरणस्थली माना जाता है, तो उन्होंने कथित खालिस्तान समर्थकों को भी आमंत्रित किया था. वर्ष 2019 में भारत सरकार ने बर्मिंघम विश्वविद्यालय में गुरु नानक देव के नाम से एक चेयर स्थापित करने के लिए कोष दिया था. मोदी सरकार ने ऐसा ही चेयर कनाडा में भी स्थापित करने का वादा किया है. सिख बौद्धिकों के लिए ऐसी पहल कर मोदी समावेशी सिख संस्कृति एवं आस्था को आगे बढ़ाना चाहते हैं. मोदी ने संयुक्त राष्ट्र से सिख गुरुओं की शिक्षाओं के विदेशी भाषाओं में अनुवाद कराने के लिए कहा है. नवंबर, 2019 में उन्होंने डेरा बाबा नानक साहिब और लाहौर के निकट करतारपुर साहिब के बीच 4.5 किलोमीटर गलियारे के भारतीय हिस्से का उद्घाटन कर तथा तीर्थयात्रियों के लिए वीजा की बाध्यता समाप्त कर लंबे समय से हो रही मांग को पूरा किया. वे वाजपेयी के प्रस्ताव को साकार कर रहे थे. उन्होंने कई परियोजनाओं का वादा किया है, जिनमें उत्तराखंड में हेमकुंड साहिब में रोपवे बनाना भी है. देशभर के सिख तीर्थयात्रियों के लिए अच्छी सुविधाएं देने का वादा भी किया गया है. उन्होंने अकादमिक संस्थाओं और परियोजनाओं का नामकरण सिख गुरुओं के नाम पर करने तथा उनकी जीवनी को स्कूली पाठ्यक्रमों में शामिल करने का निर्देश भी दिया है. प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह ने सिखों की आशंकाओं को दूर कई पहलें की हैं. गृह मंत्रालय ने बाहर रह रहे प्रतिबंधित सिखों की सूची को वापस ले लिया है. उन्हें वीजा नहीं दिया जाता था. यह सूची अस्सी के दशक में बनी थी और इंदिरा गांधी की हत्या के बाद उसमें कई नाम जोड़े गये थे. भाजपा सरकार ने पड़ोसी देशों के हिंदुओं और सिखों को नागरिकता देने का कानूनी प्रावधान किया है. हालांकि यह कानून बांग्लादेश से भाग रहे हिंदुओं की रक्षा के लिए है, पर इससे तालिबान शासित अफ्गानिस्तान से आये सिखों को बड़ी राहत मिली है. पंजाब में बड़ी हार के बावजूद मोदी के प्रयासों में कमी नहीं आयी है. उनका लक्ष्य जीतने योग्य सिख नेताओं की पहचान करना है, जो कांग्रेस और अकाली दल के सिमटने से खाली हुई जगह भर सकते हैं।

फीफा कपः ब्राजील टीम ही क्यों भारतीयों की पसंद

दुनिया भर के 200 से अधिक देशों ने हर चार साल में होने वाली इस फुटबॉल स्पर्धा में क्वालिफाई करने का प्रयास किया, लेकिन मेजबान कतर सहित केवल 32 टीमें 2022 फुटबॉल विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर सकीं। हालांकि उन 32 देशों में भारत भी नहीं है जो फीफा कप के लिए क्वालिफाई कर सके हैं। एक अरसे से भारतीय फुटबॉल प्रेमी ब्राजील की टीम को ही चीयर करते हैं और संतोष कर लेते हैं। हमारे फुटबॉल प्रेमियों की ब्राजील की टीम को लेकर निष्ठा कभी विचलित नहीं हुई। उन्हें ब्राजील की कलात्मक शैली की फुटबॉल पसंद आती है।

क्रिकेट टी-20 वर्ल्ड कप के फौरन बाद अब फीफा विश्वकप आगामी 20 नवंबर से कतर में शुरू हो रहा है। लोकप्रियता के स्तर पर क्रिकेट कहीं नहीं ठहरती फुटबॉल के सामने। भारत के हर गाँव में फुटबाल प्रेमी भरे पड़े हैं। फीफा विश्व कप को सारी दुनिया के करोड़ों-अरबों लोगे देखेंगे। भारत में भी इसके मैच हर रोज देखे जाएंगे। दुनिया भर के 200 से अधिक देशों ने हर चार साल में होने वाली इस फुटबॉल स्पर्धा में क्वालिफाई करने का प्रयास किया, लेकिन मेजबान कतर सहित केवल 32 टीमें 2022 फुटबॉल विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर सकीं। हालांकि उन 32 देशों में भारत भी नहीं है जो फीफा कप के लिए क्वालिफाई कर सके हैं। एक अरसे से भारतीय फुटबॉल प्रेमी ब्राजील की टीम को ही चीयर करते हैं और संतोष कर लेते हैं। हमारे फुटबॉल प्रेमियों की ब्राजील की टीम को लेकर निष्ठा कभी विचलित नहीं हुई। उन्हें ब्राजील की कलात्मक शैली की फुटबॉल पसंद आती है। लैटिन अमेरिकी देश ब्राजील, भारत से हजारों किलोमीटर दूर है। भारतीय पसंद करते रहे हैं पेले, रोमोरियो से लेकर रोनोल्डो, सोकरट्स जैसे ब्राजील के खिलाड़ियों को। ब्राजील की टीम में गेरसन, जौरजिन्हो, रिवेलिनो और तोस्ताओ जैसे उम्दा खिलाड़ी भी रहे हैं। फुटबॉल भारत और ब्राजील को अद्भुत ढंग से जोड़ता भी है। इस बीच, ब्राजील के फिर से राष्ट्रपति बने लुइस इनासियो लूला डिसिल्वा भारत के मित्र हैं। लूला 2003 से लेकर 2011 तक ब्राजील के राष्ट्रपति के रूप में भारत की सरकारी यात्रा पर तीन बार आये। इस दौरान भारत में अटल बिहरी वाजपेयी तथा डॉ. मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री थे। वे 2004 की गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि थे। वे गांधीजी को ही अपना आदर्श मानते हैं। दोनों ही देश ब्रिक्स समूह के शक्तिशाली सदस्य हैं। ब्राजील की एक विशेषता यह भी है कि ब्राजील वासी भारतीय मूल के कंधे पर पुठ्ठे वाली और गले में झालर, लम्बी सींघों वाली भारतीय गायों को पालना और उनके दूध, दही, मक्खन, घी का सेवन करना कहीं ज्यादा पसंद करते हैं। ब्राज़ील में भारतीय गायों को ब्राह्मण भी कहा जाता है।हां, भारत विश्व फुटबॉल में शक्ति नहीं बन पाया है, पर भारत में इसे पसंद तो खूब किया जाता है। गाँव-गाँव में खेला जाता है फुटबाल। भारत ने 2017 में फीफा अंडर-17 चैंपियनशिप का सफल आयोजन भी किया था। उसके चलते भारत में फुटबॉल से जुड़े स्टेडियम और दूसरी सुविधाओं में गुणात्मक सुधार हुआ। एक दौर था जब भारत फुटबॉल में एक महान शक्ति था। वर्ष 1950 में भारत ने ब्राजील में खेले गए फीफा कप के लिए क्वालिफाई भी कर लिया था लेकिन वहां पर भारत को खेलने नहीं दिया गया था। इसका एक कारण यह भी बताया जाता है कि फीफा कप में खेलने के लिए फुटबॉल के विशेष तरह के बूट पहनने पड़ते हैं, जबकि भारतीय खिलाड़ियों को उस वक्त तक नंगे पांव खेलने की आदत थी। उनके पास कायदे के बूट थे भी नहीं। लेकिन, तब से दुनिया और भारत बहुत बदल चुका है। अब भारत विश्व की आर्थिक महाशक्ति बन चुका है। भारत ने 1962 के जकार्ता एशियाई खेलों में फुटबॉल का गोल्ड मेडल भी जीता था। उसके बाद भारत को 'फुटबॉल का ब्राजील' तक कहा जाने लगा था। उस दौर में चुन्नी गोस्वामी, पीके बनर्जी, जरनैल सिंह, थंगराज जैसे बड़े खिलाड़ी भारत की फुटबॉल टीम की जान थे। पर, बाद के सालों में फुटबॉल कहीं पिछड़ गया। भारत में क्रिकेट जुनून और धर्म की शक्ल ले चुका है। पर कई राज्यों में फुटबॉल को क्रिकेट से ज्यादा पसंद किया जाता रहा है। इनमें पश्चिम बंगाल, केरल, गोवा और मणिपुर शामिल है। फुटबॉल बंगाल, गोवा, केरल वगैरह की संस्कृति का हिस्सा सदियों से है। गोवा में फुटबॉल की शुरुआत 1883 में हुई जब आइरिश पादरी फादर विलियम रॉबर्ट लियोंस ने

इसे ईसाई शिक्षा और धर्म परिवर्तन का माध्यम बनाया। आज गोवा भारत में फुटबॉल का केंद्र बन चुका है। केरल में फुटबॉल की शुरुआत 1890 में हुई जब महाराजा महाविद्यालय तिरुअनंतपुरम के रसायनशास्त्र के प्रोफेसर बिशप बोएल ने युवाओं को फुटबॉल खेलने की प्रेरणा दी। 1930 के दशक में राज्य में कई फुटबॉल क्लब बने। केरल ने भी देश को कई सफल और मशहूर फुटबॉल खिलाड़ी दिए हैं। इसी क्रम में मणिपुर का भी नाम लिया जाएगा। और फीफा वर्ल्ड कप से पहले एक बार फिर से फुटबॉल के चाहने वालों में फिर से बहस छिड़ चुकी है कि महानतम फुटबॉलर कौन था? बहस के केन्द्र में पेले और माराडोना हैं। हालांकि इस सवाल पर अभी तक कोई सर्वानुमति नहीं बन पाई है, शायद ही आगे कभी बन पाए। पेले के चाहने वाले कहते हैं कि वे ही महानतम हैं। वे तीन बार जीती फीफा वर्ल्ड कप विजेता ब्राजील टीम के सदस्य रहे है। उन्हें साल 2000 में फीफा प्लेयर आफ दि सैंचुरी का भी सम्मान मिला। इसके विपरीत माराडोना सिर्फ एक वर्ल्ड विजेता टीम में रहे। उन्होंने 1986 वर्ल्ड कप का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी होने का गौरव भी मिला था। क्या पेले को मुख्य रूप से इसी आधार पर सर्वकालिक महानतम खिलाड़ी माना जाए क्योंकि वे तीन बार जीती ब्राजील टीम में सदस्य थे। वे 1958 में ब्राजील की टीम में थे। वे तब 17 साल के थे। वे 1962 और 1966 के वर्ल्ड कपों में चोटिल होने के कारण कोई खास जौहर नहीं दिखा सके थे। हां, वे 1970 के वर्ल्ड कप में अपने पीक पर थे। पर उस टीम के बारे में कहा जाता है कि वो वर्ल्ड कप में खेली महानतम टीम थी। कहने वाले कहते हैं कि वो टीम पेले के बिना भी वर्ल्ड कप जीतने की कुव्वत रखती थी। उधर, माराडोना किसी भी टीम की रक्षा पंक्ति को भेद सकते थे। यहां पर माराडोना महान बनते हैं। उन्होंने 1986 में विश्वकप अपने दम पर दिलवाया था।**-एजेंसी**

अमेरिकी मिडटर्म चुनाव परिणाम के संदेश

जाहिर है, इसे राष्ट्रपति के कामकाज पर टिप्पणी की तरह देखा जाता है. इस बार पहले कहा जा रहा था कि बढ़ती मंहगाई, गैस की कीमतों, बाइडेन प्रशासन से नाराजगी के कारण लाल सूनामी आयेगी यानी रिपब्लिकन पार्टी, जिसका रंग लाल है, हाउस ऑफरिप्रेजेंटेटिव में भारी जीत दर्ज करेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. ताजा परिणाम आने तक रिपब्लिकन पार्टी निचले सदन में बहुमत के लिए जरूरी 218 सीटों से मात्र एक सीट दूर है. दूसरी तरफसीनेट में भी कांटे का मुकाबला रहा और डेमोक्रेटिक पार्टी ने एक सीट से बहुमत बनाये रखा है।

अमेरिका में मिड टर्म चुनावों के परिणामों में स्पष्टता आने में करीब एक हफ्ते का समय लगा है और इसका दोषी राजनीतिक दलों, खासकर रिपब्लिकन पार्टी, की रणनीति को ठहराया जा रहा है. मिड टर्म यानी हर दो साल पर अमेरिका के उच्च सदन (सीनेट) के कुछ सदस्यों और निचले सदन (हाउस ऑफरिप्रेजेंटेटिव) का कार्यकाल खत्म होता है और उन पर फ्रि से चुनाव होता है. इन्हें मिड टर्म इसलिए भी कहा जाता है कि चार साल पर राष्ट्रपति चुनाव होने के कारण ये चुनाव राष्ट्रपति का कार्यकाल आधा होने के बाद आते हैं. जाहिर है, इसे राष्ट्रपति के कामकाज पर टिप्पणी की तरह देखा जाता है. इस बार पहले कहा जा रहा था कि बढ़ती मंहगाई, गैस की कीमतों, बाइडेन प्रशासन से नाराजगी के कारण लाल सूनामी आयेगी यानी रिपब्लिकन पार्टी, जिसका रंग लाल है, हाउस ऑफरिप्रेजेंटेटिव में भारी जीत दर्ज करेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. ताजा परिणाम आने तक रिपब्लिकन पार्टी निचले सदन में बहुमत के लिए जरूरी 218 सीटों से मात्र एक सीट दूर है. दूसरी तरफसीनेट में भी कांटे का मुकाबला रहा और डेमोक्रेटिक पार्टी ने एक सीट से बहुमत बनाये रखा है. जल्दी ही सभी सीटों के परिणाम आने की संभावना है, लेकिन यह माना जा सकता है कि सीनेट डेमोक्रेट पार्टी और हाउस रिपब्लिकन पार्टी के पास है. इस तरह की व्यवस्था को डिवाइडेड गवर्नमेंट कहा जाता है. भारत से तुलना करते हुए समझें, तो अगर सरकार भाजपा की है, तो मिड टर्म में राज्यसभा में उनका बहुमत है, मगर लोकसभा में किसी और दल का. अमेरिका में यह पहली बार नहीं है, जब राष्ट्रपति जिस दल का हो, उसे दोनों सदन में बहुमत न हो. कई बार तो ऐसा भी रहा है कि डेमोक्रेट राष्ट्रपति हो और दोनों सदन में बहुमत रिपब्लिकन का हो, जैसा कि क्लिंटन के कार्यकाल में लंबे समय तक रहा. वे डेमोक्रेट राष्ट्रपति थे, लेकिन 1995 के बाद 2001 तक हुए मिड टर्म चुनावों में दोनों सदनों में बहुमत रिपब्लिकन पार्टी को ही रहा. ऐसे में सरकार का काम रूकता तो नहीं है, लेकिन पेचीदा जरूर हो जाता है. इसे ऐसे समझ सकते हैं कि सरकार की कार्यपालिका राष्ट्रपति के हाथ में होती है, लेकिन विधायिका किसी दूसरे दल के हाथ में. फ्लिहाल सीनेट डेमोक्रेट पार्टी के साथ होने के कारण राष्ट्रपति बाइडेन के लिए स्थिति बेहतर कही जा सकती है. साथ ही, हाउस के चुनावों में भी आशा के विपरीत डेमोक्रेट पार्टी का प्रदर्शन अच्छा रहा है. विश्लेषक इसके लिए सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले को जिम्मेदार मानते हैं, जिसमें अमेरिका में गर्भपात को अवैध घोषित किया गया है. विश्लेषक कहते हैं कि इस मामले में डेमोक्रेटिक दल ने बिल्कुल खुल कर स्टैंड लेते हुए इसे मानवाधिकार विरोधी और स्त्री विरोधी फैसला करार दिया है. पार्टी ने कोर्ट के इस फैसले की हर मंच से आलोचना करते हुए कहा है कि यह अमेरिकी लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन की प्रक्रिया की शुरुआत है. माना जाता है कि इस कारण बड़ी संख्या में महिलाओं ने डेमोक्रेट पार्टी को वोट दिया है. हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने हर राज्य को इस बाबत अपने फैसले करने का हक दिया है, इसलिए कहा जा रहा है कि आने वाले समय में अमेरिकी जनजीवन इस पर निर्भर करेगा कि आप किस राज्य में रहते हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि हर राज्य में जो पार्टी सत्ता में है, वही ज्यादातर नियम बनाती है. अमेरिका के पचास राज्यों में से चौबीस राज्यों में डेमोक्रेटिक पार्टी के गवर्नर हैं और पच्चीस में रिपब्लिकन पार्टी के. पिछले चुनाव की तुलना में डेमोक्रेट पार्टी ने दो गवर्नरों का इजाफ किया और रिपब्लिकन पार्टी ने दो गवर्नर हारे हैं. इन चुनावों में कई बातें अप्रत्याशित रही हैं, जिनमें एक वोटर टर्नआउट भी रहा है. आम तौर पर मिड टर्म चुनावों में बीस से पच्चीस प्रतिशत कम वोटिंग होती है, इसलिए इस बात को लेकर डेमोक्रेट पार्टी चिंता में थी. हालांकि परिणामों से साफ है कि डेमोक्रेट पार्टी का वोट बेस बाहर निकला है वोट करने के लिए. मिड टर्म की मतगणना में संभवतः पहली बार इतनी देरी हुई है, लेकिन इसकी पृष्ठभूमि में रिपब्लिकन पार्टी के बेबुनियाद आरोप रहे हैं, जो वे दो साल पहले से ही लगाते रहे हैं कि चुनावों में धांधली होती है. अमेरिका में आम तौर पर वोटिंग का एक दिन निर्धारित नहीं होता है. वोट करने की अंतिम तारीख तय होती है और वोटर उस तारीख से पहले अलग अलग जगहों पर जाकर वोट देते रहते हैं. एक बड़ी संख्या में वोटर पोस्टल बैलेट पर मतदान करते हैं, जिनकी गिनती मतगणना के तुरंत बाद शुरू हो जाती है। इन चुनावों में धांधली की गुंजाइश के आरोपों के बाद हर पोस्टल बैलेट को एक जगह करने का फैसला हुआ, जिसके कारण गणना में बहुत अधिक देरी हुई. साथ ही, हर मतगणना में दोनों दलों का एक एक व्यक्ति नियुक्त भी खड़ा रहा. इस तरह की व्यवस्था के कारण अभी भी मतगणना का काम पूरा नहीं हुआ है. मंगलवार सुबह तक था और वे अधिकतर उम्मीदवार हारे हैं. इसके बावजूद यह कहना जल्दबाजी होगी कि अमेरिका के लोग डेमोक्रेट पार्टी के समर्थन में हैं. मंहगाई को लेकर डेमोक्रेट पार्टी के पास सवालों के जवाब नहीं हैं।**-एजेंसी**

कम से कम चौदह सीटों पर रूझान भी इतने स्पष्ट नहीं थे कि कहा जा सके कि कौन सी पार्टी जीत सकती है. रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीद से खराब प्रदर्शन के पीछे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी जिम्मेदार बताया जा रहा है, जिन्होंने चुनाव के दौरान कई अपने लोगों को टिकट दिलवाया वे लोगों को ये बता नहीं पा रहे हैं कि मंहगाई पर कब और कैसे नियंत्रण किया जा सकेगा. यह एक बड़ा कारण है कि बाइडेन की एप्रूवल रेटिंग लगातार गिरती रही है. हालांकि इसके बावजूद मिड टर्म चुनाव जब विपक्षी दल ऐतिहासिक रूप से अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं।**-एजेंसी**

आलेख — भाषा का संबंध हमारे जीवन से है —

इसे हिंदी की ताकत की तरह आंका जा रहा है. मीडिया के लोग सोचते हैं कि हिंदी का उनके लिए दाम ज्यादा है क्योंकि वह पचास करोड़ से ज्यादा लोगों की भाषा है. मीडिया में किसी भी भाषा की महत्ता उसके बोलने वालों से जब आंकी जाती है, तो अचानक यह तथ्य भी संप्रेषित होता है कि भाषा से बड़ा तत्व जनसंख्या का है. भाषा को जनसंख्या बल के आधार पर देखने का तरीका मार्केटिंग का तरीका है।

हिंदी की व्यापकता, विस्तार, शक्ति, व्यवहार आदि के आकलन से सितंबर के महीने का मीडिया रंगा रहता है. पत्रकारिता और अनुवाद का बहुत बड़ा क्षेत्र है, जहां संयोग से हिंदी का बड़ा बाजार भी है. हाल में गीतांजलिश्री के हिंदी उपन्यास रेतसमाधि के अंग्रेजी अनुवाद को अनुवाद का बुकर पुरस्कार मिला है. इसे हिंदी की ताकत की तरह आंका जा रहा है. मीडिया के लोग सोचते हैं कि हिंदी का उनके लिए दाम ज्यादा है क्योंकि वह पचास करोड़ से ज्यादा लोगों की भाषा है. मीडिया में किसी भी भाषा की महत्ता उसके बोलने वालों से जब आंकी जाती है, तो अचानक यह तथ्य भी संप्रेषित होता है कि भाषा से बड़ा तत्व जनसंख्या का है. भाषा को जनसंख्या बल के आधार पर देखने का तरीका मार्केटिंग का तरीका है. मार्केट को जनसंख्या से मतलब है, इसके बाद वे लोग कैसे हैं, उनकी दुनिया कैसी है, उनकी परंपरा क्या हैं, उनके सुख-दुख क्या हैं इत्यादि सवालों से मीडिया सर्जकों का बहुत कम लेना-देना होता है. भाषा माल उत्पादकों और क्रेताओं के बीच संपर्क, संवाद और संचार की धुरी है. इस धुरी के जरिये क्या दिया जा रहा है? कैसे दिया जा रहा है?इन सब सवालों की ओर से हिंदी मीडिया ने अब आंखें बंद कर ली हैं. मीडिया को अपने ऑडिएंस की भाषा में संप्रेषण करना चाहिए लेकिन यदि एकमात्र भाषा बोलनेवालों की संख्या ही महत्वपूर्ण कारक है, ऑडिएंस की संस्कृति-सचेतनता से मीडिया का कोई सरोकार नहीं है, तो इसे मीडिया की कमजोरी ही कहा जायेगा. मीडिया में भाषा संचार का एक रूप है, किंतु इसकी शक्ति संबंधित भाषा-भाषी लोगों के जीवन यथार्थ के चित्रण से आती है. भाषा का अपने सामाजिक यथार्थ से गहरा रिश्ता होता है. कोई भी भाषा अपने व्यापक सामाजिक-आर्थिक सरोकारों से जुड़े सच को व्यक्त करके ही शक्ति अर्जित करती है. कोई लेखक हिंदी में लिखने मात्र से महान लेखक नहीं बन जाता. उसी तरह कोई भी अखबार, रेडियो, टीवी चौनल सिर्फहिंदी में आने से ही हिंदी का भला नहीं करने लगता, बल्कि यह कहना ज्यादा सच होगा कि हिंदी तो एक ऊपरी आभूषण है, असल है हिंदीभाषी जनता का यथार्थ. यह सच है कि हिंदी चौनलों और अखबारों की बाढ़ आयी हुई है, किंतु इससे भी बड़ा सच यह है कि विगत कई वर्षों से हिंदी में कोई भी ऐसी खोजी रिपोर्ट प्रकाशित नहीं हुई है, जो पूरे देश का ध्यान खींच सके. इससे भी बड़ा सच यह है कि भूमंडलीकरण का जो रेला हिंदी मीडिया में चल रहा है, उसमें सांस्कृतिक गुलामी के बीज बोये जा रहे हैं. लगातार हमारे पास ऐसी खबरें आ रही हैं, जिन्हें सारवान खबरें नहीं कह सकते हैं. खबरों के ऐसे धुरंधर संवाददाता आ गये हैं, जिन्हें सही हिंदी बोलनी नहीं आती. इससे भी बड़ी बात यह है कि आज भी विज्ञापन में हिंदी सृजन की भाषा का दर्जा हासिल नहीं कर पायी है. ज्यादातर विज्ञापन अंग्रेजी में तैयार होते हैं, उनकी मूल सामग्री अंग्रेजी में तैयार होती है. कई हजार करोड़ का व्यापार करने वाला विज्ञापन उद्योग आजादी के पचहत्तर साल बाद भी हिंदी में सोच नहीं पाता, हिंदी में जब तक विज्ञापन नहीं सोचेगा, हिंदी के अपने विज्ञापन सर्जक तैयार नहीं होंगे, तब तक हिंदी के स्तर में सुधार नहीं आने वाला. टीवी चौनलों में हिंदी को लेकर हीनताबोध इस कदर हावी है कि ज्यादा चौनलों के कार्यक्रमों के नाम अंग्रेजी में हैं. मजेदार बात यह है कि वे अंग्रेजी में नाम लिखकर भी दिखाते हैं, नाम बोलते भी अंग्रेजी में हैं. दुखद बात यह है कि सांस्कृतिक गुलामी के लिए बच्चों को सीधे निशाना बनाया जा रहा है. बच्चों के डब कार्यक्रमों के पात्र जब हिंदी बोलते हैं, तो बेतुके लगते हैं क्योंकि उन कार्यक्रमों के बच्चों की दुनिया हिन्दीभाषी बच्चों की दुनिया से मेल ही नहीं खाती. भाषा प्रामाणिक यथार्थ से समृद्ध होती है. मीडिया नेटवर्क की पहुंच के आधार पर भाषा की समृद्धि का अंदाजा नहीं लगाया जाना चाहिए. भाषा बोलने से नहीं लिखने से समृद्ध होती है. हिंदी के प्रिंट मीडिया ने लंबे समय तक भाषा शिक्षण का काम किया. लेकिन आज के हिंदी मीडिया ने हिंदी का बाजार तो हासिल कर लिया है, किंतु हिंदी का वह ठाट, साख और प्राणतत्व अभी हासिल नहीं कर पाया है. हिंदी बाजार की भाषा जरूर है, किंतु इसकी प्राणवायु बाजार मात्र के संप्रेषण में नहीं है।**-एजेंसी**

दैनिक राशिफल

मेषः- कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। सभी इच्छाओ को सकार करने से पूर्व गहन सोच-विचार करें। आकस्मिक यात्रा की योजना बन सकती है। घर में खुशहाली रहेगी।

बृषभः- सामाजिक संबंधों में ब्यस्तता बढ़ेगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। कुछ नये संबंधों के प्रति मन उत्साहित होगा। रोजगार में लाभकारी स्थिति मन को खुश रखेगी।

मिथुनः- कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतरू इसमें सुधार लायें। घर में किसी मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

कर्क :-महत्वपूर्ण कायरें की समयानुकूल पूर्ति हेतु मन चिंतित होगा। प्रतिभाओ पर भरोसा रख महत्वपूर्ण लक्ष्यों को फ्लीभूत करने हेतु केंद्रित हों। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अवसर प्रदान करेगी।

सिंहः- अपने पद एवं मर्यादा ख्याल रखते हुए उच्छृंखल मन को नियंत्रित करें। आकस्मिक कोई सुखद समाचार से मन प्रसन्न होगा। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

कन्याः- कोई नयी इच्छा मन पर प्रभावी होगी। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। कार्यक्षेत्र में ब्यस्तता बढ़ेगी। अपने स्वास्य के प्रति सचेत रहें। जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

तुलाः- सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। नये लक्ष्य एवं नये कायरें में ब्यस्तता बढ़ेगी। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रम का पूरा लाभ प्राप्त होगा। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता बरते।

वृश्चिकः- नई प्रतिभाएं उजागर होंगी। प्रिय लोगों का सानिध्य मिलेगा। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में मन उसके परिणाम हेतु चिंतित होगा। रोजगार में लाभकारी स्थिति खुश रखेगी।

धनुः- वाक्यपटुता एवं व्यवहार कुशलता से संबंधों में प्रभावी होंगे। भौतिक आकांक्षाएं सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु मन केंद्रित होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

मकरः- नये कार्य के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। काफी दिनों से अवरोधित कोई कार्य हल होने की संभावना है। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयास करें।

कुंभः- नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कार्यक्षेत्र में अनवरत् व्यस्तता रहेगी। योजनाओं के फ्लीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। घर-परिवार में वातावरण उत्साहित होगा।

मीनः- निराशावादी विचार योजनाओं की सार्थकता में बाधक हैं। एक साथ कई चिंताओं से मन ग्रसित होगा। अभिभावको एवं श्रेष्ठजनो के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

पतिः-
तुम्हारे प्यार में ताजमहल बनवाऊँगा

पत्निः-
इसकी कोई जरूरत नही हैं..
बस.. तूम रोज़ बर्तन मांज दो!
😜😂😂😂😂

आज का सुविचार

:- सुविचार :-

शिक्षा सबसे अच्छी मित्र है, एक शिक्षित व्यक्ति हर जगह सम्मान पाता है, शिक्षा सौंदर्य और यौवन को परास्त कर देती है।

संक्षिप्त समाचार

फंदे से लटकता मिला युवक का शव

बस्ती, (यूएनएस)। लालगंज थाना क्षेत्र के मरवटिया ईंट भट्ठे के दक्षिण बाग में 24 वर्षीय एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में साड़ी के फंदे से लटकती लाश मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर कब्जे में लिया। जानकारी के अनुसार लालगंज थाना क्षेत्र के मरवटिया ईंट भट्ठे के दक्षिण बाग में गुरुवार को ग्रामीणों ने आम के पेड़ से साड़ी के फंदे से लटकती हुई लाश देख सूचना ग्राम प्रधान को दी। ग्राम प्रधान ने चौकी इंचार्ज कुदरहा को इसकी सूचना दी। मौके पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए उसकी शिनाख्त कराया। शव की शिनाख्त बलराम (24) पुत्र पुनीत राणा निवासी भानपुर थाना नयापारा प्रदेश उड़ीसा के रूप में हुई। मृतक की पत्नी रीता ने बताया कि 2 साल पहले वह भट्ठे पर काम करने आए थे, फिर बीच में दूसरे भट्ठे पर काम करने लगे। 15 नवंबर को मरवटिया ईंट भट्ठे पर काम करने के लिए घर से आए। बताया कि रात को साथ में मोबाइल देखकर वह सोए थे। गुरुवार को सूचना मिली कि आम के पेड़ से साड़ी के फंदे के सहारे शव लटका हुआ है। मृतक अपनी पत्नी रीता, ससुर वृन्दावन, सास लता के साथ ईंट भट्ठे पर रहता था। मृतक बलराम का एक दो माह का पुत्र जीशू है। मौके पर पहुंचे फॉरेंसिक टीम ने शव का बारीकी से जांच पड़ताल की और साक्ष्य जुटाए। चौकी प्रभारी कुदरहा सुरेश कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। छानबीन की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

बहराइच महायोजना का व्यापारियों ने किया विरोध, डीएम से रद्द करने की मांग

बहराइच, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने बहराइच महायोजना 2031 के वर्तमान स्वरूप को संदेहास्पद और त्रुटिपूर्ण बताया है। इसका कड़ा विरोध करते हुए इसे रद्द करने और इस पर नये सिरे से विस्तृत सुनवाई किए जाने की मांग की है। व्यापारियों ने जिलाधिकारी के नाम का ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट ज्योति राय को सौंपा है। उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष कुलभूषण अरोरा, महामंत्री दीपक सोनी प्यारेजी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बृजमोहन मातनहेलिया, व्यापारी नेता अब्दुल सईद, अल्ताफ मेकरानी, घनश्याम सिंह और दीपक सरदार के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को जिलाधिकारी दिनेश चंद्र सिंह और नगर मजिस्ट्रेट ज्योति राय से मिलकर व्यापारियों और शहर वासियों को महायोजना से होने वाली परेशानियों से अवगत कराया। उद्योग व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने बताया कि बहराइच महायोजना 2031 (प्रारूप) के अधिकांश प्रस्ताव त्रुटिपूर्ण और भ्रामक तथ्यों के आधार पर दिए गये हैं। व्यापार मंडल का मानना है कि योजना में दर्ज प्रस्ताव यदि जस के तस लागू हुए तो छोटे- बड़े व्यापारी बेरोजगार हो जाएंगे। उनके परिवारों के हजारों सदस्यों के भूखे मरने की नौबत आ सकती है। व्यापारियों ने डीएम से मांग की है कि महायोजना के वर्तमान प्रारूप को निरस्त कर इस पर दोबारा नये सिरे से विस्तृत सुनवाई की जाए। शहर के घने बाजारों की सड़कों को चौड़ा करने के अव्यवहारिक और त्रुटिपूर्ण प्रस्ताव को खारिज करने की मांग की गई है। ज्ञापन की एक- एक प्रति प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद, एमएलसी और अध्यक्ष जिला पंचायत सहित अन्य राजनीतिक दलों को भेजी जा रही है।

कतर्नियाघाट फ्रेंड्स क्लब ने किया सम्मानित, थारू संस्कृति को इको पर्यटन से जोड़ने पर डीएफओ को किया पुरस्कृत

बहराइच, (यूएनएस)। जिले में प्रभागीय वनाधिकारी आकाशदीप बधावन ने कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग में वन एवं वन्य जीव संरक्षण हेतु किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए कतर्नियाघाट फ्रेंड्स क्लब की ओर से सम्मानित किया गया।कतर्नियाघाट फ्रेंड्स क्लब की ओर से क्लब अद्धयक्ष लखमानी ने बर्दिया गांव में थारू संस्कृति को इको पर्यटन से जोड़कर ग्रामीणों को रोजगार दिलाने और बर्दिया गांव में होम स्टे शुरू कराने वाली टीम दुधवा फाउंडेशन के आउटरीच प्रोग्राम इंचार्ज शाश्वत राज, वन क्षेत्राधिकारी कतर्नियाघाट वी के मिश्र, वन दरोगा पवन कुमार शुक्ला, वन दरोगा निशानगाढ़ा मनोज पाठक को गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही कतर्नियाघाट रेंज में नवनियुक्त दो महिला वाचरों को टॉर्च व रूल प्रदान किये गए तथा कार्यक्रम में मौजूद सभी रेंज के सभी वनकर्मियों को क्लब के रिंग्स भी वितरित किये गए। कार्यक्रम में फ्रेंड्स क्लब के अद्धयक्ष ने अपने विचार रखते हुए मौजूद सभी लोगों को कतर्नियाघाट में पर्यटन सत्र के शुभारम्भ की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रभागीय वनाधिकारी कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग आकाशदीप बधावन ने पद संभालने के बाद वन एवं वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए जो कदम उठाये हैं उससे जंगल की सुरक्षा मुकम्मल हुई है। वन्य जीव सुरक्षित हुए हैं और उनकी संख्या में इजाफा हो रहा है। इस अवसर पर डीएफओ कतर्नियाघाट ने अपने संबोधन में कतर्नियाघाट फ्रेंड्स क्लब द्वारा कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग में वन एवं वन्य जीव संरक्षण के लिए किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि क्लब के अध्यक्ष लखमानी पर्यावरण और वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण के प्रति जागरूकता के निरंतर कार्य करते रहते हैं जो कि हम सब के लिए एक मिसाल है। इस अवसर पर डीएफओ वन निगम आरएल सिंह, वन क्षेत्राधिकारी निशानगाढ़ा ताराचंद यादव, सुजोली रामकुमार, मोतीपुर महेंद्र मौर्या, मुर्तिहा एके त्यागी, ककरहा राम कुमार समेत अनेकों वनकर्मी मौजूद रहे।

हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मासूम की मौत, परिजनों ने जमकर किया हंगामा

बहराइच, (यूएनएस)। जिले में मेडिकल कॉलेज के पास में बने प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट मासूम बच्चे की मौत हो गई। परिजनों ने प्राइवेट हॉस्पिटल के डॉक्टर पर उसके मासूम बच्चे को पैसे के अभाव में मार डालने का आरोप लगाया है। मासूम बच्चे की मौत के बाद परिजनों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। परिजनों ने अस्पताल के डॉक्टर व उनके स्टाफ पर गंभीर आरोप लगाए है। उनका कहना है कि मेरा बच्चा यहां एडमिट था, लेकिन लगातार डॉक्टर द्वारा पैसे की मांग की जाती रही है। आज कहा गया कि बच्चे का ब्लड कम है। उसको चढ़ाया जाना आवश्यक है। जबकि मेरे बच्चे का ब्लड 14 ग्राम से ज्यादा था। ऐसे में बच्चे की मौत पर सवाल खड़ा होना तो वाजिब है। दरगाह थाना प्रभारी मनोज सिंह का कहना है कि यह हॉस्पिटल हमेशा से विवादित रहा है। जिसकी शिकायत कई बार हो चुकी है। परिजनों की शिकायत पर हॉस्पिटल प्रबंधन के खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली गई है। जल्द कार्रवाई की जाएगी। लगातार ऐसे प्राइवेट हॉस्पिटल में बच्चों की मौत होती रहती है और जिला प्रशासन हाथ पर हाथ रखे सिर्फ कार्रवाई का आश्वासन देता है। इस प्राइवेट अस्पताल की दीवार से सटा मेडिकल कॉलेज है। जहां पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी व मुख्य चिकित्सा अधीक्षक बैठते हैं, लेकिन बार-बार शिकायत के बाद भी इनकी कान में जूं तक नहीं रेंगती है। मृतक मासूम के परिजन न्याय की गुहार लगा रहे हैं।

रात में घर के बाहर टहलने का विरोध करने पर बदमाशों ने अधिवक्ता को मारी गोली, हालत गंभीर

बहराइच, (यूएनएस)। शहर के दरगाह थाना के मोहल्ला बक्शीपुरा नई बस्ती निवासी अधिवक्ता को बुधवार की देर रात बदमाशों ने गोली मार दी। गंभीर हालत में जिला अस्पताल से उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया है।

दरगाह थाना क्षेत्र के मोहल्ला बक्शीपुरा नई बस्ती निवासी अशोक कुमार मिश्र कलेक्ट्रेट में अधिवक्ता हैं। बुधवार रात अधिवक्ता लघुशंका के लिए उठे। इसी दौरान घर के सामने कुछ लोग टहल रहे थे। अधिवक्ता ने रात में टहलने का विरोध किया। कारण पूछा, इस पर बदमाश नाराज हो गया। उसने अधिवक्ता पर असलहा से फायरिंग कर दी। जिससे अधिवक्ता मौके पर ही गिर गया। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग उठे। सभी ने घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां हालत गंभीर होने पर वकील को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। घटना की जानकारी होने पर सीओ सिटी जंग बहादुर यादव, थानाध्यक्ष मनोज कुमार, बार काउंसिल के महामंत्री पुष्पांजलि मिश्रा समेत अन्य पहुंचे। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

'यू0पी0 एडीशन एपीएसी थर्ड इंडिया डिजिटल एम्पावरमेंट मीट एंड अवार्ड्स' कार्यक्रम आयोजित

कार्यक्रम में सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री एवं मुख्य सचिव ने किया प्रतिभाग

न्यूज गाइड । संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री श्री अजीत पाल एवं मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र ने 'यू0पी0 एडीशन एपीएसी थर्ड इंडिया डिजिटल एम्पावरमेंट मीट एंड अवार्ड्स' कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। अपने संबोधन में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तथा सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री श्री अजीत पाल ने प्रदेश में तकनीकी को बढ़ावा देने के लिये सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार लखनऊ में 100 एकड़ में आईटी सिटी एसईजेड बना रही हैं, टियर 2 और टियर 3 शहरों में आईटी हब बना रहे हैं। इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश 1 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी की ओर तेजी से बढ़ रहा है। विकास इतनी तेजी से होना चाहिए कि प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बन जाए। सभी को अपने सामर्थ्य के अनुसार पूरी क्षमता से देश व प्रदेश की अर्थव्यवस्था की उन्नति के लिये योगदान करना चाहिये।

आईटी और प्रौद्योगिकी के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि आईटी के सहयोग से लगभग हर क्षेत्र में अद्भुत काम किया है। देश का लगभग 45 प्रतिशत मोबाइल उत्तर प्रदेश में बन रहा है। 2047 तक के विकास के लिए टीम इंडिया को मिलकर काम करना होगा। यूपी एक इनोवेटिव इन्वेस्टमेंट फंड बना रहा है, ताकि बच्चे व क्रिएटिव लोग आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी की अपेक्षा है कि उत्तर प्रदेश के लिये जो बेस्ट से बेस्ट हो वह होना चाहिये। उन्होंने बताया कि निवेश को आकर्षित करने के लिये कल ही कैबिनेट द्वारा नवीन इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी तथा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) व सूचना प्रौद्योगिकी जनित सेवा (आईटीईएस) पॉलिसी को मंजूरी प्रदान की गई है। प्रदेश नई डाटा सेण्टर पॉलिसी से आने वाले समय में देश की 25 प्रतिशत जरूरत को पूरा करेगी। डाटा सेण्टर बनने से हमारा कम्यूनिकेशन आसान हो जायेगा।

विशेष सचिव आई0टी0 और एमडी यूपीडेस्को श्री कुमार विनीत ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे एक राज्य के रूप में उत्तर प्रदेश राज्य में निर्माताओं को सहज बनाने के लिए सक्षम और सहायक की भूमिका निभा रहा है।

कार्यक्रम का आयोजन एपीएसी न्यूज नेटवर्क द्वारा यूपीडेस्को और यूपी के आईटी विभाग के साथ मेजबान भागीदारों के रूप में किया गया था। इस कार्यक्रम में राजस्थान, आंध्र प्रदेश, केरल, जम्मू-कश्मीर के नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों के साथ-साथ एसीईआर, सेलकॉन, लावा, एनईसी आदि आई0टी0 उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

सपा-भाजपा पार्षद आपस में भिड़े

सपा विधायक बोले-15 करोड़ गुजरात भेजे जा रहे, कांग्रेस पार्षद बोलीं, बीजेपी सरकार में भी काम नहीं हो रहा तो डूब मरो

लखनऊ, (यूएनएस)। मेयर संयुक्ता भाटिया के कार्यकाल का अंतिम सदन गुरुवार को शुरू हुआ। सदन की शुरुआत ही हंगामेदार रही। सपा-भाजपा पार्षद आपस में भिड़ गए। कांग्रेस पार्षद ने कहा,बीजेपी सरकार में अगर आपका काम नहीं हो रहा तो आप शर्म से डूब मरो। लखनऊ मध्य विधान सभा के विधायक रविदास मेहरोत्रा ने सरकार और नगर निगम को उनकी नीतियों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गुजरात की तीन कंपनियों को हर साल यहां से 15 करोड़ रुपए दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि काम केवल कागजों में हो रहा है। उनकी बात के दौरान ही बीजेपी पार्षद हंगामा करने लगे। देखते ही देखते दोनों तरफ से तेज आवाज में शुरू हो गई। स्थिति यह रही कि कुछ देर के लिए सदन की कार्रवाई को बंद करना पड़ा। सदन की कार्रवाई जब दोबारा शुरू हुई तो एक फिर बीजेपी पार्षद राम कृष्ण यादव ने मुद्दा उठा दिया कि विधायक ने आरोप लगाया है कि नगर निगम बॉन्ड का पैसा गुजरात की तीन कंपनियों को दिया जा रहा है। इसकी सत्यता सदन में बतानी पड़ेगी। अगर नगर निगम पर आरोप साबित नहीं होता है तो उनको मांफी मांगनी पड़ेगी। सपा पार्षद दल के नेता यावर हुसैर रेशू ने कहा कि जनता का पैसा बर्बाद किया गया है। जनता का पैसा बर्बाद कराना अगर सीखना है तो कोई बीजेपी से सीखे। उन्होंने कहा कि पूरी तरह से जनता का पैसा बर्बाद किया गया है। इस दौरान बीजेपी के पार्षद लगातार सदन में रविदास मेहरोत्रा को बुलाकर उनसे माफी मंगवाने की अपील करते रहे। करीब 15 मिनट तक एक दूसरे पर दोनों ही दल के लोग आरोप लगाते रहे। नगर निगम से पिछले दिनों 25 फीसदी सफाई कर्मचारियों को काम से निकाल दिया गया था। उनको दोबारा रखने को लेकर पहली बार सत्ता और विपक्ष दोनों ही दल के पार्षद सहमत दिखे। उन्होंने मेयर से मांग कि सभी कर्मचारियों को दोबारा रखा जाए। कर्मचारियों की कमी की वजह से फॉगिंग से लेकर सफाई और बाकी काम प्रभावित हो रहे है। बॉन्ड को लेकर मेयर संयुक्ता भाटिया ने सफाई दी कि इसको लेकर नगर निगम लखनऊ को गुरुवार को ही इनाम मिला है। तब सपा पार्षद राजकुमार सिंह राजा और यावर हुसैन रेशू ने कहा कि हर महीने 15 करोड़ का जब ब्याज जा रहा है। लाभ जो बाद में होगा लेकिन उससे पहले हम उतना ब्याज दे चुके होंगे। इसको लेकर भी सपा और बीजेपी के पार्षद आपस में भिड़ गए। कांग्रेस पार्षद ममता और दिलीप श्रीवास्तव में भी बहस हो गई। 25 फीसदी कर्मचारियों की दोबारा नियुक्ति पर ममता कहा सरकार बीजेपी की है। सब कुछ तुम्हारा फिर भी काम नहीं हो रहा तो शर्म से डूब मरो । इस दिलीप ने पटल के जवाब दिया और कहा कि आप सोनिया और राहुल जी से पूछो। ममता ने फिर कहा कि राहुल सरकार नहीं है। योगी से बोल कर करा लो। राहुल सरकार नहीं है।

खुशी द्विवेदी बनी मिस. नवयुग विज्ञान संकाय

लखनऊ, (यूएनएस)। नवयुग कन्या महाविद्यालय द्वारा बी0एससी0 प्रथम वर्ष के छात्राओं के लिए फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। यह स्वागत समारोह अंतिम वर्ष की छात्राओं द्वारा किया गया। समारोह का प्रारंभ प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय ने विज्ञान संकाय की प्रवक्ताओं के साथ दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा पूरे उत्साह और जोश के साथ कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनका आनंद सभी ने लिया। अंतिम वर्ष की छात्राओं ने नवागंतुक छात्राओं को प्रेरित करने के लिए कई शानदार कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अंतिम वर्ष की छात्राओं ने बचपन से कॉलेज तक के विद्यार्थी जीवन को दर्शाने वाले नाटक की प्रस्तुति दी और महाविद्यालय की गतिविधियों को बड़े ही मजेदार तरीके से प्रथम वर्ष की छात्राओं के साथ साझा किया। मिस नवयुग विज्ञान संकाय के चयन के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं कराई गई जिसमें प्रथम वर्ष की छात्राओं ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। छात्राओं के प्रदर्शन के आधार पर खुशी द्विवेदी को मिस नवयुग विज्ञान संकाय का खिताब दिया गया। कोमल शर्मा फर्स्ट रनरअप एवं श्रेयसी वाजपेयी सेकंड रनर अप रहीं। काजल शर्मा को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। विजेता का निर्णय विज्ञान संकाय की डॉ. निनी कक्कड़, डॉ. सरोज रानी एवं डॉ. जया पांडेय द्वारा किया गया।

मंडी सचिव के खिलाफ व्यापारियों ने खोला मोर्चा

समर्थन मूल्य पर धान खरीदने का दबाव, विरोध में खरीद की बंद

कन्नौज, (यूएनएस)। जिले के तिर्वा मंडी सचिव द्वारा व्यापारियों पर समर्थन मूल्य पर धान खरीदने का दबाव बनाया जा रहा है। जिसको लेकर कई दिनों से मंडी सचिव और व्यापारियों में खींचतान चली आ रही थी। बुधवार को गुस्साए व्यापारियों ने मंडी सचिव के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए धान की खरीद बंद कर दी, जिससे धान बेचने वाले किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।तिर्वा के गल्ला व्यापारी प्रदीप कुमार, विनोद कुमार, सतीश कुमार गुप्ता समेत कई व्यापारियों ने तिर्वा मंडी सचिव के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए धान खरीद बंद कर दी। जिस कारण मंडी में धान बेचने के लिए पहुंचे किसानों को समस्याओं का सामना करना पड़ा। व्यापारियों का आरोप है कि खेत में धान काटने के बाद किसान सीधे बेचने के लिए पहुंच रहा है। धान पूरी तरह से सूख भी नहीं पाया, ऐसे में व्यापारियों द्वारा अपने निर्धारित रेट पर धान की खरीद की जा रही है। लेकिन तिर्वा के मंडी सचिव द्वारा गल्ला व्यापारियों पर समर्थन मूल्य के आधार पर धान खरीद का दबाव बनाया जा रहा है। व्यापारियों का कहना है कि गीले धान को वह समर्थन मूल्य पर नहीं खरीद सकते। क्योंकि धान पूरी तरह से सूखने पर वजन घटेगा और उसका नुकसान व्यापारियों को झेलना पड़ेगा। लिहाजा वह लोग समर्थन मूल्य पर धान नहीं खरीद सकते। समर्थन मूल्य पर धान खरीदने के लिए सरकारी धान क्रय केन्द्र खुले हुए हैं, लेकिन वहां कर्मचारियों की मनमानी के कारण किसान धान बिक्री के लिए नहीं पहुंच रहे। ऐसे में टारगेट पूरा करने के लिए मंडी सचिव गलत तरीके से व्यापारियों पर दबाव बना रहे हैं। मामले को लेकर जब कन्नौज के मंडी सचिव अनिल कुमार यादव से बात करने का प्रयास किया गया तो उनका मोबाइल नम्बर स्विच आफ था। जिस कारण उनसे सम्पर्क नहीं हो सका। धान किसान सुनील कुमार ने बताया कि सरकारी क्रय केन्द्र पर धान बिक्री के लिए ले जाने पर किसानों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सरकारी केन्द्र पर धान खरीदने से पहले कर्मचारी तमाम कमियां निकालते हैं। बेवजह किसानों का समय खराब करते हैं। कभी धान में नमी बता कर तो कभी धान पतला बताकर कर्मचारी लौटा देते हैं, जिससे किसानों को ट्रैक्टर का भाड़ा बार-बार देना पड़ता है। इसके अलावा धान क्रय केन्द्र पर धान बेचने के बाद किसानों को नकद की बजाय बैंक अकाउंट में पैसा भेजा जाता है। यह पैसा अकाउंट में पहुंचते-पहुंचते 8 से 10 दिन लग जाते हैं, जबकि किसानों को तुरंत पैसे की जरूरत होती है। यही वजह है कि किसान समस्याओं से बचने और फसल बिक्री का नकद भुगतान प्राप्त करने के लिए गल्ला व्यापारियों को समर्थन मूल्य से भी कम दाम में धान बेचने में अपनी भलाई समझते हैं।

श्रीमद्भागवत कथा समापन पर भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

पुखरायां कानपुर देहात, (यूएनएस)। कस्बा के बजरंग रामलीला के प्रांगण में श्रीमद भगवत कथा के विराम होने पर आचार्य के द्वारा हवन पूजन के बाद भण्डारे का आयोजन किया गया। जहां पर भक्तों ने भण्डारे का प्रसाद ग्रहण किया। कस्बा के बजरंग रामलीला के प्रांगण में श्री मद भगवत कथा के विराम के बाद आचार्य पण्डित गिरजा शंकर पाण्डेय के मन्त्रो उच्चारण के द्वारा हवन पूजन के बाद भण्डारे का आयोजन किया गया।

कालाबाजारी करने वाले घोषित होंगे माफिया

इंस्पेक्टर और क्लर्क पर हमले के बाद विभाग आधा दर्जन पर करेगा कार्रवाई, बन रहा है रिकॉर्ड

अलीगढ़, (यूएनएस)। जिले में राशन की कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए विभाग ने सख्ती बरतने की तैयारी कर ली है। कालाबाजारी करने वाले आधा दर्जन लोगों को माफिया घोषित किया जाएगा। जिसके चलते विभाग ने इनकी कुंडली तैयार करनी शुरू कर दी है। बीते दिनों खाद्य अधिकारियों की टीम पर हुए हमे के बाद विभाग सख्त हुआ है और कालाबाजारी करने वालों की कुंडली तैयार कर रहा है। डीएसओ टीम पर हमला करने वाले आरोपी का नाम माफियाओं की सूची में सबसे ऊपर रखा जाएगा, आरोपी के खिलाफ पहले से मुकदमें भी हैं।

अलीगढ़ में चावल की कालाबाजारी के मामले सबसे ज्यादा हैं। अधिकारियों ने जनवरी 2022 से नवंबर 2022 तक विभिन्न कार्रवाई की औ इसके बाद 37 मुकदमें दर्ज कराए है। जिले के अलग-अलग थानों में यह मुकदमें दर्ज कराए गए हैं। कालाबाजारी के इन मुकदमों में 27 मुकदमें सिर्फ चावल के हैं। इससे स्पष्ट होता है कि माफियाओं की नजर राशन के चावल पर सबसे ज्यादा है। इन 11 महीनों में करीब पांच से छह आरोपी ऐसे है, जिनके पास से विभाग ने भारी संख्या में सरकारी चावल भी बरामद कर मुकदमा कराया है। बीते सालों में भी कालाबाजारी के कई मामले हुए हैं, जिसमें चावल की कालाबाजारी सामने आई है। लगातार कार्रवाई के बाद भी जब यह मामले नहीं रुके तो अब विभाग सख्त कदम उठाते हुए इन्हें माफिया घोषित करने की तैयारी कर रहा है। जिससे इन पर अंकुश लगाया जा सके। विभाग के अनुसार राशन माफिया उपभोक्ता और राशन डीलरों से चावल खरीदते हैं। इसके लिए वह उन्हें 10-12 रुपए प्रति किलो के हिसाब से भुगतान करते हैं। जब उपभोक्ता राशन की दुकान से चावल खरीदकर ले जाते हैं, तो इसके बाद माफियाओं के लोग फेरी वाले बनकर गांवों में जाते हैं और यह चावल खरीद लेते हैं। वहीं राशन डीलरों से भी इनके संपर्क हैं। कई कोटेदार भी ऐसे हैं, जो इन्हें बल्क में चावल उपलब्ध कराते हैं। विभाग इनकी भी जानकारी जुटाने में लगा हुआ है। डीएसओ टीम को जान से मारने का प्रयास करने के आरोपी वीरेंद्र सिंह पर खैर थाने में पहले से ईसी एक्ट का मुकदमा दर्ज है। यहां पर सप्लाई इंस्पेक्टर वीरी सिंह ने कुंवरपुर बझेड़ा में एक गोदाम से 2800 किलोग्राम सरकारी चावल बरामद किया था। इस मामले में सप्लाई इंस्पेक्टर ने मजूपुरा थाना गोंडा निवासी वीरेंद्र, नई बस्ती खैर निवासी विष्णु कुमार और कुंवर बझेड़ा निवासी सुरेश के खिलाफ 3\7 आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत कराया था।

पीड़ित एवं शोषितों की आवाज बनकर उठाएंगे समस्याः राजेंद्र दुबे

लखनऊ, (यूएनएस)। नेशनल चेयरमैन गोपाल राय ने राजेंद्र दुबे को केन्द्रीय लोक शिकायत एवं जॉच संस्थान का नेशनल ज्वाइंट सेक्रेट्री बनाया गया है। उन्होंने कहा कि अति पिछड़े जिले में ब्लाक से लेकर जिला स्तर एवं मण्डल में अच्छे पदाधिकारियों का चयन कर पीड़ितों को न्याय दिलाने का कार्य करेंगे। वहीं नवनियुक्त नेशनल ज्वाइंट सेक्रेट्री ने कहा की शोषित एवं पीड़ितो की आवाज बनकर प्रदेश के सभी 75 जिलों एवं 18 मण्डलों में जाकर सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों से वार्ता करके उनकी हर सम्भव निदान करायेंगे। केन्द्रीय लोक शिकायत एवं जांच संस्थान भ्रष्ट अधिकारियों की जांच कर उनके खिलाफ कार्रवाई कराया जाएगा। इस मौके पर नेशनल चेयरमैन गोपाल राय, डिप्टी चेयरमैन सुरेश चंद्र दुबे, हरीश चंद्र दुबे मौजूद रहें।

कांग्रेस नेता अनूप वर्मा ने जनता दाल यूनाइटेड की सदस्यता ली

लखनऊ, (यूएनएस)। जनता दाल यूनाइटेड के लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय में कांग्रेस नेता डॉ. अनूप वर्मा ने पार्टी की सदस्यता ली। डॉ. अनुप वर्मा रामजी लाल वार्ड आलमबाग से सभासद रह चुके है। इनके पिता रामस्वरूप वर्मा भी तीन बार सभासद रह चुके है। इनकी धर्मपत्नी भी सभासद रही है। वहीं अनूप वर्मा ने पार्टी एवं नीतीश कुमार के नीतियों सिद्धांतों के प्रति आस्था जताई। प्रदेश प्रवक्ता कुंवर अजय सिंह ने अनूप वर्मा को सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर पार्टी के डॉ. जितेन्द्र सिंह, एच सिंह, सुभाष पाठक सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

बीज विक्रेताओं ने किया प्रदर्शन, आलू किसानों पर अभद्रता का आरोप

कन्नौज, (यूएनएस)। जिले में किसानों की आलू की फसल बीज शोधन के कारण बर्बाद हो गई। इस मामले में नकली दवा बेचने वाले दुकानदारों के लाइसेंस निरस्त कर कृषि विभाग ने जांच टीम का गठन कर दिया। इसके बावजूद कुछ आलू किसानों ने उन बीज विक्रेताओं के साथ अभद्रता की जा रही है, जिन्होंने नकली दवाई की बिक्री भी नहीं की। ऐसे में परेशान होकर बीज विक्रेताओं ने कलक्ट्रेट पहुंच कर प्रदर्शन किया। किसानों को गुस्से से बचाने की गुहार लगाई।बीज और दवा विक्रेताओं ने उत्तर प्रदेश एग्रो इनपुट डीलर्स एसोसिएशन के बैनर तले एकजुट होकर कलक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। संगठन के जिलाध्यक्ष अंकुर वर्मा का आरोप है कि कुछ दुकानदारों ने बीज शोधन की नकली दवा का बिक्री की थी, जिस कारण सैकड़ों किसानों की आलू की फसल बर्बाद हो गई। फसल बर्बाद होने की जानकारी मिलने पर कृषि अधिकारी ने उन दुकानों के लाइसेंस भी निरस्त कर दिए, जहां से किसानों ने बीज शोधन के लिए दवाई खरीदी थीं। इसके अलावा हकीकत का पता लगाने के लिए विभाग ने जांच कमेटी भी गठित की। जिसकी रिपोर्ट आना बाकी है। जिन किसानों की आलू की फसल बर्बाद हुई है, उनकी मदद के लिए सभी बीज और दवा विक्रेता तैयार हैं। इसके बावजूद कुछ किसान उन बीज और दवा विक्रेताओं से अभद्रता और मारपीट कर रहे हैं, जिनके पास न तो किसानों ने दवाई खरीदी थी और न ही उन्होंने नकली दवाई बिक्री की। आए दिन बीज विक्रेताओं के साथ मारपीट, गाली-गलौज और अभद्रता के मामले सामने आ रहे हैं। जिससे बीज विक्रेता परेशान हैं। उत्तर प्रदेश एग्रो इनपुट डीलर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अंकुर वर्मा ने डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि यदि बीज विक्रेताओं की समस्या का समाधान जिला स्तर पर नहीं किया गया तो वह लोग लखनऊ में प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने कहा कि जिन किसानों की फसलें बर्बाद हुई हैं, वह लोग उनके साथ हैं और कृषि विभाग की ओर से जारी जांच में पूरा सहयोग करने को तैयार हैं। किसानों को धैर्य रखने की जरूरत है।

बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या,मन्दिर के पास कूड़ा डालने से रोकने पर हुआ झगड़ा

कन्नौज, (यूएनएस)। जिले में बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। बुजुर्ग ने आरोपियों को मंदिर के पास कूड़ा फेंकने से मना किया था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर मृतक के बेटे की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही 4 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। घटना गुरसहायगंज कोतवाली की जसोदा चौकी क्षेत्र के पाहला गांव की है। यहां के रहने वाले 60 वर्षीय ओमप्रकाश के घर के बाहर मंदिर है। मंदिर की साफ-सफाई और देखरेख नरेन्द्र और उनका परिवार करता है, लेकिन मंदिर के निकट ही गांव के रहने वाले नरेन्द्र, शैलेन्द्र, कौशलेन्द्र और ज्ञानेन्द्र के परिजन कूड़ा-कचरा फेंक देते हैं। इससे नाराज होकर ओमप्रकाश ने उन्हें कूडा फेंकने से मना किया तो वह लोग आक्रोशित हो गए। मंगलवार देर शाम तक ओमप्रकाश की छोटी बहू घर से निकलकर मंदिर की ओर जा रही थी तभी पड़ोस के रहने वाले युवकों ने उसके साथ गाली-गलौज और अभद्रता कर दी। शोर-शराब सुनकर ओमप्रकाश बाहर निकल आए। उन्होंने युवकों को गाली देने से रोका तो वह लोग लाठी-डंडा लेकर ओम प्रकाश पर टूट पडे। चारों युवकों ने उनकी जमकर पिटाई कर दी, जिससे वह मरणासन्न होकर जमीन पर गिर पड़े। इस बीच हमला करने वाले युवक भाग निकले। परिजन उन्हें आनन-फानन में फर्रूखाबाद जिले के एक निजी अस्पताल में ले गए, जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने ओमप्रकाश को आगरा के लिए रेफर कर दिया। परिजन उन्हें आगरा ले जाने के लिए निकले, लेकिन तबतक उन्होंने दम तोड़ दिया।ओम प्रकाश की मौत होने पर उनके बेटे विनय ने जसोदा चौकी प्रभारी राम मनोज द्विवेदी को 4 लोगों के खिलाफ तहरीर दी। विनय ने गांव के ही रहने वाले नरेन्द्र, शैलेन्द्र, कौशलेन्द्र और ज्ञानेन्द्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ओमप्रकाश के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

लुटेरी दुल्हन जेवरात-नकदी लेकर फरार

कन्नौज, (यूएनएस)। लुटेरी दुल्हन परिवार को बेहोश कर नकदी-जेवरात लेकर फरार हो गई। एक दिन पहले ही मंदिर में शादी हुई थी। युवक के परिजनों ने यह रिश्ता 80 हजार रुपए देकर तय किया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना जिले के छिबरामऊ के असालतनगर गांव की है। मंगलवार की रात दुल्हन परिवार को बेहोश कर फरार हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई। शादी के लिए तहसील में स्टांप पर लिखा पढ़ी भी कराई गई थी। कोतवाली क्षेत्र के असालतनगर निवासी रिंकू पुत्र रामचंद्र हलवाई है। 4 भाइयों में वह दूसरे नंबर का है। बड़े भाई की शादी हो चुकी है। रिंकू (25) की शादी के लिए परिजन काफी समय से परेशान थे। रिंकू की मां रामदुलारी ने बताया कि बैजूरामपुर निवासी सुरजीत से उनकी बातचीत हुई। उसने बेटे की शादी कराने का भरोसा दिलाया। रिंकू शादी के नाम पर पहले 15 हजार रुपए ले गया। बाद में पांच हजार रुपए और लिए। आजमगढ़ जनपद के पलिया गांव की पूजा नाम की लड़की से उसकी शादी की बात 60 हजार रुपए में पक्की कर दी। सोमवार को सुरजीत लड़की पूजा और उसके अन्य परिजनों के साथ उनके घर पहुंचे। पूरी बात तय हो जाने के बाद 60 हजार रुपए दुल्हन पक्ष के परिजनों को दिए गए। इसके बाद वह लोग कालिका देवी मंदिर पहुंचे। वहां पूजा-अर्चना के बाद रिंकू ने दुल्हन पूजा की मांग भरी। यहां स्थित गमादेवी मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चारण हुआ। खाना खाने के बाद सभी लोग सोने चले गए।

इलाज के दौरान युवक की मौत, परिजनों ने अस्पताल पर लगाए गंभीर आरोप

पनकी कानपुर, (यूएनएस)। घाटमपुर थाना क्षेत्र के रयाबपुर से यश कुमार युवक जिसकी उम्र 27 वर्ष पिता का नाम सुघर लाल जोकि इलाज के लिए कानपुर पनकी मंदिर रोड शांति मेडिकल केयर सेंटर में भर्ती कराया था।जहां पर भर्ती के दौरान ब्लड चढ़ाने के बाद यस कुमार की मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल स्टाफ पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी। पनकी पुलिस पहुंचकर जांच पड़ताल में जुटी।डॉक्टर का कहना है की मरीज कैंसर का पीड़ित था। वहीं पर मरीज की बड़ी बहन अनीता का कहना है की मरीज को हम जब लाए थे तो वह पैदल चलकर इनके अस्पताल में भर्ती कराया था। वहीं पर यस कुमार के पिता जी का कहना है कि लड़के को रोग होने के बावजूद भी वह बोल बता रहा था। इसी दौरान कमजोरी के चलते ब्लड चढ़ाने की बात डॉक्टर ने की थी और जैसे इंजेक्शन मरीज को लगाया उसी उपरांत कुछ देर बाद मरीज की मौत हो गई। मौत के बाद परिजन अस्पताल परिसर में अपनी बात को कह रहे थे लेकिन उनकी बात को सुनने वाला कोई नहीं था। सूचना पर पंहुची पनकी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रोफेसर सुहैल अहमद आजमी के निधन पर एएमयू में शोक

अलीगढ़, (यूएनएस)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के मनोचिकित्सा विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर सुहैल अहमद आजमी का गुरुवार को नई दिल्ली के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मल्टीपल ऑर्गन फेल होने के बाद निधन हो गया। वह 64 वर्ष के थे। एएमयू के कुलपति, प्रोफेसर तारिक मंसूर ने कहा कि 'प्रोफेसर सुहैल आजमी के निधन के समाचार से उन्हें गहरा आघात पहुंचा है। वह सबसे पहले एक महान मनोचिकित्सक और एक अद्भुत शिक्षक थे, जो अपने छात्रों की क्षमताओं में बहुत विश्वास करते थे और हर तरह से उनकी मदद करते थे। हर शख्स जो उन्हें जानता था, उनकी विनम्रता और दयालुता से प्रभावित था। उन्होंने प्रोफेसर सुहैल आजमी के शोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की। डीन, फैकल्टी ऑफ मेडिसिन, प्रोफेसर एम यू रब्बानी ने कहा कि प्रोफेसर सुहैल आजमी न केवल अपने छात्रों के लिए, बल्कि अपने सहयोगियों के लिए भी एक महान संरक्षक और रोल मॉडल थे। मैं जेएनएमसी के अपने जीवन में उनके सौम्य और सरल व्यक्तित्व को हमेशा याद रखूंगा। उन्हें जेएन मेडिकल कालिज के इतिहास में बहुत याद किया जाएगा। जेएनएमसी के प्रधानाचार्य, प्रोफेसर राकेश भार्गव ने कहा कि प्रोफेसर सुहैल आजमी का प्रभाव, एक शिक्षक और एक मनोचिकित्सक के रूप में आने वाले कई वर्षों तक महसूस किया जाएगा। प्रोफेसर सुहैल आजमी 1992 में एक व्याख्याता के रूप में मनोचिकित्सा विभाग में शामिल हुए और बाद में 2001 और 2009 में रीडर और प्रोफेसर के पदों पर पदोन्नत हुए। उन्होंने तायफ मानसिक स्वास्थ्य अस्पताल, सऊदी अरब में मनोचिकित्सक के रूप में भी काम किया। प्रोफेसर सुहैल आजमी 2015 से 2018 तक एएमयू अकादमिक परिषद और 2018 में यूनिवर्सिटी कोर्ट के सदस्य रहे। उन्होंने 2015 में इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी (सेंट्रल जोन) का तारा नायडू पुरस्कार प्राप्त किया और सहकर्मी समीक्षा पत्रिकाओं के लिए कई पत्र लिखने में जीवन बिताया। प्रोफेसर सुहैल आजमी के परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटे और दो बेटियां हैं।

एएमयू फैकल्टी मेंबर द्वारा सर्टिफिकेट कोर्स

अलीगढ़, (यूएनएस)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के मनोचिकित्सा विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद रियाजुद्दीन ने वर्ल्ड साइकियाट्रिक एसोसिएशन द्वारा भारतीय मनोरोग सोसाइटी के सहयोग से आयोजित 'अनिद्रा और इसके प्रबंधन' पर सर्टिफिक्रेट कोर्स सफलतापूर्वक पूर्ण किया है। उन्होंने एक केस प्रेजेंटेशन दिया तथा एक प्रोजेक्ट जमा किया और कोर्स पास करने के लिए आवश्यक 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने के लिए एक योगात्मक मूल्यांकन प्रस्तुत किया। डॉ मोहम्मद रियाजुद्दीन ने कहा कि यह कोर्स चिकित्सकों को विभिन्न उपकरणों के उपयोग के साथ मूल्यांकन में अधिक योग्यता हासिल करने में मदद करता है और सीबीटी-आई मॉड्यूल जैसे उपचार के गैर-फार्माकोलॉजिकल तरीकों में निपुणता बढ़ाता है।

एएमयू शिक्षक को प्रतिष्ठित क्लैरिवेट एनालिटिक्स (वेब ऑफसाइंस) से मान्यता

अलीगढ़, (यूएनएस)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर नफीस अहमद खान को प्लांट साइंस के क्षेत्र में प्रतिष्ठित क्लैरिवेट एनालिटिक्स (वेब ऑफ साइंस) द्वारा अत्यधिक उद्धृत शोधकर्ताओं की 2022 सूची में शामिल कर मान्यता प्रदान की गई है। उन्हें 2019 से 2022 तक लगातार चौथी बार क्लेरिवेट द्वारा अत्यधिक उद्धृत शोधकर्ता के रूप में मान्यता दी गई है। हर साल क्लेरिवेट दुनिया के उन प्रभावशाली शोधकर्ताओं को मान्यता प्रदान करता है जिन्हें पिछले एक दशक में उनके साथियों द्वारा सबसे अधिक बार उद्धृत किया गया है। 2022 में दुनिया के 7000 से कम या लगभग 0.1 प्रतिशत शोधकर्ताओं को यह मान्यता प्राप्त हुई है। क्लैरिवेट की अत्यधिक उद्धृत शोधकर्ताओं की सूची विशेष क्षेत्रों में शीर्ष पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर रैंकिंग और वेब ऑफ साइंस में प्रकाशन के वर्ष द्वारा प्रदर्शित अग्रदूतों के आधार पर तैयार की जाती है। वैश्विक अनुसंधान समुदाय का यह शीर्ष 1 प्रतिशत अपने संबंधित विषय में प्रेरक का काम करते हैं। प्रोफेसर खान ने अजैविक तनाव सहिष्णुता तंत्र के क्षेत्र में अत्यधिक योगदान दिया है।

एएमयू में जनजातीय गौरव दिवस पर आयोजन जारी

अलीगढ़, (यूएनएस)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में देश के महान आदिवासी प्रतीक और स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर 'जनजाति गौरव दिवस' पर कार्यक्रमों का आयोजन जारी रहा। इस अवसर पर कई विभागों ने व्याख्यान और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। इस्लामिक अध्ययन विभाग में एक ृति बैठक को संबोधित करते हुए प्रोफेसर अब्दुल मजीद खान ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और योगदान पर प्रकाश डाला और लोगों से भारतीय संस्कृति की विविधता को संजोने का आग्रह किया जिसमें आदिवासी जीवन भी एक शक्तिशाली तत्व है। विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर मोहम्मद इस्माइल ने भगवान बिरसा मुंडा को भारत के आदिवासी समुदायों में ज्ञान का प्रकाश लाने के अग्रणी के रूप में याद किया जिन्होंने आदिवासी क्षेत्रों में ब्रिटिश शक्तियों की साम्राज्यवादी आकांक्षाओं के लिए एक प्रतिरोध पैदा किया। डॉ जियाउद्दीन फलाही ने धन्यवाद ज्ञापित किया। एएमयू मल्लापुरम केंद्र, केरल के साहित्य और सांस्कृतिक क्लब और शिक्षा विभाग के सामाजिक विज्ञान क्लब ने व्याख्यान और वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। 'भगवान बिरसा मुंडा का जीवन और कार्य' पर एक व्याख्यान देते हुए, डॉ. लुबना इरफान (कानून विभाग) ने सबअलटर्न इतिहासलेखन के बारे में बात की, जिसमें राष्ट्रीय आंदोलन के कम प्रसिद्ध नेताओं के महत्व को उद्धृत किया जा रहा है।'स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों के योगदान की भारतीय इतिहास की मान्यता' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता में निहाल मोहम्मद ने प्रथम, अब्दुल कैश ने द्वितीय और शमीम अख्तर ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। मोहम्मद याशिक पी. और डॉ. इमरान अहमद ने प्रतियोगिता को जज किया। शिक्षा विभाग के सोशल साइंस क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बीएड छात्र, अब्दुर रहमान ने बिरसा मुंडा के जीवन और योगदान पर बात की, जबकि इब्तिसाम मुनीरा अल्मास ने भारत में एससी,एसटी की समकालीन स्थिति पर भाषण दिया। बिरसा मुंडा के अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष को दर्शाने वाली एक लघु नाटिका का भी मंचन किया गया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में ऋषभ, मन्हास और जयश्री के ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार जीते। जसिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इससे पूर्व, अपने उद्घाटन भाषण में केंद्र के निदेशक डॉ. फैसल के.पी. ने व्यापक स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन को मजबूत करने में आदिवासी लोगों की भूमिका को पहचानने के महत्व के बारे में बात की।

बरसीम व लाहा फसल की नीलामी

अलीगढ़, (यूएनएस)। बरसीम व लाहा की फसल की नीलामी दिनांक 26 नवम्बर को प्रातः 11 बजे अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कार्यालय लैण्ड एण्ड गार्डन्स विभाग परिसर में होगा। इच्छुक व्यक्ति समय पर आकर बोली बोल सकते हैं। लैंड एण्ड गार्डन विभाग के प्रभारी प्रोफेसर जकी अनवर सिद्दीकी ने कहा है कि इच्छुक व्यक्ति फसल को नीलामी से पूर्व भली भांति देख लें बाद में किसी भी प्रकार का भ्रम मान्य नहीं होगा। प्रत्येक व्यक्त को बाली बोलने से पूर्व 20 हजार रूपये और बरसीम के अलग-अलग बतौर जमानत धनराशि 1 घंटे पहले जमा करनी होगी। जिस व्यक्ति के नाम बोली छूटेग उसकी जमानत राशि रोक ली जायेगी। बरसीम की फसल की नीलामी मंजूर होने के बाद ठेकेदार को बोली का 30 प्रतिशत तुरन्त जमा करना होगा एवं बाकी 70 प्रतिशत 31 जनवरी 2023 तक हर हालत में जमा करना होगा व लाहा की फसल की नीलामी मंजूर होने के बाद ठेकेदार को बोली का 30 प्रतिशत तुरन्त जमा करना होगा और बाकी 70 प्रतिशत फसल कटने से पहले तक हर हालत में जमा करना होगा। उन्होंने कहा कि जिन व्यक्तियों के नाम बोली नहीं छूटेगी उनकी जमानत राशि नीलाम कमेटी के आदेशानुसार वापस कर दी जायेगी। नीलाम की गई फसल ठेकेदार को तुरन्त अपने अधिकार में लेनी होगी। नीलामी के बाद हुये नुकसान का ठेकेदार स्वयं जिम्मेदार होगा। विश्वविद्यालय की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रो. सिद्दीकी ने कहा है कि किसी भी तरह का विवाद अलीगढ़ न्यायालय क्षेत्र तक सीमित होगा। अधिकारी जानकारी के लिये कार्यालय लैण्ड एण्ड गार्डन से सम्पर्क स्थपित कर सकते हैं।

मैनपुरी उपचुनाव: मान गये शिवपाल, देंगे बहू का साथ !

अखिलेश और डिंपल ने की भेंट, अटकलो पर लगा विराम

न्यूज गाइड। संवाददाता

लखनऊ। मैनपुरी उपचुनाव में शिवपाल यादव समाजवादी पार्टी के लिए ज्यादा महत्वपूर्ण हो गए है। आखिर भतीजे और बहू की रिक्वेस्ट स्वीकार कर ली। भतीजे की बात छोड़िये, बहू के प्रति स्नेह कम नहीं है। उत्तर प्रदेश की मैनपुरी लोकसभा सीट के लिए समाजवादी पार्टी लगातार शिवपाल सिंह यादव को मनाने की कोशिश हुई और अंततः खुद अखिलेश यादव जा पहुँचे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक तस्वीर ट्वीट कर तमाम कयासों पर विराम लगा दिया है। अखिलेश यादव द्वारा ट्वीट की गई तस्वीर में मैनपुरी उपचुनाव में सपा प्रत्याशी डिंपल यादव, चाचा शिवपाल सिंह यादव और उनके बेटे आदित्य यादव बैठे हैं। तस्वीर ट्वीट कर अखिलेश ने लिखा, नेता और घर के बुजुर्गों के साथ-साथ मैनपुरी की जनता का आशीर्वाद भी आपके साथ है!सपा मुखिया के इस ट्वीट के बाद कहा जा रहा है कि शिवपाल सिंह यादव को मनाने की कवायद पूरी हो चुकी है और वह साफ तौर पर चुनाव में डिंपल का साथ देंगे। अखिलेश गुरुवार को लखनऊ से सीधे सैफई आए और यहां शिवपाल सिंह यादव से मुलाकात की। अखिलेश के साथ डिंपल भी मौजूद थीं। करीब एक घंटे नेताओं के बीच बैठक हुई। समाजवादी पार्टी ने शिवपाल यादव को उपचुनाव के लिए अपना स्टार प्रचारक बनाया है। जिस शिवपाल को सपा मुखिया अखिलेश यादव 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद अपनी पार्टी का मानने को तैयार नहीं थे, वो पार्टी के स्टार प्रचारक की लिस्ट में हैं।

छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय दर्शन दिवस के अवसर पर पुस्तकालय का भ्रमण किया

लखनऊ, (यूएनएस)। अंतर्राष्ट्रीय दर्शन दिवस के अवसर पर आज नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर लखनऊ के दर्शनशास्त्र विभाग की 45 छात्रों ने विभागाध्यक्ष मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी तथा तूलिका गुप्ता के साथ विपुल खंड, गोमती नगर में स्थित भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के शैक्षणिक केंद्र में स्थित पुस्तकालय का भ्रमण किया, जहां पर एशिया में दर्शन की सर्वोत्तम पुस्तकों का संकलन उपलब्ध है, यहां लगभग 40000 किताबें तथा लगभग 5000 शोध पत्रिकाएं उपलब्ध है, छात्राओं ने पुस्तकों और शोध पत्रिकाओं के अध्ययन से लाभ प्राप्त किया तथा दर्शन के क्षेत्र में विभिन्न विषयों पर हो रहे शोधों की जानकारी प्राप्त की, शैक्षणिक केंद्र के प्रभारी हमेंद्र भरद्वाज एवं डॉ जय शंकर सिंह ने छात्राओं का सहयोग किया, वर्ष 2002 से यूनेस्को ने विश्व दर्शन दिवस मनाने की परंपरा प्रारंभ की। वर्ष 2005 में यूनेस्को सम्मेलन में यह निश्चय हुआ कि प्रत्येक वर्ष विश्व दर्शन दिवस नवंबर महीने के तीसरे गुरूवार को मनाया जायेगा। विश्व दर्शन दिवस उन दार्शनिकों के सम्मान में मनाया जाता है जिन्होंने सम्पूर्ण विश्व को स्वतंत्र विचारों के लिए स्थान उपलब्ध कराया। इस दिवस का उद्देश्य दार्शनिक विरासत को साझा करने के लिए विश्व के सभी लोगों को प्रोत्साहित करना तथा बुद्धिजीवियों एवं सभ्य समाज को सामाजिक चुनौतियों से लड़ने के लिए विचार विमर्श को प्रेरित करना है। छात्राओं ने गोमती नगर में स्थित एसिड अटैक सरवाइवर्स के द्वारा चलाए जा रहे सिरोज रेस्टोरेंट में भी जाकर उनसे मुलाकात की तथा यह जाना कि विपरीत परिस्थितियों तथा कई परेशानियों के बाद भी दृढ़ संकल्प के द्वारा निरंतर आगे बढ़ने का प्रयास का नाम ही जीवन है। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें जीवन की व्यवहारिक शिक्षा पर ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया।

केजीके में नकल रोकने पर छात्रों ने प्रोफेसर को पीटा

मुरादाबाद, (यूएनएस)। जिले के केजीके पीजी कॉलेज में स्ल्ठ का एग्जाम देने पहुंचे दो भाइयों ने नकल से रोकने पर प्रोफेसर पर हमला कर दिया। प्रोफेसर ने जब नकल की पर्चियां मिलने पर दोनों की उत्तर पुस्तिकाएं लीं तो वे प्रोफेसर से छीनाझपटी करने लगे। इस दौरान दोनों ने प्रोफेसर डॉ. राजकुमार सोनकर से हाथापाई की। बीच-बचाव में आए दूसरे प्रोफेसर के साथ भी दोनों ने धक्का मुक्की और मारपीट की। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुनील चौधरी की सूचना पर मझोला पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। प्रिंसिपल का कहना है कि पुलिस के आने की भनक लगी तो हमला करने वाले स्ल्ठ द्वितीय सेमेस्टर के छात्र सैय्यद मोहम्मद शाह और उसके भाई सैय्यद अशरफ शाह ने अपने सिर दीवार में देकर मारना शुरू कर दिए। जिससे सैय्यद मोहम्मद शाह के सिर से खून बहने लगा। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों छात्रों को हिरासत में लेकर अस्पताल पहुंची। जहां उनका पुलिस कस्टडी में इलाज चल रहा है। घटना के बाद शिकायत लेकर मझोला थाने पहुंचे केजीके पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुनील चौधरी ने बताया कि हमला करने वाले छात्र मूंढापांडे के दयानंद सरस्वती लॉ कॉलेज के छात्र हैं। जिनका परीक्षा केंद्र केजीके कालेज में पड़ा है। इनमें से ज्यादातर की उम्र 55 से 58 साल है। इन छात्रों ने पूरी तरह अराजकता मचा रखी है। परीक्षा के दौरान ये किसी नियम-कायदे को मानने को तैयार नहीं हैं। बुधवार को ये घटना शाम को 2 बजे से 5 बजे वाली पाली में हुई। इस शिफ्ट में एलएलबी द्वितीय सेमेस्टर के थर्ड पेपर की परीक्षा थी। कॉलेज में परीक्षा दे रहे कुछ अन्य छात्रों ने भी बताया कि आरोपी सैय्यद मोहम्मद शाह पुत्र सैय्यद हनीफ निवासी बबरिया झब्बू रामपुर और उसके भाई अशरफ शाह ने दो-तीन दिन पहले भी कॉलेज में हंगामा किया था। प्रिंसिपल डॉ. सुनील चौधरी ने बताया कि उन्होंने घटना की बाबत मझोला थाना प्रभारी को तहरीर दी है। उन्होंने कहा कि जिस तरह दयानंद सरस्वती लॉ कॉलेज के छात्रों ने परीक्षा में अराजकता फैला रखी है। उससे माहौल खराब हो रहा है। प्रिंसिपल ने कहा कि पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। जिससे आगे से किसी की इस तरह की हिम्मत न हो। जिस दौरान ये सबकुछ हुआ तब कॉलेज में परीक्षा चल रही थी। शोर और हंगामे से परीक्षा दे रहे छात्र डिस्टर्ब हुए। लेकिन किसी तरह कॉलेज प्रशासन ने परीक्षा को जारी रखा। परीक्षा खत्म होने के बाद ही प्रिंसिपल और दूसरा स्टाफ तहरीर लेकर मझोला थाने पहुंचा।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में की जांच

पुखरायां कानपुर देहात, (यूएनएस)। मलासा ब्लाक के कुंवरपुर गांव में देवीपुर सीएचसी से स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुची।जहां पर 17 मरीज देखे गए और 9 मरीजो की जांच के बाद स्लाइड बनायी गयी।मरीजो को उपचार के बाद दवा का वितरण किया गया।मलासा ब्लाक के देवीपुर सीएचसी के अधीक्षक डॉ विकास ने बताया कि कुंवरपुर गांव में स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुची।जहां पर डॉ अर्पणा और फार्मेसिस्ट जितेंद्र कुमार के द्वारा 17 मरीजो का उपचार के बाद दवा का वितरण किया गया। वही पर माया, महादेवी, राजरानी, अंजु, प्रीती देवी, सुरेश, भूरेलाल, मिताली आदि मरीजो की जांच के बाद स्लाइड बनायी गयी।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण

कन्नौज, (यूएनएस)। जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखाई देता है उसी के चलते ज्वाइंट मजिस्ट्रेट द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विनोद दीक्षित चिकित्सालय कन्नौज का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को परखने की दिशा में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट पवन कुमार मीणा आईएएस द्वारा जनपद मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विनोद दीक्षित का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने डॉ मनोज कुमार के साथ विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थिति महिला अस्पताल का भी निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान उन्होंने डॉ ज्योत्सना शुक्ला को स्वास्थ सेवाओं को लेकर दिशा निर्देश भी दिए।महिला अस्पताल में स्थित मरीजों का हालचाल लिया अस्पताल में चल रहे निर्माण कार्य की गुणवत्ता को परखते हुए उसमें सुधार करने के लिए डॉ मनोज कुमार को दिशा निर्देश देते दिखाई दिए।

वकील पर आयी आँच तो चौकी से राष्ट्रपति भवन तक होगा संघर्ष: सुरेश पांडे

लखनऊ, (यूएनएस)। अगर वकीलों के हितों और अधिकारों की रक्षा की बात आएगी तो उनके सम्मान के लिए पुलिस चौकी से लेकर राष्ट्रपति भवन तक संघर्ष किया जाएगा क्योंकि आज मैं जिस स्थान पर पहुंचा हूं सभी अधिवक्ता बंधुओं के सहयोग से पंहुचा वकील भाइयों को शासन-प्रशासन प्रताड़ित करने का प्रयास करेगा तो बिना भेदभाव उसके खिलाफ हर मोर्चे पर संघर्ष किया जाएगा यह विचार लखनऊ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश पांडे ने युवा अल्पसंख्यक अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष सलमान एडवोकेट द्वारा तालकटोरा में उनके सम्मान में आयोजित एक सभा में व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता मोहम्मद असलम एडवोकेट ने की कार्यक्रम का संचालन नागरिक अधिकार परिषद के अध्यक्ष रफी अहमद ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में पूर्व राज्य मंत्री मोहम्मद यामीन खान एडवोकेट, विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता अनीस राजा, प्रखर मिश्रा एडवोकेट, मौलाना सुफ्यिान निजामी, नागरिक अधिकार परिषद के अध्यक्ष रफी अहमद एडवोकेट, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सैयद फैजी, लखनऊ बार एसोसिएशन के पूर्व कार्यकारिणी सदस्य एतमाद हसन इदरीसी एडवोकेट, मोहम्मद शहाब एडवोकेट, वरिष्ठ अधिवक्ता जय नारायण एडवोकेट, मोहम्मद शैज़ी एडवोकेट, अजय यादव एडवोकेट सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित थे। सभा को संबोधित करते हुए पूर्व राज्य मंत्री मोहम्मद यामीन खान एडवोकेट ने कहा कि प्रशासन द्वारा लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है और लोगों पर फर्जी मुकदमे कायम किए जा रहे हैं यह सब सत्ता प्रशासन का एक बड़ा अत्याचार है जिसके खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करना बहुत जरूरी है। वरिष्ठ समाजवादी नेता अनीस राजा एडवोकेट ने कहा कि वक़ीलों को झूठे मुकदमों में फंसा कर जेल भेजा जा रहा है जो लोकतंत्र के प्रहरी हैं इसे रोकने के लिए वकीलों में एकजुटता जरूरी है। सभा को संबोधित करते हुए मौलाना सुफ्यिान निजामी ने कहा कि राजा ईश्वर का प्रतिनिधि होता है उसे राज्य के प्रत्येक नागरिक के साथ न्याय करना चाहिए यदि वह न्याय नहीं करेगा तो निश्चित रूप से ईश्वर उससे हिसाब लेगा। सभा को नागरिक अधिकार परिषद के अध्यक्ष रफी अहमद एडवोकेट, सैयद मोहम्मद महमूद हसन एडवोकेट, एतमाद हसन इदरीसी एडवोकेट, मोहम्मद समी एडवोकेट, मोहम्मद शहाब एडवोकेट, मोहम्मद असलम एडवोकेट, सामाजिक कार्यकर्ता सैयद फैजी, जय नारायण एडवोकेट, प्रखर मिश्रा एडवोकेट ने भी संबोधित किया। अंत में कार्यक्रम के आयोजक सलमान अहमद एडवोकेट ने सभी लोगों की उपस्थिति और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

संक्षिप्त समाचार

प्रधान व सचिव के खिलाफ नागरिकों मे रोष

ओरैया, (यूएनएस)। भाग्यनगर ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत फूटाताल एवं शिबूपुर में ग्राम प्रधान व पंचायत सेक्रेटरी नन्द राज यादव के खिलाफ लोगो मे फैला आक्रोश राजस्व ग्राम पंचायत फूटाताल में आंगनबाड़ी केंद्र के चारों तरफ लगा गंदगी का अंबार लगा है।खम्मो में लगीं स्ट्रीट लाइट 6 माह पहले प्रधान खुलवा के ले गए।ग्रामीणों का कहना है कि गांव में कोई साफ सफाई नहीं होती है आंगनवाड़ी केंद्र के चारों तरफ घूरे तथा बाजरा की कर्ब के ढ़ेर लगे हैं। शौचालय में ताला पड़ा रहता है जबकि ग्रामीणों का कहना है कि प्रधान कभी पंचायत में नहीं आते है पंचायत भवन का प्लास्टर टूटा है पंचायत भवन में चारों तरफ खुला हुआ है उसमें गाय व ताश के पत्ते भी लोग खेलते हैं।फूटा ताल ग्राम पंचायत के गांव शिवपुर में बुखार से पीड़ित लोग जिसमें तीन डेंगू भी पाए गए,गाँव मे गन्दगी फैली है जिससे डेंगू फैलने की आशंका है।ग्रामीणों का कहना है कि मंत्री गाँव में आता नही है लोग परेशान है,गाँव मे पीने के पानी को तरश रहे लोग।जबकि ग्राम पंचायत फूटाताल में पानी की टंकी व समर सेविल बी,डी,सी जागेश्वर दयाल के घर पर लगाई गई,बी डी,सी,व प्रधान का कहना कि यह खुद लगाई है हम पानी नहीं भरने देंगे।गाँव फूटा ताल में भी गन्दगी फैली है शौचालय में ताला पड़ा रहता है।ग्राम पंचायत प्रधान संजीव राजपूत,ग्राम पंचायत सेक्रेटरी नन्द राज यादव की मिलीभगत से केयर टेकर का मानदेय दिया जा रहा है।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए प्राथमिक शिक्षक संघ ने किया धरना प्रदर्शन

कानपुर देहात, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ (संबद्ध अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ) के आवाहन पर प्रदेश के समस्त जनपदों से शिक्षकों का हुजूम मंगलवार को उमड़ पड़ा। इको गार्डन पार्क लखनऊ में शिक्षक और शिक्षिका बहनों का जनसैलाब देखते ही बन रहा था इसी कड़ी के क्रम में जनपद कानपुर देहात से सैकड़ों की संख्या में शिक्षकों का एक जत्था इको गार्डन लखनऊ पहुंचा था। विभिन्न शिक्षक समस्याओं के समर्थन में जो जनसैलाब उमड़ा उसमें प्रमुख मांग पुरानी पेंशन बहाल करो की थी। इस एक दिवसीय विशाल धरना प्रदर्शन को संगठन के पितामह मुख्य संरक्षक अभिमन्यु तिवारी एवं संयुक्त संघर्ष संचालन समिति के अध्यक्ष एसपी तिवारी तथा प्रदेश संगठन के यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष सुशील पांडे प्रदेश महामंत्री उमाशंकर सिंह प्रदेश कोषाध्यक्ष ठाकुरदास यादव ने संबोधित किया और शिक्षकों को आश्वासन दिया कि हमारा आंदोलन राष्ट्रीय स्तर पर अगला पड़ाव नई दिल्ली होगा। जनपद कानपुर देहात से संगठन के जिलाध्यक्ष एल.बी. सिंह, जिला मंत्री अशोक कुमार शुक्ला, जिला कोषाध्यक्ष देवेंद्र सिंह सचान, जिला उपाध्यक्ष रामनिवास तिवारी, जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद तारिक, संगठन मंत्री रामसेवक पाल जिला ऑडिटर एवं अध्यक्ष संदलपुर विकासखंड आशीष राजपूत, राजेश यादव, मुकेश बाजपेई, सतीश यादव, महेंद्र कटियार, प्रवीण अवस्थी, सुशील द्विवेदी, अजीत कटियार, रामगोपाल, आनंद बाजपेई, अखिलेश मिश्रा शशीकांत, सुरेश कमल, मोहम्मद साबिर, सत्येंद्र कुमार, अनिल कुमार सिंह, महेंद्र पांडे, मधुकर कटियार, यजुवेंद्र सिंह, संदीप सचान, मीरा सोनकर, दीपिका यादव, सीमा यादव, कालिंद्री शर्मा, सरताज बेगम, पूजा सचान, स्तुति सचान अमिता, मनीषा, नम्रता सिंह पूनम सिंह आरती कटियार प्रिया त्रिपाठी मानसी दीक्षित रविंद्र बाजपेईविनय शुक्ला अनिल कुमार सिंह महेंद्र प्रताप सिंह ज्ञान प्रकाश मिश्रा दिलीप अवस्थी संजय यादव राजू यादव पूजा शर्मा निशा कटियार रामनरेश अनूप अवस्थी नवीन प्रकाश सिंह विनय बाजपेई अजय मिश्रा सर्वेश यादव सुशील सविता मुख्तार अहमद सत्येंद्र सिंह शैलेंद्र यादव मनोज कुशवाहा मनजीत सिंह अनिल कुशवाहा अजय यादव रामदास श्याम नारायण पांडे मनीष चौधरी विवेक कटियार कुलदीप कुमार सहित जनपद के सैकड़ों शिक्षक शिक्षिकाएं धरना प्रदर्शन में सम्मिलित हुए जनपदीय संगठन के जिलाध्यक्ष एवं जिलामंत्री धरने में शामिल होने वाले समस्त शिक्षक और शिक्षिका बहनों को बहुत-बहुत आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

सेंटर ऑफएक्सीलेंस के रूप में विकसित होंगे डाइट

कानपुर देहात, (यूएनएस)। शिक्षकों के प्रशिक्षण का केंद्र जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) जल्द ही अत्याधुनिक शिक्षण व प्रशिक्षण सुविधाओं से लैस नजर आएगा। डायट को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। एक डायट पर 20 लाख का खर्च किया जाएगा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में प्रारंभिक शिक्षा से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां कराई जाती हैं। इन सभी गतिविधियों के गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के लिए उपकरणों की खरीद के साथ अन्य सुविधाओं के लिए धनराशि उपलब्ध कराई गई है जिससे कि शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिया जा सके। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनने के बाद शिक्षक प्रशिक्षण के दौरान आईसीटी का प्रयोग कर सकेंगे। इससे बच्चों की अधिगम क्षमता में सुधार होगा।परिषदीय स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों को समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके लिए उन्हें डायट पर जाना होता है। ऐसे में शिक्षकों को डिजिटल प्रशिक्षण देने के लिए डायट को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां शिक्षकों के लिए पुस्तकालय के साथ कंप्यूटर लैब की सुविधा उपलब्ध होगी। इन डायट केंद्रों पर बिजली के साथ फर्नीचर, फोटो कॉपी मशीन, स्टेशनरी व शिक्षकों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। इसके लिए ग्रांट भी जारी कर दी गई है।

पर्यावरण बनेगा स्कूली शिक्षा का अहम हिस्सा

कानपुर देहात, (यूएनएस)। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत नया स्कूली पाठ्यक्रम तैयार किया जा रहा है। ऐसे में मिशन लाइफ से जुड़ी पहल को भी स्कूलों में अलग-अलग स्तर पर शामिल करने की दिशा में काम चल रहा है। हाल ही में जारी किए गए स्कूलों के बुनियादी स्तर के नए कैरीकुलम फ्रेमवर्क में भी पर्यावरण को पर्याप्त जगह दी गई है। इस दौरान जिन अहम पहलुओं को स्थान दिया गया है उनमें ऊर्जा और पानी की बचत, सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करना, स्वच्छता पर जोर देना, मौसम अनुकूल खान-पान, कचरा प्रबंधन, स्वस्थ जीवन शैली के लिए जरूरी उपाय, ई-वेस्ट को कम करना जैसे विषयों पर फोकस किया गया है। आने वाले स्कूली पाठ्यक्रम में यह सभी विषय देश की नई पीढ़ी को किसी न किसी रूप में पढ़ने को मिलेंगे। सरकारी स्कूलों से स्कूली पाठ्यक्रम में पीएम के मिशन लाइफ को शामिल करने की मुहिम पर काम कर रहे विशेषज्ञों की मानें तो जीवनशैली एक आदत है जो शुरू से जैसी बन जाती है वैसी ही लगभग अंत तक रहती है। ऐसे में समाज बच्चों में यदि शुरुआत से ही पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली के प्रति रुझान पैदा कर दिया जाए या फिर उन्हें इससे होने वाले फायदे और नुकसान के प्रति सचेत कर दिया तो निश्चित ही वह इस पर अमल करेंगे। इस कारण से शुरुआत से ही बच्चों को पर्यावरण के बारे में जानकारी होना आवश्यक है।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट का किया औचक निरीक्षण

किसान टोल फ्री नम्बर 05111-271444 पर धान/बाजरा/मक्का खरीद हेतु सम्पर्क कर सकते हैं: जिलाधिकारी

कानपुर देहात, (यूएनएस)। दिनांक 16 नवम्बर 2022 को जिलाधिकारी नेहा जैन ने कलेक्ट्रेट भवन के विभिन्न विभागों का आकस्मिक निरीक्षण किया खाद्य एवं विपणन विभाग, औषधि विभाग, डूडा, खनिज विभाग, संयुक्त कार्यालय इत्यादि का निरीक्षण किया। उन्होंने इस निरीक्षण के दौरान सभी पटलों पर नेम प्लेट लगाने के लिए सम्बंधितों को निर्देशित किया।साथ ही विभागों की फाईलों को व्यवस्थित और क्रमबद्ध रखने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया। कार्यालयों में साफ सफाई उचित हो इसके लिए कार्यालयाध्यक्षों को निर्देशित किया। किसान टोल फ्री नम्बर 05111-271444 पर धान,बाजरा,मक्का खरीद हेतु सम्पर्क कर सकते हैं जिलाधिकारी ने जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी को ज्यादा से ज्यादा प्रचारित-प्रसारित करने के लिए कहा।

आठ माह पूर्व विवाह बंधन में बंधी डाली को जबरन फांसी पर लटका दिया

लखीमपुर खीरी, (यूएनएस)। थाना हैदराबाद के अंतर्गत ग्राम रोशन नगर में फरवरी 2022 में विवाह बंधन में बंधी 25 वर्षीय डाली ने पति सास ससुर के अत्याचार चार से छुब्ध होकर अपने ही घर में फांसी लगा ली। पुलिस ने डाली के शव का पंचनामा भरने के पश्चात शव को पोस्टमार्टम हेतु जिला मुख्यालय लखीमपुर भेज दिया है। जहां पोस्टमार्टम कर रहे चिकित्सकों के पैनल ने बीडीओ ग्राफी के दौरान फांसी पर लटकने से मौत होने की पुष्टि की है। घटना के संबंध में बताते हैं कि पति विमलेश द्वारा डाली की पिटाई के बाद भायी अनूप बहन व बहनोई को समझाने रोशन नगर को गया था।

अभी अनूप अपने घर में भी नहीं पहुंचा था।कि बहन डाली की फांसी पर लटकने की खबर आ गयी।डाली के भाइयों का आरोप है।कि बहनोई विमलेश ने अपने परिजनों के साथ मिलकर डाली को जबरन फांसी पर लटका दिया। अनूप ने बताया कि थाने में तहरीर दे दी गयी है। बहनोई व उसका परिवार घर छोड़ कर

इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक में डीएसपीआईएम 10 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। डीएसपी इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स प्राइवेट लिमिटेड (डीएसपीआईएम) इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक में करीब दस फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी। इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने मंजूरी दे दी है। सौदे की राशि का खुलासा नहीं किया गया है। इक्विटास एसएफबी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजारों को सूचित किया कि बैंक को आरबीआई से 16 नवंबर 2022 को यह जानकारी मिली थी कि डीएसपीआईएम को उसकी 9.99 फीसदी चुकता इक्विटी पूंजी के डीएसपी म्युचुअल फंड योजनाओं के जरिए अधिग्रहण की मंजूरी दी गई है। डीएसपीआईएम द्वारा शेयरों का प्रस्तावित अधिग्रहण बैंक के साथ इक्विटास होल्डिंग्स के एकीकरण की योजना के बाद होगा। इक्विटास होल्डिंग्स और इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक के विलय को उनके निदेशक मंडलों ने मई में मंजूरी दी थी।

कमजोर हाजिर मांग के बीच तांबा वायदा कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। कमजोर घरेलू हाजिर मांग के बीच कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को तांबे की कीमत 2.55 रुपये की गिरावट के साथ 687.60 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में तांबे का नवंबर महीने में आपूर्ति वाला अनुबंध 2.55 रुपये या 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 687.60 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। इसमें 5,134 लॉट के लिए कारोबार हुआ।बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच सटोरियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से तांबा वायदा कीमतों में गिरावट आई।

कमजोर हाजिर मांग से जस्ता वायदा कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। हाजिर मांग बढ़ने के बीच हाजिर बाजार में मजबूती के रुख को देखते हुए वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को जस्ता की कीमत 0.9 प्रतिशत कमजोर होकर 270 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में नवंबर माह की डिलिवरी वाले अनुबंध के लिए जस्ता का भाव 2.45 रुपये या 0.9 प्रतिशत घटकर 270 रुपये प्रति किलो रह गया। इसमें 2,212 लॉट के लिए कारोबार हुए। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में उपभोक्ता उद्योगों की मांग घटने के कारण कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से वायदा बाजार में जस्ता कीमतों में गिरावट आई।

कमजोर मांग के कारण एल्युमीनियम वायदा कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। हाजिर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को एल्युमीनियम 40 पैसे की गिरावट के साथ 208.05 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में नवंबर माह की डिलिवरी के लिए एल्युमीनियम के अनुबंध का भाव 40 पैसे यानी 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 208.05 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। इसमें 4,221 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में उपभोक्ता उद्योगों की मांग घटने के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से वायदा बाजार में एल्युमीनियम कीमतों में गिरावट आई है।

कमजोर हाजिर मांग से चांदी वायदा भाव में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। कमजोर हाजिर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को घटाया जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को चांदी की कीमत 283 रुपये गिरावट के साथ 61,714 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी का दिसंबर डिलिवरी का भाव 283 रुपये यानी 0.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ 61,714 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। इसमें 13,390 लॉट का कारोबार हुआ। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में चांदी 1.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 21.28 डॉलर प्रति औंस रह गया।

कमजोर हाजिर मांग से सोना वायदा कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। कमजोर हाजिर मांग के बीच सटोरियों द्वारा अपने सौदों का आकार घटाने से बृहस्पतिवार को वायदा कारोबार में सोने का भाव 102 रुपये की गिरावट के साथ 52,960 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में सोने का दिसंबर आपूर्ति वाला अनुबंध 102 रुपये या 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52,960 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। इसमें 6,290 लॉट के लिये कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से सोना वायदा कीमतों में गिरावट आई। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में सोना 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,772.40 डॉलर प्रति औंस रह गया।

सेबी सारदा समूह की कंपनियों की संपत्तियां 16 दिसंबर को करेगा नीलाम

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार नियामक सेबी ने बृहस्पतिवार को सारदा ग्रुप ऑफ कंपनीज की तीन संपत्तियां नीलामी के लिये रखा है। यह नीलामी 5.21 करोड़ रुपये के आरक्षित मूल्य पर 16 दिसंबर को होगी। यह कदम कंपनी के अवैध योजनाओं के जरिये लोगों से जुटाये गये धन की वसूली का हिस्सा है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक नोटिस में कहा कि नीलामी 16 दिसंबर, 2022 को दिन में 11 बज से 12 बजे तक होगा।जिन संपत्तियों की नीलामी की जाएगी, उसमें पश्चिम बंगाल में स्थित भूखंड शामिल हैं। इन संपत्तियों के लिये आरक्षित मूल्य 5.21 करोड़ रुपये है और नियामक ने ई-नीलामी की सुविधा प्रदान करने के लिये सी-1 इंडिया को नियुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने जून में अपने आदेश में सेबी को सारदा ग्रुप ऑफ कंपनीज की संपत्तियों की नीलामी के लिये कदम उठाने को कहा था। इस संदर्भ में सभी काम तीन महीने के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया गया है। सारदा ग्रुप ऑफ कंपनीज 239 निजी कंपनियों का समूह है। समूह पर पश्चिम बंगाल, असम और ओड़िशा में चिट फंड चलाने और 17 लाख जमाकर्ताओं से 4,000 करोड़ रुपये जुटाने का आरोप है। समूह अप्रैल 2013 में धाराशायी हो गया।

आदित्य बिड़ला फैशन भारत में खोलेगी गैलरी लफायेत के लग्जरी स्टोर

नई दिल्ली, एजेंसी। आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड (एबीएफआरएल) ने फ्रांस के अग्रणी डिपार्टमेंट स्टोर गैलरी लफायेत के साथ रणनीतिक साझेदारी की बृहस्पतिवार को घोषणा की। इस साझेदारी के तहत ये दोनों संस्थान भारत में लग्जरी डिपार्टमेंट स्टोर और ई-वाणिज्य मंच की शुरुआत करेंगे। एक संयुक्त बयान में कहा गया है कि मुंबई और दिल्ली के स्टोर में एक ही छत के नीचे 200 से ज्यादा महंगे एवं डिजाइनर ब्रांड उपलब्ध होंगे। मुंबई में 90,000 वर्गफुट के स्टोर में परिचालन 2024 तक शुरू होने की उम्मीद है जबकि दिल्ली में 65,000 वर्गफुट के स्टोर में परिचालन 2025 तक शुरू हो सकता है। एबीएफआरएल के प्रबंध निदेशक आशीष दीक्षित ने कहा, ''गैलरी लफायेत के साथ यह साझेदारी एक वैश्विक लग्जरी बाजार के तौर पर भारत के महत्व को प्रदर्शित करती है और बताती है कि लग्जरी ब्रांड की वृद्धि का भावी इंजन भारत ही है। गैलरी लफायेत 125 साल से फैशन के क्षेत्र में सक्रिय है और फ्रांस समेत कई देशों में इसके 65 स्टोर हैं। इसके मुख्य कार्यपालक अधिकारी निकोलस हाउज ने कहा, ''अपनी अंतरराष्ट्रीय पहुंच का विस्तार भारत जैसे प्रतिष्ठित बाजार में करने पर हम गौरान्वित महसूस कर रहे हैं।'

हेमंत सोरेन ने अवैध खनन मामले में ईडी के स्टेटमेंट का 12 बिंदुओं में दिया जवाब

न्यूज गाइड । एजेंसी

रांची। झारखंड के साहिबगंज जिले में अवैध खनन और ट्रांसपोर्टिंग के जरिए एक हजार करोड़ रुपए से अधिक की मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूछताछ कर रही है। इसके पहले सोरेन ने गुरुवार को ही ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर देवव्रत झा को पत्र लिखकर इस मामले में कुल 12 बिंदुओं में अपना पक्ष रखा। पत्र में उन्होंने उनकी सरकार के अब तक के कार्यकाल में साहिबगंज जिले में अवैध खनन से 1000 करोड़ से अधिक के राजस्व नुकसान के ईडी के स्टेटमेंट को पूरी तरह खारिज कर दिया। सीएम हेमंत सोरेन ने ईडी को ऐसे सनसनीखेज और गैर जिम्मेदार बयान से परहेज करने को कहा है, क्योंकि इससे पूरे झारखंड की छवि खराब होती है। सोरेन ने ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर को लिखे पत्र में कहा है कि उन्हें अपेक्षा है कि ईडी किसी हिडेन एजेंडा और मोटिव के बगैर निष्पक्ष रूप से जांच करेगी। सीएम ने लिखा है कि उन्होंने संविधान को अक्षुण्ण रखने की शपथ ली है और देश के ईमानदार नागरिक के तौर पर अपनी जिम्मेदारियों के निर्वाह और कानून की मान्यता रखने के लिए ईडी के समन का अनुपालन करते हुए उपस्थित हो रहे हैं। पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्राकृतिक संपदा से परिपूर्ण प्रत्येक राज्य अवैध खनन के अभिशाप से ग्रसित है और झारखंड इससे अछूता नहीं है। झारखंड राज्य से अवैध खनन को समाप्त करने के लिए वे कृतसंकल्प हैं और इस दिशा में किसी भी एजेंसी के ईमानदार प्रयास का स्वागत करते हैं। 29 दिसंबर 2019 को उनकी सरकार बनने के बाद पत्थर खनन से प्राप्त होने वाली रॉयल्टी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले 2 सालों में कोरोना के कारण खनन कार्य प्रभावित होने के बावजूद रॉयल्टी बढ़ी है। वर्ष 2019-20 में इससे राज्य को 270 करोड़ रुपए की रॉयल्टी मिली थी, जो 2021-22 में बढ़कर 360 करोड़ रुपए हो गई। पत्थर खनन से राज्य को मिलने वाली रॉयल्टी का लगभग 20 प्रतिशत रॉयल्टी साहिबगंज से आता है, लेकिन ईडी के स्टेटमेंट से ऐसा लगता है कि केवल साहिबगंज में एक हजार करोड़ रुपए का अवैध खनन स्कैम हुआ है। ऐसा स्टेटमेंट तथ्यों और आंकड़ों के विपरीत है। खनन विभाग के आंकड़ों का हवाला देते हुए सीएम ने कहा है कि पिछले 2 सालों में पूरे झारखंड राज्य में लगभग 9 करोड़ मीट्रिक टन पत्थर का खनन हुआ है। इसमें साहिबगंज जिले की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत है। इस जिले में दो साल में एक हजार करोड़ रुपए की रॉयल्टी का नुकसान तब हो सकता है, जब करीब 8 करोड़ मीट्रिक टन पत्थर का अवैध खनन साहिबगंज जिले में हुआ हो। यह मात्रा उस जिले में हुए वैध खनन का चारगुणा है। अगर इतनी मात्रा में पत्थरों की अवैध माइनिंग हो तो उसकी ट्रांसपोर्टिंग के लिए 20 हजार से अधिक रेलवे रैक या 33 लाख से अधिक ट्रक की जरूरत होगी। चूंकि रेलवे बगैर चालान के लोडिंग की अनुमति नहीं देता है, इसलिए यह संभव नहीं है। उन्होंने ईडी से कहा है कि आपने एक भी रेलवे रैक बगैर चालान के नहीं पाया है और न ही इस मामले में रेलवे के किसी अफसर पर कार्रवाई की है। हेमंत सोरेन के पत्र के मुताबिक ईडी ने पिछले दो वर्षों के दौरान साहिबगंज में अवैध रूप से निकाले गए पत्थरों की ट्रांसपोर्टिंग के लिए रेलवे के 6500 रैक का उपयोग किया गया है। अगर इतनी संख्या में रेलवे रैक के जरिए अवैध पत्थरों की ट्रांसपोर्टिंग हो तो भी यह संभव नहीं है कि 8 करोड़ मीट्रिक टन पत्थर साहिबगंज से दूसरी जगह ले जाए जा सकें। इतनी बड़ी मात्रा में पत्थरों की ट्रांसपोर्टिंग अगर ट्रकों के जरिए की जाए तो इस काम में हर रोज 4500 ट्रकों को लगाने की जरूरत होगी, जबकि पूरे साहिबगंज जिले में मात्र 800 ट्रक ही निबंधित और चालू स्थिति में हैं।

सीएम हेमंत सोरेन ने इसी तरह कई आंकड़ों का जिक्र करते हुए दावा किया है कि रेलवे, ट्रक, जहाज के जरिए भी दो साल में इतनी बड़ी मात्रा में पत्थरों की ट्रांसपोर्टिंग नहीं हो सकती, जिससे राज्य को 1000 करोड़ रुपए की रॉयल्टी का नुकसान हो। उन्होंने बताया है कि पत्थरों की माइनिंग के एवज में राज्य को सभी जिलों से दो साल में 750 करोड़ रुपए की रॉयल्टी मिली है, जबकि इसके विपरीत ईडी ने तथ्यों और आंकड़ों का सत्यापन किए बगैर एक हजार करोड़ के अवैध खनन का स्टेटमेंट जारी किया है। ऐसा सनसनीखेज स्टेटमेंट ईडी को शोभा नहीं देता। हेमंत सोरेन ने इस पत्र में कहा है कि राज्य के प्रमुख विपक्षी दल भाजपा ने उन्हें फंसाने के लिए झामुमो के निष्कासित कोषाध्यक्ष रवि केजरीवाल से उनके खिलाफ बयान दिलवाया है। रवि केजरीवाल को 2020 में ही झामुमो से निष्कासित कर दिया था और उसके खिलाफ पार्टी की ओर से एफआईआर भी दर्ज कराई गई थी। इसी वजह से वह मेरा जानी दुश्मन बन चुका है। सोरेन ने कहा है कि उन्हें आश्चर्य नहीं होगा कि उनसे व्यक्तिगत प्रतिशोध लेने के लिए रवि केजरीवाल ने उनपर गलत आरोप लगाए।

कोवैक्सीन के ऊपर लगे राजनीतिक दबाव के आरोंपो का भारत बायोटेक ने किया खंडन

नई दिल्ली। कोविड-19 रोधी टीका 'कोवैक्सीनश् निर्माता कंपनी भारत बायोटेक ने बृहस्पतिवार को कहा कि कंपनी पर टीके को तेजी से विकसित करने के लिए कोई बाहरी दबाव नहीं था। टीका निर्माता कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि दुनियाभर में टीके की लाखों खुराकें लगाई जा चुकी हैं और इसने जबरदस्त सुरक्षा का प्रदर्शन किया है तथा इसके प्रतिकूल प्रभाव न्यूनतम रहे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि टीके के कारण 'मायोकार्डिटिस या 'थ्रोम्बोसाइटोपेनिया (प्लेटलेस का कम होना) का कोई भी मामला सामने नहीं आया है। 'कोवैक्सीन को मंजूरी को लेकर मीडिया की कुछ खबरों को खारिज करते हुए टीका निर्माता कंपनी ने कहा कि वह चुनिंदा लोगों और समूहों के जरिए सामने रखे गए 'लक्षित विमर्शश् की निंदा करती है। उसने कहा कि ऐसे लोगों और समूहों की टीका या टीका विज्ञान में कोई विशेषज्ञता नहीं हैं। विज्ञप्ति के मुताबिक, ÷कोवैक्सीन को तेजी से विकसित करने के लिए कोई बाहरी दबाव नहीं था। इसमें कहा गया है कि भारत और विश्व स्तर पर जीवन और आजीविका बचाने की खातिर, कोविड-19 महामारी का मुकाबला करने के लिए एक सुरक्षित और प्रभावी टीका विकसित करने के वास्ते सभी दबाव आंतरिक थे।

गुणतिलका को यौन उत्पीड़न मामले में जमानत

न्यूज गाइड । एजेंसी

सिडनी। श्रीलंकाई क्रिकेटर धनुष्का गुणतिलका को आस्ट्रेलिया में टीम के टी20 विश्व कप अभियान के दौरान एक महिला से कथित यौन उत्पीड़न के आरोप में गुरूवार को जमानत दी गयी लेकिन मुकदमे की सुनवाई के दौरान उन्हें सोशल मीडिया अकाउंट के इस्तेमाल से प्रतिबंधित कर दिया गया। 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' की रिपोर्ट के अनुसार निलंबित हुए गुणतिलका सात नवंबर को जमानत देने से इनकार किये जाने के बाद से 'पार्कलिया करेक्शनल सेंटर' में हिरासत में है और वह वहीं से वीडियो लिंक से सिडनी की डाउनिंग सेंटर कोर्ट में पेश हुए। गुणतिलका (31 वर्ष) को छह नवंबर को तड़के कथित यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, ''मजिस्ट्रेट जानेट वाहलक्विस्ट ने गुरूवार को सिडनी के डाउनिंग सेंटर कोर्ट में गुणतिलका को जमानत दी जसमें वह पार्कलिया जेल से 'ऑडियोविजुअल लिंक' से पेश हुए थे। इसके मुताबिक, ''पुलिस अभियोजक केरी एन मैकिनोन ने इस आधार पर गुणतिलका को जमानत देने का विरोध किया था कि वह शिकायतकर्ता की सुरक्षा के लिये खतरा हो सकता है जिसकी पहचान कानूनी कारणों से नहीं की जा सकती। ''गुणतिलका पर बिना सहमति के यौन संबंध बनाने के लिये चार मामले चल रहे हैं। टिंडर, सोशल मीडिया और डेटिंग एप के इस्तेमाल पर प्रतिबंध के अलावा जमानत की शर्तों में 150,000 आस्ट्रेलियाई डॉलर (100,620 डॉलर) देना, पासपोर्ट 'सरेंडर' करना, पुलिस में दो बार रिपोर्ट करना, रात नौ बजे से सुबह छह बजे तक 'कर्फ्यू' और शिकायतकर्ता सें संपर्क नहीं करना शामिल हैं। श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने गुणतिलका को उनकी गिरफ्तारी के तुरंत बाद क्रिकेट के सभी प्रारूपों से निलंबित कर दिया था। रिपोर्ट में पुलिस दस्तावेजों का हवाला देते हुए लिखा गया कि गुणतिलका ने यौन उत्पीड़न के दौरान पीड़िता का बार बार गला दबाया क्योंकि उन्हें अपने पकड़े जाने का डर था। गुणतिलका पर आरोप साबित होने पर अधिकतम 14 साल की सजा हो सकती है। बाएं हाथ का बल्लेबाज गुणतिलका श्रीलंका के पहले दौर के मैच में नामीबिया के खिलाफ खेला था और वह खाता खोले बिना आउट हो गया था। इसके बाद वह चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गया था। श्रीलंकाई टीम ने सुपर 12 चरण के लिये क्वालीफाई किया लेकिन ग्रुप एक में चौथे स्थान पर रही। स्थानीय मीडिया के अनुसार गुणतिलका और महिला ऑनलाइन डेटिंग ऐप के जरिए पिछले कई दिनों से एक दूसरे के संपर्क में थे। गुणतिलका का विवादों से पुराना नाता रहा है। इससे पहले 2021 में इंग्लैंड दौरे में अपने साथी कुसाल मेंडिस और निरोशन डिकवेला के साथ टीम के जैव सुरक्षित वातावरण का उल्लंघन करने के कारण श्रीलंका बोर्ड ने उसे एक साल के लिए निलंबित कर दिया था। बोर्ड ने 2018 में भी टीम के नियमों का उल्लंघन करने पर छह माह के लिए प्रतिबंधित कर दिया था। उसी वर्ष गुणतिलका को निलंबन झेलना पड़ा था क्योंकि उसके एक अज्ञात दोस्त पर नार्वे की महिला के साथ बलात्कार करने का आरोप लगा था। बोर्ड ने 2017 में भी अभ्यास सत्र में नहीं आने और एक मैच के लिए क्रिकेट के अपने सामान के बिना पहुंचने पर गुणतिलका को सीमित ओवरों के छह मैचों के लिए निलंबित कर दिया था। गुणतिलका ने श्रीलंका की तरफ से आठ टेस्ट, 47 वनडे और 46 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

नेपाल में त्रिशंकु संसद के आसारय आम चुनाव के बाद राजनीतिक स्थिरता की संभावना नहीं

न्यूज गाइड । एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के संसदीय और प्रांतीय विधानसभा चुनावों से पहले, यहां के राजनीतिक विश्लेषक त्रिशंकु संसद और ऐसी सरकार आने का अनुमान लगा रहे हैं जिसके तहत इस हिमालयी राष्ट्र में राजनीतिक स्थिरता आने की संभावना नहीं है। देश में 20 नवंबर को होने वाले आम चुनाव के लिए दो प्रमुख राजनीतिक गठबंधन- नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले लोकतांत्रिक और वामपंथी गठबंधन और सीपीएन-यूएमएल के नेतृत्व वाले वामपंथी और हिंदू-समर्थक राजशाही गठबंधन मैदान में हैं। नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन में सीपीएन-माओवादी सेंटर, सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट और मधेस-आधारित लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी शामिल हैं, जबकि सीपीएन-यूएमएल के नेतृत्व वाले गठबंधन में हिंदू समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी और मधेस-आधारित जनता समाजवादी पार्टी शामिल हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने अनुमान जताया है कि प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के नेतृत्व में सत्तारूढ़ गठबंधन संसदीय चुनावों में विजयी होगा, जिसमें नेपाली कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरेगी। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि के. पी. शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सीपीएन-यूएमएल (नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरेगी।इस बार कई नए राजनीतिक दल और कई निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में हैं, जो प्रमुख राजनीतिक दलों के कुछ दिग्गजों को कड़ी चुनौती दे रहे हैं। वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक ध्रुबा अधिकारी ने कहा, ''जैसे-जैसे चीजें आगे बढ़ने लगती हैं, चुनाव पूर्व दो गठबंधनों में से एक के चुनाव के बाद सबसे बड़े समूह के रूप में उभरने की संभावना है। हालांकि, इन समूहों द्वारा गठित की जाने वाली सरकार से वैसी राजनीतिक स्थिरता आने की संभावना नहीं है जिसकी नेपाल को बहुत जरूरत है।'' एक राजनीतिक विश्लेषक राजेश अहिराज ने कहा कि इस बार चुनाव को लेकर लोगों में उत्साह कम है। उन्होंने कहा, ''चुनाव के बाद देश में शांति और राजनीतिक स्थिरता कायम होने की संभावना नहीं है।'' उन्होंने कहा कि चुनाव में किसी भी पार्टी को बहुमत मिलने की संभावना नहीं है और उन्हें नई सरकार बनने में काफी समय लगेगा और बातचीत के जरिए सरकार बनने के बाद भी स्थिरता कायम होने की संभावना नहीं है। नई सरकार की विदेश नीति की प्राथमिकताओं पर, अधिकारी ने कहारू ''जहां तक विदेश नीति का संबंध है, नेपाल की अगली सरकार को हमारे दोनों पड़ोसियों (भारत और चीन) के साथ संतुलित संबंध जारी रखने की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा, ''मौजूदा नीतिगत प्राथमिकताओं में बड़े बदलाव की संभावना कम है।'' हालांकि, प्रतिनिधिसभा के पूर्व अध्यक्ष दमन नाथ धुंगाना का मानना है कि पड़ोसी देशों के साथ नेपाल के संबंध काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेंगे कि नई सरकार कैसे बनेगी और इसका नेतृत्व कौन करेगा। उन्होंने कहा, ''हालांकि भारत और चीन दोनों हमारे लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, भारत सांस्कृतिक और धार्मिक निकटता और आर्थिक अखंडता के कारण नेपाल के बहुत करीब है।'' उन्होंने कहा कि नेपाल को देश को समृद्ध बनाने के लिए आर्थिक कूटनीति का उपयोग करके और अधिक विदेशी निवेश आकर्षित करने की जरूरत है। हिमालयी देश में दोहरे चुनाव के लिए मतदान एक ही चरण में होगा। देश के सात प्रांतों में एक करोड़ 79 लाख लोग मतदान के पात्र हैं। संघीय संसद के कुल 275 सदस्यों में से 165 का चुनाव प्रत्यक्ष मतदान से होगा जबकि शेष 110 का चुनाव आनुपातिक पद्धति से होगा। इसी तरह प्रांतीय विधानसभा के कुल 550 सदस्यों में से 330 सीधे निर्वाचित होंगे और 220 आनुपातिक तरीके से चुने जाएंगे।

देश-विदेश डायरी

खाद्यान्न समझौता आगे बढ़ने की घोषणा के साथ ही रूस का यूक्रेन पर भीषण हवाई हमला

कीव, एजेंसी। यूक्रेन पर बृहस्पतिवार को हुए भीषण रूसी हमले में देश को भारी नुकसान पहुंचा है। ताजा हवाई हमले में यूक्रेन में ऊर्जा क्षेत्र के बुनियादी ढांचे, आवासीय भवनों और औद्योगिक क्षेत्रों को निशाना बनाया गया है। प्रशासन ने बताया कि देशभर में हुए ड्रोन और मिसाइल हमलों में कम से कम चार लोगों की मौत हुई है और एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। वहीं, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने यूक्रेन से काला सागर के रास्ते खाद्यान्नों, खाद्य सामग्री और उर्वरकों के निर्यात की सुरक्षित डिलिवरी सुनिश्चित करने वाले चार महीने पुराने समझौते की अवधि समाप्त होने से महज कुछ दिन पहले इसमें विस्तार की घोषणा की है। गुतारेस ने एक बयान में कहा कि संयुक्त राष्ट्र रूस से खाद्यान्न और उर्वरकों के निर्यात में आने वाली बाधाओं को हटाने के लिए 'पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध' है। गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच जुलाई में तुर्किए में हुए दो समझौतों में यह भी एक था। इस्ताम्बुल में हुए इन समझौतों का लक्ष्य खाद्यान्न और उर्वरकों की कीमतों में कमी लाना और वैश्विक स्तर पर खाद्यान्न संकट आने से रोकना है। हालांकि, रूस की ओर से समझौते पर तत्काल कोई पुष्टि नहीं हुई है। पिछले करीब नौ महीने से जारी इस युद्ध की पृष्ठभूमि में बड़े पैमाने पर रूसी हवाई हमले की आशंका के बीच बृहस्पतिवार तड़के पूरे यूक्रेन में हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बजाए गए। वहीं, कीव के सैन्य प्रशासन ने बताया कि एयर डिफेंस' ने कम से कम दो क्रूज मिसाइलों और पांच ईरानी ड्रोनों को मार गिराया है। जमीन पर की लड़ाई में क्रेमलिन को मिल रही हार के मद्देनजर बाद रूस ने हाल के सप्ताह में हवाई हमले तेज कर दिए हैं और यूक्रेन के अपने नियंत्रण से बाहर वाले क्षेत्रों में स्थित ऊर्जा क्षेत्र के बुनियादी ढांचों और अन्य असैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहा है।

मालदीव के गैराज में आग लगने की घटना में मारे गए आठ भारतीयों के शव भारत भेजे गए

माले, एजेंसी। मालदीव की राजधानी माले में पिछले सप्ताह एक 'गैराज' में आग लगने की घटना में मारे गये आठ भारतीयों के शव भारत भेजे गए हैं। भारतीय उच्चायोग ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। माले में मावियो मस्जिद के पास एम. निरूफेफी स्थित एक 'गैराज' में 10 नवंबर को आग लग गई थी। इस हादसे में आठ भारतीयों समेत 10 लोगों की मौत हो गई थी। 'गैराज' भूतल पर था और प्रवासी मजदूर पहली मंजिल पर रहते थे। मालदीव में भारतीय उच्चायोग ने ट्वीट किया, ''इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जान गंवाने वाले सभी आठ भारतीय नागरिकों के पार्थिव शरीरों को भारत भेजा दिया गया है। हम इस संबंध में मदद करने के लिए मालदीव के अधिकारियों को धन्यवाद देते हैं।'' उच्चायोग ने भारतीयों की पहचान और अन्य जानकारी नहीं दी। 'मालदीव नेशनल डिफेंस फोर्स' ने बताया कि इमारत में बांग्लादेश, भारत और श्रीलंका के 38 प्रवासी श्रमिक रह रहे थे। मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह ने आग की घटना के जांच के आदेश दिये हैं। माले की आबादी करीब 2,50,000 लाख है, जिनमें से लगभग आधे लोग बांग्लादेश, भारत, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका समेत अन्य देशों से आए विदेशी श्रमिक हैं।

आईसीएमआर ने गर्भ में या जन्म के बाद बच्चे की मृत्यु के मामलों में अनुसंधान प्रस्ताव आमंत्रित किये

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने बच्चे की गर्भ में या जन्म लेते ही मृत्यु (स्टिलबर्थ) के मामलों का अध्ययन करने के लिहाज से सहयोगात्मक, बहुसंस्थागत और अंतर-विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए अपने 'टास्क फोर्स प्रोग्राम' के तहत प्रस्ताव आमंत्रित किये हैं। आईसीएमआर के अधिकारियों के अनुसार बच्चे की गर्भ में या प्रसव के दौरान मृत्यु की समस्या से दुनियाभर में रोजाना लाखों महिलाएं और परिवार प्रभावित होते हैं। आईसीएमआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ लोकेश शर्मा ने कहा कि गर्भ में या जन्म लेते ही मृत्यु के मामलों की दर देश की चिकित्सा प्रणाली की गुणवत्ता का एक संकेतक हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में जोखिम वाले कारकों की समय पर पहचान तथा जन्मपूर्व उचित प्रबंधन से इस समस्या के समाधान में मदद मिल सकती है। भारत सरकार की 'भारतीय नवजात कार्य योजना' (आईएनएपी) में जन्म लेते ही बच्चे की मौत के मामलों की संख्या 2030 तक एक अंक लाने की योजना है। परिषद के अनुसार इस मामले में कारकों का अध्ययन करने के लिए अनुसंधान की जरूरत है।

सियासी पिच पर नो बॉल की बेवकूफी' पार्टियों को मैदान से बाहर कर देती है: नकवी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने बृहस्पतिवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि सियासी पिच पर नो बॉल की बेवकूफी और हिट विकेट की बदहवासी मैदान से बाहर कर देती है। नकवी के कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, उन्होंने रामपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार आकाश सक्सेना के नामांकन पर आयोजित कार्यकर्त्ता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए विपक्षी दलों को आड़ेहाथों लिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''हमें यह याद रखना चाहिए कि जनादेश का सम्मान, समावेशी सशक्तिकरण का संकल्प ही हमारा राष्ट्रीय कर्त्तव्य और धर्म है। समाज के आखिरी छोर के व्यक्ति का विकास ही हमारा लक्ष्य है।'' विपक्षी दलों का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि सियासी पिच पर नो बॉल की बेवकूफी और हिट विकेट की बदहवासी मैदान से बाहर कर देती है।नकवी के अनुसार, सुशासन मोदी सरकार और योगी सरकार की यूएसपी है और सर्वस्पर्शी सशक्तिकरण ष्हॉलमार्कष् है। उन्होंन कहा कि छद्म धर्मनिरपेक्षता और तुष्टीकरण के राजनीतिक छलष् को भाजपा ने ष्समावेशी विकास के बल से ध्वस्त किया है जिससे 3बी ब्रदरहुड (बलवाई-बाहुबली-बकैत) बौखलाया हुआ है।

निशानेबाज को राइफल के साथ विमान में चढ़ने से रोका गया

नई दिल्ली, एजेंसी। निशानेबाज दिशांत डे को गुरुवार को एक बड़ी एयरलाइन ने परेशान किया जिसने उन्हें राष्ट्रीय चौंपियनशिप के लिए तिरुवनंतपुरम जाते समय अपने साथ राइफल ले जाने की अनुमति नहीं दी। राष्ट्रीय निशानेबाजी चौंपियनशिप प्रतियोगिताओं के तहत राइफल स्पर्धाओं का आयोजन 20 नवंबर से नौ दिसंबर तक तिरुवनंतपुरम के वट्टियूरकावु निशानेबाजी रेंज में होगा। दिशांत ने इंडिगो एयरलाइन का टिकट खरीदा था। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने ट्वीट किया, ''/इंडिगो ने गुवाहाटी हवाई अड्डे पर साफ तौर पर उत्पीड़न किया। दिशांत डे 65वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए उड़ान संख्या 6ई5226 से त्रिवेंद्रम की यात्रा करने की कोशिश कर रहे हैं और अपने साथ एयर राइफल ले जाने के लिए सभी आवश्यक दस्तावेज होने के बावजूद एयरलाइन अनुमति देने से इनकार कर रही है।''निशानेबाज का समर्थन करते हुए देश में निशानेबाजी की संचालन संस्था ने कहा, ''एक खेल करियर को बचाएं। खिलाड़ी और उसकी मां हवाई अड्डे पर हैं और कोई मदद नहीं मिल रही है।

भारतीय फुटबॉल की प्रगति से प्रभावित हैं डिकोव

मुंबई, एजेंसी। प्रीमियर लीग के दिग्गज और स्कॉटलैंड के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पॉल डिकोव पिछले पांच वर्षों में भारतीय फुटबॉल की प्रगति से प्रभावित हैं। मैनचेस्टर सिटी, आर्सेनल और लीस्टर सिटी जैसे क्लब से खेलने वाले डिकोव ने इसके साथ ही कहा कि फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एसएसडीएल) की प्रीमियर लीग के साथ भागीदारी ने भारत में इस खेल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रीमियर लीग के 30 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए डिकोव अभी भारत में हैं। उन्होंने कहा कि जब भी वह भारत के दौरे पर आते हैं तो उन्हें भारतीय फुटबॉल में सुधार नजर आता है। उन्होंने कहा,'' आप खुद इस सुधार को देख सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक विद्यावती दूबे द्वारा बी डी प्रिन्टींग प्रेस गणेशपुर, रहमानपुर निकट रघुनन्दन आशियाना फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ से मुद्रित तथा- C 3/76, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित । मो0 9450615356, फोन नं. 0522- 4102634

CMYK

इस चीज के सख्त खिलाफथी श्रीदेवी, जान्हवी कपूर ने होम टूर के दौरान किया खुलासा

बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई ऐसे सितारों ने इस इंडस्ट्री को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया जिनको आज भी याद कर इंडस्ट्री रो पड़ता हैं। और इन्ही चुनिंदा सितारों की लिस्ट में एक नाम दिवंगत अभिनेत्री श्री देवी का भी था। दरअसल जिस तरह से एक्ट्रेस ने सभी को अचानक अलविदा कह दिया उसे यकीन करना मुश्किल हो रहा था। वही अब उनकी बेटी जान्हवी कपूर ने अपनी मां और बॉलीवुड की दिग्गज कलकार श्रीदेवी की यादें ताजा कर दी हैं। जहां उनके सपनों के महल का टूर देख आपकी भी आँखे नम हो जाएंगी। दरअसल जान्हवी कपूर ने हाल ही में फैंस को अपने चेन्नई स्थित घर का हाउस टूर कराया। इस दौरान उन्होंने घर से जुड़ी तमाम यादों को अपने फैंस के साथ शेयर किया। जान्हवी ने इस दौरान बताया कि जब उनकी मां श्रीदेवी जीवित थी तो उन्हें कभी भी बाथरूम में लॉक लगाने की परमिशन नहीं देती थीं। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें लगता था कि जान्हवी बाथरूम में जाकर लड़को से बात करने लगेंगी। जान्हवी का कहना है कि इस घर को उनकी मां श्रीदेवी ने बड़े प्यार से खरीदा और संजोया था। वही घर का टूर कराते हुए जान्हवी ने श्रीदेवी की हर वो यादें शेयर की जिससे श्रीदेवी का नाम जुड़ा हुआ था। एक्ट्रेस ने बड़े ही खूबसूरती के साथ इस घर को संजोया था। वही इस दौरान जान्हवी के कई राज भी खोले जहां एक्ट्रेस ने बताया की शादी के बाद मां पापा के साथ जहां कही भी टूर करने जाती थी वहा से वो इस घर को सजाने के ले सामन खरीद कर लाया करती थी। और इस घर के कोने-कोने को सजाया करती थी। वही जान्हवी ने इस दौरान श्रीदेवी द्वारा बनाए गए कई पैनिटिंग भी दिखाया। जिसकी खूबसूरती देख आपकी भी आँखे दंग रह जाएगी। जान्हवी ने इस घर से जुड़ी यादों को शेयर करते हुए कहा-इस घर के बारे में यादों के अलावा एक चीज जो मुझे पसंद है वो ये है कि इसमें बहुत सारी चीजें ऐसी हैं जो पुरानी हैं। वही जान्हवी ने ये भी बताय की जब 2018 में उनकी मां का निधन हो गया तो उन्होंने इस घर को उनकी याद में ऐसे ही रहने दिया जैसा श्रीदेवी छोड़ के गई थीं। फैमिली का ये भी कहना है कि वो कभी भी घर के चीजों से कभी छेड़छाड़ नहीं करते।**-एजेंसी**

लंबे समय से सर्दी-जुकाम कर रहा है परेशान तो शहद के साथ खाएं लहसुन, होंगे चमत्कारी फायदे

सर्दी के मौसम ने दस्तक दे दी है। ऐसे में कई तरह के इंफेक्शन इस मौसम में फैलती है। खासकर सर्दियों में इम्यून सिस्टम बहुत बुरी तरह से प्रभावित होता है। यदि आप सर्दियों में इम्यून सिस्टम तो आपको अपनी डाइट का खास ध्यान रखना होगा। इस मौसम में सर्दी जुकाम और बुखार जैसी समस्याएं बहुत घेरती हैं। इन समस्याओं से राहत पाने के लिए बहुत लोग अदरक, काली मिर्च, तुलसी की चाय का सेवन करते हैं। इन सब के अलावा आप एक घरेलू नुस्खा ओर भी सर्दी की समस्याओं से राहत पाने के लिए कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में...

शहद और लहसुन

शहद और लहसुन का सेवन करने से कई समस्याओं से राहत मिलती है। शहद में एंटीबैक्टीरियल, एंटीबॉयोटिक, एंटीफंगल, एंटी संक्रमण गुण पाए जाते हैं जो सर्दी, जुकाम जैसी समस्याओं से राहत दिलवाने में मदद करते हैं। इसके अलावा लहसुन में एलिसिन और फाइबर पाया जाता है जो आपका वजन कम करने में मदद करता है।

गले की खराश होगी दूर

यदि आपके गले में खराश हो रही है तो आप लहसुन और शहद का सेवन करके समस्या से राहत पा सकते हैं। इसके अलावा यह सूजन भी कम करने में मदद करता है। यह होम रेमेडी आपको गले की समस्याओं से राहत दिलवाने में मदद करता है।

बढ़ते वजन को करे कंट्रोल

अगर आपका वजन बढ़ रहा है तो आप उस समस्या से राहत पाने के लिए लहुसन और शहद का सेवन कर सकते हैं। इस मिश्रण का सेवन करने से आपके शरीर में मौजूद अतिरिक्त चर्बी भी कम होती है। इसके अलावा यह मोटापे को कंट्रोल करने में भी मदद करता है।

इम्यूनिटी करे मजबूत

नियमित लहसुन और शहद का सेवन करने से आपका इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है। शोध के अनुसार, रोजाना लहसुन और शहद का सेवन करने से आपके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है।

दिल को रखे स्वस्थ

लहसुन और शहद का मिश्रण खाने से आपका दिल भी स्वस्थ रहता है। यह दिल की धमनियों में पाए जाने वाले फैट को बाहर निकलता है। इससे आपका रक्त संचार अच्छा होता है और ब्लॉकेज व ब्रेन स्ट्रोक का खतरा भी कम होता है।

नोटः यदि आपको इन दोनों चीजों से एलर्जी है या पहली बार इनका सेवन करने वाले हैं तो एक्सपर्ट्स की सलाह जरुर ले लें। **-एजेंसी**

खेतों के बीच गुलाबी साड़ी पहने नजर आई सारा अली खान, यूजर्स बोले- शुभमन गिल का गांव...

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव नजर आती है। एक्ट्रेस के फैंस उनसे जुड़ी हर अपडेट को जानने के लिए बेकरार रहते है। इन दिनों सारा अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग में बिजी है। भले ही सारा अपने काम में बिजी हो मगर फिर भी एक्ट्रेस अपने फैंस का दिल जीतने का एक भी मौका नहीं छोड़ती है। इस बार भी सारा अली खान ने अपनी शूटिंग से कुछ अनसीन तस्वीरें अपने फैंस के साथ साझा की है जिसमें वो काफी प्यारी लग रही है और उनकी इन तस्वीरों पर उनके चाहने वाले भी दिल खोलकर अपना प्यार लूटा रहे हैं। सारा की तस्वीरों पर सोशल मीडिया यूजर्स अपनी तरह-तरह की प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। सारा अली खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है। इन तस्वीरों में वह गुलाबी रंग की साड़ी पहने दिखाई दे रही हैं। सारा साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही है और हर तस्वीर में एक से बढ़कर एक पोज देती दिख रही हैं। इन तस्वीरों में सारा चारपाई में बैठे कैमरे में देखकर पोज दे रही हैं एक तस्वीर में सारा के साथ कुछ बच्चें और एक महिला बैठी दिख रहे हैं। सारा अली खान की इन सभी तस्वीरों में उनके पीछे का नाजारा काफी खूबसूरत है, एक्ट्रेस की तस्वीरों के देखकर लग रहा है कि वो किसी गांव में है और खेत के पास खड़ी हैं। सारा ने अपनी पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, आप जहां भी जाते हैं, वह किसी ना किसी तरह आपका हिस्सा बन जाता है। सारा की पोस्ट को अब तक 9 लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। सारा की पोस्ट पर फैंस जमकर कॉमेंट कर रहे हैं एक यूजर ने लिखा, 'शुभमन गिल का गांव लगता है शायद।' एक फैन ने कॉमेंट में लिखा, 'आधुनिक विचारों वाली बहुत जमीन से जुड़ी लड़की। मैंने कभी देखा है... आपसे प्यार करना बंद नहीं कर सकता।' दूसरे फैन ने कहा, 'वाह।' इसी तरह बाकि यूजर्स भी सारा की खूबसूरत और सादगी के साथ उसकी खुशमिजाजी की भी तारीफों के पुल बांध रहे हैं।

जान्हवी कपूर के सॉन्ग पर शहनाज गिल के ठुमकों ने लूटा फैंस का दिल, वीडियो हुआ वायरल

बिग बॉस 13 फेम शहनाज गिल अपनी खूबसूरती और चुलबुलेपन के लिए जाना जाता है। शहनाज जल्द ही अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही है। शहनाज को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उनके फैंस काफी एक्साइटेड है। शहनाज की फैन फॉलोइग सुपरस्टार्स से कम नहीं है सोशल मीडिया पर शहनाज काफी एक्टिव रहती हैं। शहनाज गिल अपने चाहने वालों के साथ अपनी लेटेस्ट वीडियो और फोटोज साझा करती रहती है जिन्हें उनके फैंस कुछ ही वक्त में इंटरनेट पर वायरल कर देते है। इस बार भी फैंस शहनाज के लेटेस्ट वीडियो पर दिल खोलकर प्यार बरसा रहे हैं जिसमें वो अपनी टीम के साथ जमकर मस्ती और डांस करती दिख रही हैं। शहनाज गिल ने अपनी इंस्टास्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो अपनी टीम के साथ नजर आ रही हैं। शहनाज का ये वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो है, इस क्लिप में शहनाज और उनकी टीम जाह्नवी कपूर की डेब्यू फिल्म धड़क के फेमस सॉन्ग झिंगाट की धुन पर थिरकते दिख रहे हैं। शहनाज के मस्ती भरे वीडियो को एक पैपराजी अकाउंट से इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में शहनाज व्हाइट कलर के वनपीस में काफी क्यूट लग रही है और उनके किलर मूव्स पर फैंस भी अपना दिल हार बैठे है। इस वीडियो को सोशल मीडिया यूजर्स खूब पसंद कर रहे है और अपनी फेवरेट शहनाज की वीडियो अपने रिएक्शन भी दे रहे हैं। एक यूजर ने कॉमेंट में लिखा, सना को देख के दिल खुश होता है...... वह पूरी तरह से एक अलग ब्रह्मांड से है...लव यू सना। एक दूसरे यूजर ने लिखा, बेबी अपने स्टाइल के साथ अपनी टीम के साथ एन्जॉय कर रही है, वो अकेली है। एक अन्य यूजर ने लिखा, मिस गिल कोई मेकअप की जरूरत नहीं है तुमको, रियल ब्यूटी क्वीन हो तुम। एक फैन ने लिखा, कितनी सुंदर लग रही है...शानू मेरी, ऐसे ही खुश रहो।

शादी की रूमर्स के बीच तमन्ना भाटिया ने दिखाया अपने बिजनेसमैन हस्बैंड का चेहरा, देखकर लगेगा झटका

फेमस एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया को लेकर इन दिनों कई तरह की खबरें सामने आ रही है। हाल ही में एक्ट्रेस की शादी की रूमर्स ने खूब जोर पकड़ा था। फिल्मी गलियारों से लगातार ऐसी खबरे सामने आ रही थी कि एक्ट्रेस जल्द ही शादी करने वाली है। इतना ही नहीं एक्ट्रेस के होने वाले दूल्हे को लेकर लेकर भी कई डिटेल्स सामने आई। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि तमन्ना जल्द ही मुंबई के एक बिजनेसमैन से शादी करने जा रही हैं। लेकिन अब खुद तमन्ना ने इन दावों पर अपना रिएक्शन दिया है। एक्ट्रेस ने फाइनली अब अपनी शादी की खबरों की सच्चाई बता दी है। उन्होंने बड़े ही मजेदार तरीके से इन खबरों पर रियेक्ट किया है। साथ ही अब तमन्ना भाटिया ने अपने होने वाले पति को दुनिया के सामने इंट्रोड्यूस करा दिया है। दरअसल, अब तमन्ना ने अपने ऑफिसियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो शेयर कर लोगों को अपने होने वाले दूल्हे से मिलवाया है। लेकिन एक्ट्रेस के मंगेतर को देखकर आपको एक जोरदार झटका लगेगा। आपको बता दे, एक्ट्रेस ने जिसे अपना पति बताया है वो कोई और नहीं बल्कि खुद तमन्ना है। आपको कन्फ्यूज होने की कोई जरूरत नहीं है ! दरअसल, सच्चाई ये है कि एक्ट्रेस फिलहाल शादी के मूड में नहीं है। ये सब खबरें फेक है, जिनका खंडन करते हुए हुए एक्ट्रेस ने फनी अंदाज में 2 वीडियो पोस्ट की। एक वीडियो में एक्ट्रेस साड़ी में नजर आ रही हैं।

देबिना और गुरमीत ने अपनी बेबी का घर पर किया ग्रैंड वेलकम, केक से लेकर डेकॉर तक सब था स्पेशल

टीवी के पॉपुलर कपल देबिना बनर्जी और गुरमीत चौधरी हाल ही में दूसरी बार पेरेंट्स बने है। लेकिन इस बार पेरेंट्स बनना उनके लिए वाकई स्पेशल है। क्योकि इस बार देबिना बिना किसी प्लानिंग और बिना किसी मेडिकल ट्रीटमेंट के प्रेग्नेंट हुई थी। आपको बता दे, खुद एक्ट्रेस ने रिवील किया था कि वो कई सालो से मां बनने की कोशिश कर रही थी। उन्होंने कई मुश्किल ट्रीटमेंट्स करवाए जिसके बाद जाकर उनकी पहली बेटी लियाना का जन्म हुआ था। वही लियाना के जन्म के कुछ महीने बाद ही एक्ट्रेस ने अपनी दूसरे प्रेगनेंसी की न्यूज शेयर की थी। हालांकि एक्ट्रेस इस गुड न्यूज के बाद खूब ट्रोल हुई थी। लेकिन उन्होंने बताया था कि इस बार उन्होंने बिना किसी प्रोसीजर के कंसीव किया है। जो उनके लिए नामुमकिन था। ऐसे में उनकी दूसरी प्रेगनेंसी किसी चमत्कार से कम नहीं थी। वही, अब फाइनली एक्ट्रेस अपनी दूसरी बेटी को जन्म दे चुकी है। साथ ही अब उन्होंने अपने दूसरी बेटी का घर पर ग्रैंड वेलकम भी किया। आपको बता दे, देबिना की डिलीवरी, डेट से पहले ही हो गई। जिसके चलते कुछ दिनों तक बच्ची को डॉक्टर्स के ऑब्जर्वेशन में रहना पड़ा लेकिन अब गुरमीत- देबिना की नन्ही परी घर आ गई है। वही अब देबिना बनर्जी और गुरमीत चौधरी ने अपनी लाडली का घर में ग्रैंड वेलकम किया है जिसकी कुछ झलकियां सोशल मीडिया पर भी देखने को मिली। आपको बता दे इस दौरान कपल ने सब कुछ बड़े ही स्पेशल तरीके से प्लान किया था। उन्होंने अपने घर को पिंक-व्हाइट बैलूंस, आर्टिफिशियल फूल और आर्टिस्टिक चीजों से डेकोरेट किया। देबिना ने कई तस्वीर शेयर कर इस खास दिन की झलक फैंस को भी दिखाई। एक तस्वीर में उनकी बड़ी बेटी लियाना चौधरी बैठी हुई दिखाई दी। वही केक पर सब लोगो की नजरे अटक गई। ये केक इतना खूबसूरत था कि कोई भी इससे अपनी नजरे नहीं हटा पाया। लेकिन किसी भी तस्वीर में उनकी न्यू बोर्न बेबी का चेहरा नजर नहीं आया।

पुरुष या महिलाएं किसे है डायबिटीज से ज्यादा खतरा ? जानें कितने अलग होते हैं लक्षण

भारत के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से बदलती जीवन शैली के कारण महिलाओं की तुलना में पुरुषों में मधुमेह होने का खतरा अधिक पाया गया है। एक अध्ययन में ये बात सामने आई है कि भारत में 31 प्रतिशत महिलाओं और 32 प्रतिशत पुरुषों में मधुमेह के लिए जिम्मेदार डायबिटीज मेलिटस (डीएम) पाया गया। मोटापा, स्पष्ट पारिवारिक इतिहास, सुस्त जीवनशैली और गर्भावस्था में शुगर बढ़ने के इतिहास वाले लोगों को मधुमेह होने का जोखिम अधिक रहता है।

9000 लोगों पर किया गया अध्ययन

मधुमेह की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए स्वास्थ्य देखभाल की अग्रणी संस्था इंडस हेल्थ प्लस ने ब्लड शुगर (रक्त शर्करा) की प्रवृत्ति का अध्ययन किया है। स्वास्थ्य की जांच पर आधारित इस अध्ययन में अक्टूबर 2021 से लेकर सितम्बर 2022 तक किये गए स्वास्थ्य-जांच का अवलोकन किया गया। इसमें पाया गया कि इनमें से 23 प्रतिशत लोगों को मधुमेह था और 32 प्रतिशत के कगार पर थे। यानी उनका शुगर लेवल 100 से 125 एमजी-डीएल के बीच था। यह अध्ययन कुल 9000 लोगों पर किया गया।

इस कारण होता है ये रोग

कुल लोगों में 25 प्रतिशत पुरुष और 20 प्रतिशत महिलाएं मधुमेह से पीड़ित हैं और 32 प्रतिशत पुरुष तथा 31 प्रतिशत महिलाएं इस रोग की सीमारेखा पर हैं। यह रोग मुख्यतरू तनाव, मोटापा, चीनी खाने, शराब पीने, अस्वास्थ्यकर खाद्य का सेवन करने और पर्याप्त व्यायाम नहीं करने के कारण होता है। महिलाओं की तुलना में पुरुषों में इस रोग की व्यापकता ज्यादा है। जिन लोगों को पहले से मधुमेह है, वे स्वास्थ्यकर जीवनशैली, खाने-पीने पर नियंत्रण और जीवनशैली में बदलावों जैसे सुधारात्मक उपाय करके रोग को दूर कर सकते हैं।

अलग-अलग होता है क्यंइमजमे का प्रभाव

स्वास्थ्य विशेषज्ञ की मानें तो खराब आदतें, इलाज के प्रति कम गंभीरता, तनाव, न्यूट्रिशन की कमी और बीमारी की जटिलता के कारण डायबिटीज पुरुष और महिलाओं को भिन्न-भिन्न प्रभाव डालता है। दरअसल डायबिटीज अन्य बीमारियों की तरह ही पेट की चर्बी से जुड़ी हुई है। महिलाओं में यह फैट स्किन के बिल्कुल नीचे ही होता है, जिसे क्यूटेनियस फैट के नाम से जाना जाता है। पुरुषों में पेट का फैट ऑर्गन के आसपास स्टोर होता है। इसे विसरल फैट कहा जाता है।

पुरुष होते हैं लापरवाह

वर्तमान में पुरुषों और महिलाओं का डायबिटीज का उपचार समान ही है। अगर इसके कारणों के अंतर को अच्छे से समझा गया तो इनके उपचार में भी विभिन्नता देखने को मिल सकती हैं। जो महिलाएं मधुमेह की मरीज हैं उनमें अवसाद से ग्रस्त होने का खतरा दोगुना होता है। गर्भावस्था में होने वाले मधुमेह को जेस्टेशनल डायबिटीज कहते हैं जो मां और शिशु दोनों के लिए खतरनाक है। वहीं बात अगर पुरुषों की कि जाए तो पुरुषों में डायबिटीज की पहचान लंबे समय तक नहीं हो पाती है।

पुरुषों में अलग से दिखने वाले डायबिटीज के लक्षण

ऑटोनोमिक नर्वस सिस्टम को नुकसान

पुरुषों में मधुमेह के लक्षण में पेशाब संबंधी समस्याएं भी शामिल है

ताकत में कमी और मांसपेशियां कमजोर होना

यीस्ट इंफेक्शन की वजह से भी पुरुषों को डायबिटीज हो सकती है।

अगर आपको अक्सर ही थकान रहती है तो अपना ब्लड शुगर टेस्ट कराएं।

डायबिटीज होने पर महिलाओं की तुलना में पुरुषों का वजन कम बढ़ता है।

महिलाओं में दिखने वाले लक्षण

डायबिटीज होने का सबसे बड़ा कारण मेटाबॉलिक डिसऑर्डर है, जो बॉडी में ब्लड शुगर लेवल के बढ़ने के कारण होता है। इसके अलावा महिलाओं में डायबिटीज की वजह से कई दूसरी समस्याएं भी सामने आती है जैसे आंखों की रोशनी का चले जाना, गुर्दे की बीमारी होना, साथ ही कई महिलाओं को इन्फर्टिलिटी की प्रॉब्लम भी हो सकती है।

वजाइना में खुजली होना भी डायबिटीज का लक्षण है

मुंह के अंदर सफेद घाव होना

बार बार पेशाब आना

तेजी से वजन कम होना

भूख पर नियंत्रण नहीं रहना

मधुमेह होने पर महिलाओं के मूड में बदलाव आते रहते है।

वाइट और येलो डिस्चार्ज आमतौर पर होता है, लेकिन यह ज्यादा ही हो रहा है तो यह डायबिटीज का संकेत है। याद रखें कि इस तरह के लक्षण दिखाई देने पर इन्हें नजरअंदाज ना करे। इस पर ध्यान ना देने की वजह से यह शुगर होने की वजह बन जाते है। इनमें से कोई भी लक्षण आपको महसूस हो रहे है तो आपको शुगर चेकअप करवाना चाहिए।- **एजेंसी**

CMYK